फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 220 प्रभात जयपुर, मंगलवार 14 मार्च , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Not a paisa more: Not a paisa less — This is the 'Babas' money! If I am taking it away, he will stop me. I have been asking for help and he has told me to take this.

Boost Your Wi-Fi Signal

Forgotten Recipes of the Thar — An opportunity to indulge in the splendour of traditional delicacies of the Thar region.

अकादमी अवॉर्ड समारोह में तेलुगू फिल्म आर आर आर के गाने ''नाटू-नाटू'' को ''ओरिजनल सॉन्ग'' कैटगरी में ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। आर आर आर के इस गाने ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है और एक बार फिर देश को गर्व करने का मौका मिला है। इससे पहले इस गाने को गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड भी मिल चुका है। ऑस्कर अवॉर्ड नाइट में गायक राहुल सिप्लिगुंज और काल भैरव ने स्टेज पर ''नाटू- नाटू'' गाने पर लाइव परफॉरमैंस दी। इस दौरान स्टेडियम में मौजूद सभी लोग ''नाटू -नाटू'' की धुन पर झूम उठे। संगीतकार एम.एम. कीरावानी का यह गीत पिछले साल अमेरिका में फिल्म की रिलीज़ के बाद ग्लोबल सैन्सेशन बन गया था। हिंदी में यह गाना ''नाचो नाचो'', तमिल में ''नट्टू कूथु'' और कन्नड़ में ''हल्ली नातु'' के रुप में रिलीज किया गया था। अगर नाटू शब्द की बात करें तो इसका मतलब है नाचना। इस गाने में कई अलग-अलग लोगों के नाचने के उदाहरण देते हुए बताया गया है कि, इस तरह नाचिए, जैसे लोकदेवता के किसी फैस्टिवल के लीड डांसर नाचते हैं, जैसे बच्चे बरगद के पेड़ के नीचे नाचते हैं...आदि।

प्रियंका गांधी के पी.ए. संदीप सिंह के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज

अभिनेत्री व कांग्रेस में सक्रिय अर्चना गौतम के पिता ने यह एफ.आई.आर. उत्तर प्रदेश में मेरठ के पास दर्ज करवाई है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- जैसा कि विदित ही है, अर्चना गौतम एक एस.सी. वर्ग की महिला हैं, अतः एस.सी. के व्यक्ति द्वारा दर्ज एफ.आई.आर. काफी गंभीर मामला बन जाता है।
- इसीलिए संदीप सिंह ने अब कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान में शरण ली है, क्योंकि भाजपा की यू.पी. सरकार किसी कांग्रेस के नेता के मामले में थोड़ा भी नरम रूख रखे, इसकी कतई उम्मीद नहीं है।
- प्राप्त जानकारी के अनुसार, संदीप सिंह के खिलाफ पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं के साथ बदसलूकी व अपमानजनक भाषा के उपयोग की कई शिकायतें हैं।
- प्रियंका गांधी यू.पी. की इंचार्ज हैं, अतः उनके पी.ए., क्योंकि, वे परोक्ष रूप से कांग्रेस पार्टी के यू.पी. के मामलों में अपना पूरा दखल रखते हैं, में गुरूर आना स्वाभाविक ही है।
- उनके (संदीप सिंह) के खिलाफ की गई शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है, अतः अब थक हार कर कांग्रेस नेताओं ने एफ.आई.आर. का रास्ता ढूंढा है।

नई दिल्ली, 13 मार्च। प्रियंका गांधी के पी.ए. संदीप सिंह इस समय बहुत बड़े संकट में हैं। उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है क्योंकि एक अभिनेत्री तथा कांग्रेस ऐक्टिविस्ट अर्चना गौतम, जो अनुसूचित जाति की भी हैं, की शिकायत पर, उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज हो गई है।

कानून के तहत, किसी अनुसूचित जाति के व्यक्ति और वो भी एक महिला, को परेशान करना तथा उसके साथ दुर्व्यवहार करना या अपशब्दों का प्रयोग करना गंभीर अपराध है तथा इसमें गिरफ्तारी हो सकती है।

इस आशंका और संभावना के चलते, संदीप सिंह कांग्रेस-शासित राजस्थान में छिपे हुये हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश, जो भाजपा शासित राज्य है, का झुकाव प्रियंका गांधी के स्टाफ के पक्ष में कदापि नहीं होगा।

इस शिकायत पर अर्चना गौतम के पिता ने (मेरठ के पास) उत्तर प्रदेश में एक एफ.आई.आर. दर्ज कराई है।

समझा जाता है कि उनके खिलाफ एक से अधिक केस हैं तथा उनके खिलाफ ये केस मूलतः उत्तर प्रदेश के उन कांग्रेसजनों ने दर्ज कराये हैं जो उनकी अकड़, अहंकार और सत्ता की राजनीति के शिकार थे।

प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश की पार्टी प्रभारी हैं और उनके सर्वशक्तिमान पी.ए.के. रूप में, संदीप सिंह उत्तर प्रदेश में पार्टी को चला रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि उनके खिलाफ दर्ज शिकायतें नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा के प्रयोग तथा उनके दबदबे से संबंधित हैं लेकिन प्रियंका गांधी ने उनके खिलाफ एक शब्द तक सुनने से साफ इंकार कर दिया है। इस प्रकार के परिदृश्य में, उत्तर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं के पास पुलिस के पास जाने तथा उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के अलावा शायद ही कोई विकल्प बचा है।

सिलिकॉन वैली बैंक के बाद एक और बैंक डूबेगा अमेरिका में?

अमेरिका के ''सिग्नेचर बैंक'' को चलाना संभव नहीं लग रहा, अतः सरकार ''सिस्टमैटिक'' तरीके से इसे बंद करने की दिशा में बढ़ रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हालांकि, इन घटनाओं से हिन्दुस्तान के बैंकिंग सैक्टर को घबराने की खास जरूरत नहीं है।
- पर, इन बैंकों के बंद होने का मनोवैज्ञानिक असर तो जरूर होगा। उदाहरण के लिये, फिलहाल रिज़र्व बैंक ने महंगाई को थामने के लिये, ब्याज दर बढ़ाने का इरादा त्याग दिया है।

नई दिल्ली, 13 मार्च। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि अमेरिका के एक स्टार्ट-अप उन्मुखी बैंक सिलीकॉन वैली बैंक (एस.वी.बी.) के दिवालिएपन ने यह आशंका पैदा कर दी है कि इसका असर भारतीय वित्तीय बाजारों पर भी पड़ेगा जिसके परिणामस्वरूप भारत के शेयर बाजारों में तेजी से गिरावट दर्ज की जाएगी।

जैसा कि इस अखबार में पिछले हफ्ते बताया गया था कि अमेरिकी बैंकों की विफलता भारतीय वित्तीय बाजारों और कुछ स्टार्टअप फर्म्स की संभावनाओं पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल रही है।

दिन में भारतीय स्टॉक मार्केट्स में नरमी का रूख रहा, जिसका निशाना मुख्यतः बैंक और फायनैंशियल कम्पनियों के शेयर रहे। इसकी वजह से इनके बाजार पूंजीकरण में 7 लाख करोड़ रूपयों से अधिक की गिरावट आई। वास्तव में, भारतीय वित्तीय बाजार जापान जैसे वित्तीय बाजार से संकेत ले रहे थे। जापान में सोमवार को बाजार खुलते ही गिरावट का रूख रहा।

स्टार्टअप सैक्टर भी तनावग्रस्त हो गया है क्योंकि कई स्टार्टअप्स ने एक विफल बैंक में अपने फण्ड्स जमा कराए और जमा की पर्ची भी नहीं ली, तथापि इस स्थिति में थोड़ा सा सुधार उस आश्वासन से है, जो अमेरिका के ''फायनैंशियल रैग्युलेटर्स एण्ड डिपोज़िट इंश्योरैंस कारपोरेशन'' ने दिया है। उसने कहा है कि एस.वी.बी. के जमाकर्ताओं को उनका एक-एक पैसा लौटाया जाना चाहिए।

समूचे टैक्नोलॉजी सैक्टर से विपरीत खबर है। इसके अलावा अमेरिका के फैडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में की जा रही निरन्तर वृद्धि ने एक ऐसी स्थिति निर्मित कर दी थी कि उससे बैंकों का असैट बेस धीरे-धीरे कम होने लगा।

एस.वी.बी. के अलावा अमेरिका का एक अन्य ''सिग्नेचर बैंक'' भी ठप्प होने की प्रक्रिया में है। बदलती परिस्थितियों में बैंक के क्रियाकलाप अलाभप्रद हो गए थे, इसलिए सिग्नेचर बैंक के मैनेजमैंट ने इसे व्यवस्थित रूप से बंद करने का निर्णय लिया।

अमेरिका में लगातार दो बैंकों के
(शेष पृष्ठ 7 पर)

अलवर में बनेगा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। केन्द्र सरकार ने तीन और ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट्स बनाने की मंजूरी दी है। ये राजस्थान के अलवर, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और हिमाचल प्रदेश के मंडी में बनाए जाएंगे।

- नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, रिटायर्ड जनरल वी.के. सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि, राजस्थान में अलवर, मध्य प्रदेश में सिंगरौली व हिमाचल में मंडी सहित कुल तीन शहरों में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाए जाएंगे।

राज्यसभा में नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री रिटायर्ड जनरल डॉ.वी.के. सिंह ने एक लिखित जवाब में दी।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट प्रोजैक्ट के क्रियान्वयन की जिम्मेवारी जिसमें
(शेष पृष्ठ 7 पर)

तेलंगाना में विधानसभा चुनावों से पूर्व दरारें पड़ीं भाजपा में

प्रदेशाध्यक्ष बंडी संजय की, मु.मंत्री की पुत्री, के. कविता के खिलाफ हल्की टिप्पणी, तत्कालिक कारण बनी भाजपा नेताओं के आपसी झगड़े का

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- तेलंगाना भाजपा में अलग-अलग पृष्ठभूमि से कई लोग आये हैं। इन लोगों की विचारधारा, संस्कृति फर्क होने से, मतभेद उभरना तो अपेक्षित सा ही था।
- पर, अगर शुरू से ध्यान नहीं दिया गया व एहतियात नहीं बरता गया तो, ये मतभेद खाई बन सकते हैं तथा भाजपा, जो तेलंगाना में अच्छे नतीजे दिखाने की स्थिति में थी, कहीं लटक नहीं जाये, आंतरिक मतभेदों के कारण।

नई दिल्ली, 13 मार्च। ऐसे समय पर, जब प्रवर्तन निदेशालय ने अपना पूरा ध्यान तेलंगाना के मुख्यमंत्री की पुत्री के. कविता पर लगा दिया है, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष तथा सांसद बान्दी संजय की ओर से आ रहे अशिष्टतापूर्ण बयानों की जनता द्वारा की जा रही घोर भर्त्सना से राज्य भाजपा इकाई की दरारें उजागर हो गई हैं।

भाजपा, जो विधानसभा चुनावों तथा लोकसभा चुनावों में तेलंगाना में अपनी अच्छी संभावनाएं मानकर चल रही थी, अब अंदरूनी फूट का सामना कर रही है क्योंकि पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष के कामकाज को लेकर स्थानीय नेताओं के मतभेद सामने आ गये हैं। इसे कोढ़ में खाज ही कहा जायेगा कि भाजपा के वरिष्ठ स्थानीय नेता शेखर राव पेराला ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बान्डी संजय पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा है कि संजय मुद्दे उठाते हैं और फिर पैसे बनाने के लिये उन्हे निपटा भी देते हैं। शेखर राव ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया है कि उनके पास इन आरोपों को सिद्ध करने के सुबूत भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर नेतृत्व विभिन्न गतिविधियों की अनदेखी करे तो आदमी को सोशल मीडिया का सहारा लेने को मजबूर होना पड़ता है।

पेराला ने इस सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है, ''आज भाजपा की स्थिति ऐसी हो गई है कि वह तीन कदम आगे की तरफ चलती है तो छः कदम पीछे की की ओर जाती है और इसके लिये पूरी तरह दोषी राज्य का पार्टी नेतृत्व है।''

भाजपा में, ऐसी चीजें खुले आम प्रचारित नहीं हुआ करती है। लेकिन अगर किसी को सामने आना पड़ता है और ऐसा करना पड़ता है तो इससे केवल यही संकेत मिलता है कि इस समस्या
(शेष पृष्ठ 7 पर)

'पहली बार देखा है कि सत्तारूढ़ पार्टी संसद ठप्प करा रही है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। बजट सत्र में दूसरे हिस्से के पहले ही दिन सोमवार को

- कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने राहुल के माफीनामा के मुद्दे पर संसद में सत्तारूढ़ पार्टी के हंगामे पर टिप्पणी की।

संसद पूरे दिन के लिये स्थगित कर दी गई
(शेष पृष्ठ 7 पर)

'इलाहाबाद हाई कोर्ट परिसर से मस्जिद हटाई जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अधिकारियों को आदेश दिए कि तीन माह के भीतर इलाहाबाद हाई कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, तीन माह के भीतर हाई कोर्ट परिसर से मस्जिद हटा दी जाए।

परिसर से मस्जिद हटाई जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता वक्फ
(शेष पृष्ठ 7 पर)

बी.बी.सी. अपना निर्णय बदलने को मजबूर हुई

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने फुटबाल खिलाड़ी गैरी लिनेकर को पुनः उनकी जिम्मेवारी सौंपी बी.बी.सी. ने

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- लिनेकर नियमित रूप से बी.बी.सी. का अति लोकप्रिय प्रोग्राम ''मैच ऑफ द डे'' प्रैज़ैन्ट करते थे।
- पर, इंगलैण्ड की सरकार द्वारा नयी शरणार्थी नीति को लागू करते हुए, जो भाषा काम में ली गई, उसकी खुली आलोचना करते हुए लिनेकर ने ट्वीट किया कि, यह भाषा नाज़ी सरकार काल में ली गयी घृणित भाषा के समकक्ष है।
- शुक्रवार को इस ट्वीट के बाद, लिनेकर को हटा दिया गया था, पर बी.बी.सी. के स्टाफ ने, बी.बी.सी. के इस आदेश का भारी विरोध जताया, स्पोर्ट्स कार्यक्रम नहीं दिखाये जा सके।
- स्टाफ ने बी.बी.सी. के इस कृत्य को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात माना।
- डायरैक्टर जनरल टिम डेवी ने हार मानकर सोमवार को घोषणा की कि, बोर्ड ने निर्णय लिया है कि, लिनेकर पुनः ''मैच ऑफ द डे'' प्रैज़ैन्ट करेंगे।

नई दिल्ली, 13 मार्च। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कारपोरेशन (बी.बी.सी.) ने जनता के निरंतर विरोध के आगे झुकते हुए लोकप्रिय स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर गैरी लिनेकर को सेवामुक्त करने के अपने पूर्व के निर्णय को वापस लेकर उन्हें बहाल कर दिया है।

लिनेकर इंग्लैण्ड में फुटबाल के सर्वाधिक लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और वह बी.बी.सी.के हाइऐस्ट पेड प्रैज़ेन्टर थे। जब उन्होंने प्रवासियों के बारे में कन्ज़रवेटिव सरकार द्वारा प्रयुक्त भाषा की तुलना नाज़ी जर्मनी द्वारा प्रयुक्त की गई भाषा से की थी, तब पिछले शुक्रवार को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। बी.बी.सी. का कहना था कि लिनेकर के ट्वीट ने निष्पक्षता के नियमों का उल्लंघन किया है, जबकि आलोचकों ने उस पर अभिव्यक्ति की आज़ादी का गला घोंटने का आरोप लगाया था।

बी.बी.सी. ने ट्विटर पर डाली गई एक पोस्ट को लेकर उन्हें निलंबित कर दिया था। इस पोस्ट में उन्होंने ब्रिटिश सरकार की शरण देने की नई नीति की आलोचना की थी।

बी.बी.सी. ने यू.के. सरकार की नई शरण प्राप्ति नीति को लेकर की गई आलोचना से उपजे संकट को समाप्त करते हुए सोमवार को कहा कि गैरी लिनेकर उसके फ्लैगशिप फुटबॉल शो ''मैच ऑफ द डे'' में प्रैजेन्टर के रूप में वापसी करेंगे।

बी.बी.सी. महानिदेशक टिम डेवी ने कहा कि ''गैरी बी.बी.सी. का एक अहम हिस्सा हैं, और मुझे उम्मीद है कि वह आगामी सप्ताहांत में हमारी कवरेज को प्रैज़ैन्ट करेंगे।''

गैरी के ट्वीट और फिर बी.बी.सी. द्वारा उनके निलम्बन के निर्णय के बाद उनके साथी प्रैज़ेन्टर्स, विशेषज्ञों और कमैन्टेटर्स ने उनके समर्थन में उसी सप्ताहांत काम करने से इंकार कर इस बॉडकास्टर की स्पोर्ट्स कवरेज को अस्तव्यस्त कर दिया था।

लिनेकर ने सोमवार को ट्वीट किया कि ''मैं ''मैच ऑफ द डे'' को फिर से प्रज़ैन्ट करने के लिए शनिवार की प्रतीक्षा नहीं कर सकता।''

उन्होंने आगे कहा कि ''हालांकि पिछले कुछ दिन काफी कठिन रहे। इसका ये मतलब नहीं कि ये इतने कठिन रहने हों कि आपको उत्पीड़न वाली जगह से भागकर घर आना पड़ा हो या किसी युद्धभूमि से दूर जाकर कहीं शरण लेनी पड़ी हो।''

डेवी ने सेवाओं में व्यवधान के लिए यह कहते हुए क्षमा मांगी कि ''बी.बी.सी. की सोशल मीडिया गायडैन्स के ग्रे एरियाज़ से बनी भ्रामक स्थिति को वह अब समझते हैं।''
(शेष पृष्ठ 7 पर)

वन रैंक वन पैंशन के किश्तों में भुगतान पर रोक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि रक्षा मंत्रालय कानून को हाथों में लेकर, ऐसे पत्र जारी नहीं कर सकता कि वन रैंक वन

- सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने का निर्णय सुनाते हुए कहा कि, रक्षा मंत्रालय वन रैंक वन पैंशन के एरियर का भुगतान चार किश्तों में करने की घोषणा कर कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता।

पेंशन (ओ.आर.ओ.पी.) की बकाया राशि (एरियर्स) का भुगतान चार किश्तों में किया जायेगा। मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच ने मंत्रालय से कहा कि वे 20 जनवरी के
(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। –फ्रैंकलिन

शोषण का यह सिलसिला आखिर कब रुकेगा?

इस वर्ष हम देश की स्वतंत्रता का 75वां वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। अब भी कई घटनाएं ऐसी सामने आती हैं, जिनसे यह प्रश्न उठता रहता है कि देश में निर्धन, असहाय, कमजोर का शोषण कब तक चलेगा और यह कैसे रुकेगा या रुकेगा भी या नहीं? इसी संबंध में कुछ घटनाएं में पाठकों के साथ साझा करना चाहता हूं।

हमारे यहां पर बिहार का एक युवक काम करता है। इसने अपनी छोटी बहन के विवाह के लिए एक फाइनेंस कंपनी से 80000 का लोन लिया। कुछ दिन पहले उससे बात करने पर पता चला कि फाइल बनाने और प्रोसेसिंग चार्जेस के नाम पर 5000 काटने के बाद उसे कुल 75000 दिए गए। इसकी किश्त प्रतिमाह 4850 थी और उसे यह कर्जा कुल 24 माह में चुकाना था। मुझे लगा कि ब्याज दर अत्यधिक है। इस कारण मैंने उसे यह कहा कि वह कंपनी में पता करें कि यदि वह बकाया सारा पैसा साथ चुका दे, तो उसे कितना पैसा देना होगा? उसने तीन माह पूर्व ही लोन लिया था। उसने कंपनी में जाकर पता किया तो उसे बताया गया कि तीन माह में लगभग 15000 जमा कराने के बाद भी उसके विरुद्ध 78591 बकाया हैं। यदि वह 'अदेया प्रमाण पत्र' चाहता है उसे यह राशि जमा करानी होगी। मैंने उसे यह राशि दे दी और उसने जमा करा कर अदेयता का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। 15000 रुपये चुकाने के बाद भी इतनी बकाया के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण मैंने कंपनी के प्रतिनिधि से फोन पर बात की। उसने बताया कि कंपनी की ब्याज की दर 34 प्रतिशत है क्योंकि उसके पास गारंटी देने या गिरवी रखने के लिए कुछ भी संपत्ति नहीं थी। वैसे भी, किसी निर्धन व्यक्ति के सम्पत्ति होती ही कहाँ है जो वह किसी फाइनेंस कंपनी अथवा बैंक के पास गिरवी रख सके? एक और जहां सामान्य निवेशक को अपने बैंक में जमा राशि पर 3-4 प्रतिशत अथवा एफ.डी.आर. पर कुल 7 प्रतिशत के लगभग ब्याज प्राप्त होता है और बड़े-बड़े उद्योगपतियों को लाखों, करोड़ों रुपए लगभग 8-10 प्रतिशत की ब्याज दर पर उपलब्ध हो जाते हैं, वहीं एक निर्धन युवा को 34 प्रतिशत वार्षिक की दर पर ब्याज देने हेतु बाध्य होना पड़े, तो यह पीड़ा पहुंचाने वाली बात है। शायद इसी कारण, ऊंची ब्याज दर पर ऋण देने वाले साहूकार पनपते हैं और उन्हें साधारण व्यक्तियों का शोषण करने का अवसर मिलता है। जब फाइनेंस कंपनी कानूनी रूप से 34 प्रतिशत ब्याज ले रही है तो साहूकार 20-25 प्रतिशत की ब्याज दर तो बड़ी आसानी से वसूल कर ही सकते हैं।

ऐसे समय में, जब भारत सरकार के मंत्री और प्रधानमंत्री, हर संबोधन में यह कहते हैं कि मुद्रा लोन हेतु 10 लाख तक की राशि बिना किसी गारंटी एवं जमानत के बेरोजगारों को मिल सकती है, किंतु पारिवारिक आवश्यकता होने पर किसी व्यक्ति को ऋण लेने पर 34 प्रतिशत की दर पर ब्याज देना पड़े, तो इसे क्या कहा जाएगा? यदि ऐसी ही परिस्थितियां बनी रहीं, तो यह संभावना नगण्य है कि गरीब व्यक्ति, कभी गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकल सके।

अडानी प्रकरण में शेयरों के भाव में अचानक कमी आने के कारण जिस प्रकार एसबीआई और एलआईसी में निवेश करने वाले सामान्य निवेशकों को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, वह भी प्रभावी लोगों द्वारा सिस्टम को अपने पक्ष में करके साधारण व्यक्तियों के शोषण करने का ही एक उदाहरण है। कृत्रिम रूप से अपने शेयर के भाव 4200 रुपये तक बढ़ा दिए गए और इसके बाद हिंडन बर्ग की रिपोर्ट के फलस्वरूप यह गिरकर 1200 रुपये हो गए। इसी कारण यह सारी समस्या उत्पन्न हुई है। देश की प्रमुख संस्था सेबी से यह अपेक्षा रहती है कि वह साधारण निवेशकों के हितों की रक्षा करे। जब अडानी समूह में शैल कंपनियों के माध्यम से बड़ी धनराशि लगाई जा रही थी, उस समय सेबी का ध्यान न जाना या उसके द्वारा जानबूझकर ध्यान न दिया जाना, निवेशकों के हित पर कुठाराघात ही सिद्ध हो रहा है। उल्लेखनीय है कि एलआईसी और एस बी आई द्वारा बहुत बड़ी धनराशि अडानी ग्रुप की कंपनियों में निवेश की गई है। अतः अडानी के शेयरों में गिरावट का प्रभाव साधारण निवेशकों पर पड़ना ही था।

> **शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र है जो शोषण से मुक्त हो। शोषण का यह वातावरण इतना सर्वव्यापी है कि स्वास्थ्य का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि जो भी सत्ता - बल धन - बल और शारीरिक - बल का मालिक है उसने कमजोर, वंचितों का शोषण करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है।**

प्रश्न तो यह है कि हमारी व्यवस्था, संपन्न और प्रभावी लोगों को शोषण करने का अवसर प्रदान क्यों करती है? हाल ही में सेबी ने अरशद वारसी एवं उसकी पत्नी के विरुद्ध शेयरों में जानबूझकर बढ़ोतरी करा के उन्हें बेचकर कुछ लाख रुपए कमाने के आरोप में गंभीर कार्यवाही की है। यदि ऐसी ही सावधानी अडानी कंपनियों के शेयरों में लगने वाले धन के बारे में कर ली जाती तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। यह तो भला हो सर्वोच्च न्यायालय का, जिसने इस प्रकरण में निष्पक्ष, ठोस जांच करने हेतु अपने स्तर पर एक समिति का गठन किया है एवं सेबी को भी आदेश दिए हैं कि वह इस बारे में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे। इससे आशा अवश्य जगी है कि शायद एलआईसी आदि कंपनियों में निवेश करने वाले साधारण निवेशकों के हितों की रक्षा हो सकेगी।

शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र है जो शोषण से मुक्त हो। कानूनन, कोई मालिक अपने श्रमिक/अधीनस्थ कर्मचारी से एक निश्चित समय अवधि से अधिक कार्य नहीं करवा सकता है, किन्तु किस प्रकार 12-14 घंटों तक दुकानों, ढाबों या अन्य कार्यस्थलों पर काम लिया जाता है, यह सर्वविदित है। शिक्षण संस्थानों में अच्छे-खासे उच्च शिक्षित शिक्षकों का शोषण आम बात है। पीएचडी जैसी उच्च डिग्रीधारक युवा 10-12000 रुपए मासिक के वेतन पर कार्य करने को मजबूर हैं।

माना जाता है कि शोषण होने पर व्यक्ति पुलिस या न्यायालय की शरण ले सकता है लेकिन ये ही कई बार अतिरिक्त शोषण के कारण बन जाते हैं। पीड़ित, परेशान व्यक्ति जब न्याय पाने की आशा में पुलिस थाने पर जाता है तो वहां भी उसे कई बार अर्थिक, मानसिक शोषण का शिकार होना पड़ता है। जब पुलिस द्वारा अपराधियों को संरक्षण और पीड़ित शिकायत कर्ता में भय उत्पन्न किया जाय तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश के नागरिकों को शोषण से मुक्ति कौन दिलाएगा? न्याय प्रक्रिया जटिल और महँगी होने के कारण शोषित के लिए न्याय प्राप्त करना सम्भव नहीं होता।

बच्चे, जिनके हाथ में पुस्तक और खिलौने होने चाहियें, यदि ढाबों में देर तक झूठे बर्तन साफ़ करने के लिए मजबूर हों, तो अमृत महोत्सव मनाना बेमानी सा लगता है। विश्वविद्यालयों में शोधार्थियों के शारीरिक शोषण तक की खबरें लगातार आती रही हैं। हालत तो यह हो गई है कि विद्यालयों तक में बालिकाएं यौन शोषण से नहीं बची हैं।

शोषण का यह वातावरण इतना सर्वव्यापी है कि स्वास्थ्य का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। साधारण परिवार के मरीज़ों को किसी न किसी नाम से अत्यधिक धनराशि इन संस्थानों को देने हेतु बाध्य होना पड़ता है चाहे वह आवश्यक-अनावश्यक जांचे हों, महंगी दवाएँ हों या फिर अस्पतालों में बिना आवश्यकता के अधिक समय तक भर्ती रखना हो। अस्पताल में विभिन्न प्रकार की महंगी दवाइयों के नाम पर गरीब मरीजों को कैसे लूटा जाता है, इसके बारे में समाचार हम नियमित रूप से समाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं। शोषण की इसी प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश की संपत्ति बहुत तेजी से कुछ ही लोगों के हाथों में सिमटती जा रही है और अधिकांश जनसंख्या पहले से कहीं अधिक गरीब होती जा रही है। अमीर और गरीब की बढ़ती खाई इसी शोषणकारी प्रवृत्ति का परिचायक है।

राज्य का दायित्व होता है, वंचित और कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा करे और उनको इतना सक्षम बनाएँ कि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें। इन दोनों ही कामों में केंद्र, राज्य सरकार एवं उनकी विभिन्न संस्थाएं सफल नहीं रही हैं, बल्कि सामान्यतया वे, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, शोषणकारी वर्गों के साथ खड़ी दिखाई देती हैं।

गरीबी के कारण एवं गांवों में रोजगार के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण कई युवा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से एवं दूसरे राज्यों से भी जयपुर जैसे बड़े शहरों में आकर छोटा-मोटा काम करके या फल सब्जी बेचकर अपना गुजारा करने का प्रयास करते हैं। अतिक्रमण हटाने के नाम पर कई बार इन लोगों के ठेलों को उलट दिया जाता है और फल सब्जियों को जप्त कर लिया जाता है। इससे बड़ी मुश्किल से गुजारा चलाते वाले लोग बहुत संकट में आ जाते हैं।

पुलिस, नगर निगम अथवा जेडीए के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का सारा खामियाजा सामान्यतया गरीब व्यक्तियों को ही भुगतना पड़ता है क्योंकि जो व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण महंगी भूमि नहीं खरीद पाते, वे ही मजबूरी में सरकारी भूमि पर छोटा, कच्चा घर बनाकर रहते हैं। दूसरी ओर, जिन प्रभावशाली लोगों द्वारा आलीशान बहुमंजिला इमारतें सभी कानून कायदों को धता बताकर बना ली जाती हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई करने में जेडीए, नगर निगम अथवा राज्य के अन्य संस्थाओं का ध्यान नहीं जाता है। स्पष्ट है कि कानून की पालना भी इसी सिद्धांत को आधार पर होती दिखाई देती है कि 'समरथ को नहिं दोष गुसाईं'। परिणाम स्वरुप, शोषण तो उसी का होना है जो समर्थ नहीं है।

बच्चों के शोषण का एक उदाहरण हाल ही में सामने आया। एक संस्थान द्वारा प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने हेतु एक आयोजन रखा गया जिसमें विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को पुरस्कार लेने हेतु आमंत्रित किया गया था। बच्चों से यह कहा गया था कि वे 9:00 बजे सुबह तक समारोह स्थल पर पहुंच जाएं। स्वाभाविक है, वहां पहुंचने के लिए बच्चों को अपने घरों से 7:00 या 8:00 बजे निकलना पड़ा। समारोह स्थल पर पहुंचते पर पता चला कि समारोह का वास्तविक समय तो 11:30 का था। इसके बाद यह समारोह लगभग 3 घंटे चला और 3:00 बजे तक समाप्त हुआ। इसके पश्चात, बच्चों को वितरण हेतु जो आलू-पूरी के पैकेट दिए गए जो खाने लायक नहीं थे क्योंकि उनमें रखी हुई आलू की सब्जी गर्मी के कारण खराब हो चुकी थी। बड़े-बड़े नेताओं और अधिकारियों के स्वागत के लिए बच्चों को कई घंटे इंतजार कराया जाता है। इसे भी शोषण ही कहा जाएगा।

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि जो भी सत्ता - बल धन - बल और शारीरिक - बल का मालिक है उसने कमजोर, वंचितों का शोषण करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है। देश को अपने नागरिकों के साथ आगे बढ़ना है तो इस शोषणकारी व्यवस्था को समाप्त करना ही होगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

प्रकृति से रुबरु होंगे तो बढ़ेगी इम्यूनिटी

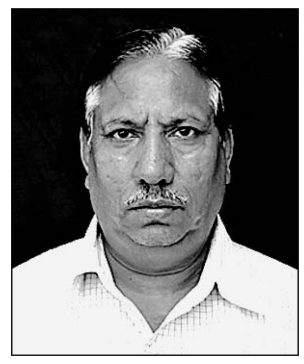

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि चिकित्सकों की माने तो देश में अधिकांश लोगों में विटामिन डी की डेफिसिएंसी है। हो सकता है यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण होने के साथ ही अधिक अपर साइड में हो पर इतना तो साफ है कि देश दुनिया में विटामिन डी की कमी के आंकड़े दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। विटामिन डी जिसका सबसे सहज स्रोत केवल कुछ मिनटों तक धूप सेवन से प्राप्त हो सकता है आज उसी की कमी से रोगियों की संख्या अधिक होती जा रही है। दरअसल प्रकृति के अनमोल उपहारों से हम लगातार दूर होते जा रहे हैं। अत्यधिक भागमभाग, शहरीकरण, सीमेंट कंकरीट की गगनचुंबी इमारतें प्रकृति के उपहार से हमें वंचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मिट्टी, पानी, धूप, की सहजता को छोड़कर हम दवाओं, केमिकल्स में ईलाज ढूंढने लगे हैं। दिल्ली एम्स के हालिया अध्ययन में सामने आया है कि हार्ट फेलियर के मरीजों को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी दिया जाए तो उनके लक्षण में काफी कमी आ जाएगी। दरअसल एम्स के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि 70 फीसदी दिल्लीवासियों में विटामिन डी की डेफिसिएंसी पाई गई है। देखा जाए तो विटामिन डी की कमी मस्तिष्क, रक्त संचार प्रणाली, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, मांसपेशियों से संबंधित रोगों में दर्द और कमजोरी, फेफड़ों के रोगों में अस्थमा और सांस लेने में परेशानी, हड्डियों की कमजोरी और डायबिटिज जैसी बीमारियों का कारक है। एक समय था जब खासतौर से सर्दियों में तो तेल की मालिस कर धूप में बैठना नियमित आदत में शुमार होता था। नौकरीपेशा लोग अवकाश के दिन तो धूप में अवश्य बैठते थे। आज तो हालात यह हो गए कि गर्मी के मौसम में पहली कावश्यक सनवर्न क्रीन को प्राथमिकता दी जाती है।

देखा जाए तो हम मंहगी से मंहगी दवाएं खाने के लिए तैयार है पर केवल और केवल 20 मिनट धूप का सेवन नहीं कर सकते। इसका परिणाम भी साफ है। हड्डियों में दर्द, फ्रेक्चर, जल्दी-जल्दी थकान, घाव भरने में देरी, मोटापा, तनाव, अल्जाइमर जैसी बीमारियां आज हमारे जीवन का अंग बन चुकी है। शरीर की जीवनी शक्ति या यों कहें कि प्रकृति से मिलने वाले स्वास्थ्यवर्द्धक उपहारों से हम मुंह मोड़ चुके हैं और नई से नई बीमारियों को आमंत्रित करने में आगे रहते हैं। यह आश्चर्यजनक लेकिन जमीनी हकीकत है कि केवल और केवल मात्र पांच प्रतिशत महिलाओं में ही विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। देश की 68 फीसदी महिलाओं में तो विटामिन डी की अत्यधिक कमी है। एम्स के अध्ययन से पहले एसोचैम द्वारा जारी एक रिपोर्ट में सामने आया है कि 88 फीसदी दिल्लीवासियों में विटामिन डी की कमी है। यह स्थिति दिल्ली में ही नहीं अपितु कमोबेस देश के सभी महानगरों में देखने को मिल जाएगी। इसका निदान हमारी जीवन शैली में थोड़ा से बदलाव करके ही पाया जा सकता है। पर इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आधुनिकता की दौड़ में हम प्रकृति से इस कदर दूर होते जा रहे हैं कि जल, वायु, हवा, धूप, अग्नि और ना जाने कितनी ही मुफ्त में प्राप्त प्राकृतिक उपहारों का उपयोग ही करना छोड़ दिया है। ऐसा नहीं है कि लोग जानते नहीं है पर जानने के बाद भी आधुनिकता का बोझ इस कदर छाया हुआ है कि हम प्रकृति से दूर होते हुए कृत्रिमता पर आश्रित होते जा रहे हैं। दरअसल हमारी जीवन शैली ही ऐसी होती जा रही है कि प्रकृति की जीवनदायिनी शक्ति से हम दूर होते जा रहे हैं। कुछ तो दिखावे के लिए तो कुछ हमारी सोच व मानसिकता के कारण।

विटामिन डी की कमी के कारण हजारों रुपए के केमिकल से बनी दवा तो खाने को हम तैयार है पर केवल कुछ समय का धूप सेवन का समय नहीं निकाल सकते हैं। हम स्कूलों में आयोजित मड उत्सव को तो धूम धाम से मनाने को तैयार है पर क्या मजाल जो बच्चें को खुले में खेलने के लिए छोड़ दे। मिट्टी में खेलने और खेलते-खेलते लग भी जाने पर प्राकृतिक तरीके से ही इलाज भी हो जाता है। तीन से चार दशक पुराने जमाने को याद करे तो कहीं लग जाने पर खून आता रहे तो वहां पर स्वयं का मूत्र विसर्जन करने या मिट्टी की ठीकरी पीस कर लगाने या चोट गहरी हो तो कपड़ा जलाकर भर देने या खून लगातार आ रहा हो तो बीड़ी का कागज लगा देना तात्कालिक ईलाज होता था। आज जरा सी चोट लगते ही हम हॉस्पिटल की और भागते हैं। यह सब तब होता था जब टिटनेस का सर्वाधिक खतरा होता था। यह कटु सत्य है कि योरोपीय देश प्रकृति के सत्य को स्वीकारते हुए प्रकृति की और आने लगे हैं। खाना खाने से पहले हाथ धोने की जो हमारी सनातन परंपरा रही है उस और विदेशी लौटने लगे हैं। अभियान चलाकर हाथ धोने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। क्योंकि अब समझ में आने लगा है कि बाहर से आने पर हमारे शरीर व हाथों में कितने नुकसान दायक वेक्टेरिया होते हैं और वह बिना हाथ धोए खाना खाने पर हमारे शरीर में प्रविष्ठ कर जाते हैं और हमारे सिस्टम को तहस नहस कर देते हैं। स्कूलों में मड़ उत्सव या रेन डे मनाने का क्या मतलब है, इनमें भी हम बड़े उत्साह से भाग लेते हैं जबकि बरसात में बच्चा जरा सा भीग जाए तो हम उसके पीछे पड़ जाते हैं। एक जमाना था तब पहली बरसात में क्या बड़े-क्या छोटे नहाकर आनंद लेते थे। यह केवल आनंद की बात नहीं बल्कि गर्मी के कारण हुई भमोरी का प्राकृतिक इलाज भी था। आज हम ना जाने कौन कौन से पाउडरों का प्रयोग करने लगते हैं। ऐसा नहीं है कि विटामिन डी की कमी या प्रकृति से दूर होने की स्थिति हमारे देश में ही है। अपितु यह विश्वव्यापी समस्या बनती जा रही है। कैलिफोर्निया के टॉरो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों ने खुले में समय बिताना छोड़ दिया है। बाहर जाते हैं तब दुनिया भर के पाउडर, सनस्क्रीन और ना जाने किस किसका उपयोग करके निकलते है जिससे शरीर को जो प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्द्धकता मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पाती है और यही कारण है कि आए दिन बीमारियां जकड़ती रहती है। यहां तक कि नई नई और गंभीर बीमारियों से ग्रसित होने लगे हैं।

कोरोना ने हमें बहुत कुछ समझाने का प्रयास किया है। हमारी हैसियत और ताकत को भी कोरोना ने आईना दिखा दिया है। जर्नल सांइटिफिक रिपोर्टस में प्रकाशित रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकल कर आया है कि गंभीर कोविड की स्थिति में भी विटामिन डी की बदौलत जीवन बचाया जा सकता है। आयरलैंड के ट्रिनटी कालेज, स्काटलैंड के एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी और चीन के झेजियांग यूनिवर्सिटी की एक टीम ने विटामिन डी को जीवन रक्षक कारगर के रुप में माना गया है। दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों ने यह माना है कि विटामिन डी की पूर्ति होने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और अन्य बीमारियां ही नहीं अपितु कोरोना जैसी महामारी से लड़ने में कारगर माना गया है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए अन्य कारगर उपायों के साथ ही दुनियाभर के चिकित्सकों ने एक राय से इम्यूनिटी बढ़ाने पर जोर दिया है। कोरोना के ईलाज और उसके बाद पोस्ट कोविड में चिकित्सकों ने जो दवाएं प्राथमिकता से लेने की सलाह दी है या जिन पर जोर दिया है उनमें विटामिन सी, विटामिन डी, जिंक और आयरन प्रमुख है। विटामिन, जिंक और आयरन की कमी को हम घर बैठे अपनी दिनचर्या और खान पान से पूरा कर सकते हैं। पर यह निराशाजनक स्थिति है कि हम मंहगी से मंहगी दवाएं खाने के लिए तैयार है पर अपनी दिनचर्या या खानपान में बदलाव लाने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि हमारी केमिकल्स और महंगी दवाओं पर निर्भरता अधिक बढ़ने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होने लगी है।

दरअसल हमें दवाओं, केमिकल्स पर निर्भरता को कम कर प्रकृति से रुबरु होना होगा। इसके लिए सरकारों के साथ ही स्वंयसेवी संस्थाओं, गैरसरकारी संगठनों को जागरुकता अभियान चलाना होगा। प्रकृति से रुबरु होकर ही हम इम्यूनिटी बूस्ट कर सकेंगे और सही मायनें में प्राकृतिक रुप से इम्यूनिटी बूस्ट करके ही हम बीमारियों से जूझने में सफल हो सकेंगे।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

पावटा में प्राचीन मंदिर के आस-पास नगर पालिका ने बनाया कचरा पॉइंट

पावटा, (निसं)। कस्बे में नदी में स्थित प्राचीन गोपाल भैया मंदिर के आसपास के क्षेत्र को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका ने कचरा पॉइंट बना रखा है। जहां हर रोज नगरपालिका की गाड़ियां कस्बे का कचरा एकत्रित करके मंदिर के आसपास के क्षेत्र में डालती हैं। इससे प्राचीन गोपाल भैया मंदिर अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ रहा है। प्राचीन मंदिर की कोई सुध नहीं की जा रही है।

- **रोजाना पालिका की गाड़ियां कस्बे का कचरा मंदिर के आसपास डालती हैं**
- **कस्बे के कचरे के साथ-साथ मरे हुए मवेशियों को भी यहीं डाला जाता है**
- **बदहाली का शिकार प्राचीन प्राचीन गोपाल भैया मंदिर**

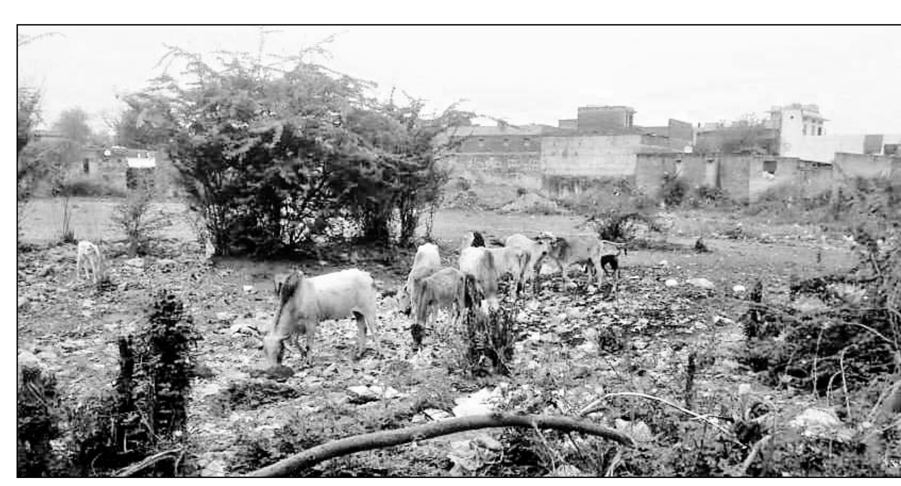

पालिका द्वारा डाले गये कचरे में मुँह मारते गौवंश।

मंदिर के आस पास नगरपालिका द्वारा कचरा प्वाइंट बनाकर कचरा फेंका जा रहा है। कस्बे के एकत्रित हुए कचरे के साथ-साथ मरे हुए मवेशियों को भी यहीं डाला जाता है। जिससे पूरे मंदिर परिसर में दुर्गंध बनी रहती है। इससे मंदिर में प्रवेश तो दूर की बात मुख्य गेट के बगल से गुजरना भी चुनौती बनी हुई है। एक तरफ मंदिर के आसपास में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए तो वहीं दूसरी ओर मंदिर में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर नगरपालिका ने भी चुप्पी साधी हुई है। वहीं पालिका द्वारा कचरा पॉइंट बनाने से श्रद्धालुओं की आस्था पर भी ठेस पहुंच रही है।

मंदिर महंत मोहनदास महाराज, केशवदास महाराज व गौ सेवकों ने बताया कि कचरे में सडे गले जानवर भी फेंके जाते हैं। वहीं गौवंश की दुर्दशा आम तस्वीर हो गई है। कभी भूख से मरती गाय तो कभी प्लास्टिक और कचरा खाती गाय जरूर दिख जाती है और तब याद आते है गोवंश को बचाने का दावा और वादे करने वाली सरकार। कथनी और करनी में बहुत सारा फरक तब साफ दिखाई पडता है जब अनाथ, बेसहारा घूमता गौवंश कचरे से गंदगी व पॉलिथीन खाने को मजबूर हैं। सुख-समृद्धि की प्रतीक रही भारतीय गाय आज कूडे के ढेर में कचरा और प्लास्टिक की थैलियां खाती है और फिर अपनी जान गवा देती है। लेकिन नगरपालिका ने मंदिर के आसपास कचरा डालना बंद नहीं किया है।

कई बार लिखित में नगरपालिका के अधिकारी व उपखंड अधिकारी को इस समस्या से अवगत करवा चुके हैं लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि जब तक समस्या का समाधान नहीं होता तब तक कचरा नहीं डालने दिया जायेगा। वहीं जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन देकर मंदिर, गौशाला व नदी बहाव क्षेत्र में कचरा डालने का विरोध किया जायेगा।

एस.आई. ने दिया दहेज प्रथा को बंद करने का संदेश

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस के एसआई के द्वारा अपने विवाह में दहेज नहीं लेकर एक मिसाल पेश की है। अनूपगढ़ के गांव 2 के(बी) में रहने वाले मुकेश मेघवाल ने अपने विवाह में केवल सवा रुपया और नारियल लेकर विवाह की सभी रस्में पूरी की।

मुकेश मेघवाल के द्वारा अपने विवाह में दहेज नहीं लेने की शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। मुकेश का विवाह बीकानेर में रहने वाली शिल्पा के साथ संपन्न हुआ है। मुकेश मेघवाल का कहना है कि जब एक पिता अपनी बेटी की शादी कर देता है तो वह अपनी बेटी के साथ बेटी के पति को सब कुछ सौंप देता है, इसलिए उन्होंने अपने विवाह में दहेज नहीं लिया। मुकेश मेघवाल के द्वारा दहेज नहीं लेने पर पूरे समाज के लोगों ने मुकेश मेघवाल की प्रशंसा की।

- **एस.आई. ने सवा रुपए और नारियल लेकर शादी की रस्में पूरी की**

मुकेश मेघवाल के पिता रामचंद्र ने बताया कि शिल्पा के पिता मजदूरी का कार्य करते है। विपरीत परिस्थितियों में शिल्पा की शिक्षा पूर्ण करवाई और आज शिल्पा बीकानेर में शिक्षा विभाग में एलडीसी के पद पर कार्यरत है। शिल्पा के पिता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि जब उन्होंने अपनी बेटी के विवाह में स्त्री धन और सवा लाख नगद रुपए देने चाहे तो इस पर मुकेश मेघवाल ने दहेज नहीं लेने के लिए मना कर दिया। मुकेश मेघवाल के इस निर्णय से उन्हें और उनके परिवार को काफी खुशी हुई और मुकेश मेघवाल को सवा रुपया और नारियल देकर शिल्पा को विदा किया गया।

मुकेश मेघवाल बताया कि वह बीकानेर पुलिस थाने में एसआई के पद पर कार्यरत है। राजस्थान पुलिस में उनकी जॉइनिंग 2021 में हुई थी। उनके पिता ने भी उन्हें विपरीत परिस्थिति में पढ़ाया था और आज उन्हीं की बदौलत वह इस मुकाम पर पहुंचे हैं। समाज में दहेज बहुत बड़ी कुरीति बन चुका है। इस कुरीति को खत्म करने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने अपने विवाह में दहेज नहीं लेकर एक नई परंपरा शुरू की है। मुकेश मेघवाल ने उम्मीद जताई है कि समाज के अविवाहित युवा भी बिना दहेज के अपना विवाह करेंगे।

बिजली की तकनीकी खराबी के कारण कई घरों में लगी आग

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के ग्राम लोरड़ी में सोमवार को बिजली की तकनीकी खराबी के कारण यहां के कई घरों में आग लग गई, जिससे टीवी, फ्रिज सहित विद्युत उपकरण आदि जलकर राख हो गए।

घटना सोमवार को प्रात: 11 बजे की है। घटना से जुड़े तथ्यों के अनुसार आज कुछ देर के लिए विद्युत सप्लाई बंद थी। इसी दौरान किसान अपने खेतों में काम करने के लिए जाते वक्त विद्युत उपकरण बंद करके चले गए और करीब 11 बजे शुरू हुई विद्युत सप्लाई के साथ ही कई घरों में आग लग गई। शिवराज प्रजापत, दिनेश लोहार, अमरचंद शिवराज जाट सावत सिंह सहित कई घरों में लगी आग से सभी में भारी नुकसान हुआ है। शिवराज प्रजापत नामक व्यक्ति के घर में लगी आग ने तो इतना ताण्डव मचाया कि इस परिवार के लिए खाने के लिए 2 जून की रोटी का अनाज तक नहीं बच पाया। घटना की सूचना मिलने पर इस संबंध में विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता त्रिलोक सिंह चौहान से जानकारी करने पर कहना था कि संबंधित कनिष्ठ अभियंता को मौके पर भेजा गया है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल पाएगा।

इस संबंध में संबंधित कनिष्ठ अभियंता अतुल जोशी से जानकारी करने पर उनका कहना था कि वे अभी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं एवं घटना के कारणों की जांच की जाने से पहले पीड़ित परिवारों की मांग पर पहले उनके मकानों में हुए नुकसान की जानकारी लेने की मांग पर अभी मकानों में आग लगने की घटना की जानकारी ले रहे हैं। घटना किस कारण से हुई इस संबंध में कनिष्ठ अभियंता अतुल जोशी से पूछे जाने पर उनका कहना था कि पीड़ित परिवारों की मांग पर उनके मकानों की जानकारी लेने के बाद की जाने वाली तकनीकी जांच के बाद ही कुछ पता चल पाएगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 14 मार्च, 2023

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, अनुराधा नक्षत्र प्रात: 8:13 तक, वज्र योग दिन 3:13 तक, विष्टि करण प्रात: 8:55 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से प्रात: 8:13 तक है। रवियोग प्रात: 8:16 तक है। भद्रा प्रात: 8:55 तक है। आज रांधा पुआ है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:39 से 11:08 तक, लाभ-अमृत 11:08 से 2:05 तक, शुभ 3:33 से 5:02 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 6:31

मेष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष

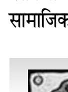

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

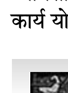

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

सिंह

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

तुला

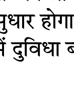

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

वृश्चिक

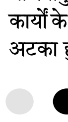

मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

धनु

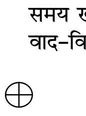

घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

मकर

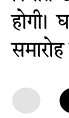

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

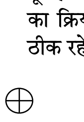

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मीन

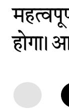

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कांग्रेस-भाजपा ने मिलकर बारी-बारी से राजस्थान को लूटा है : केजरीवाल

‘राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस की लूट बंद करने के लिए आप सरकार की जरूरत’

जयपुर (का.सं.)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ आज जयपुर में तिरंगा यात्रा निकाली।

केजरीवाल ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद से अब तक कांग्रेस ने 48 साल और भाजपा ने 18 साल राजस्थान में शासन किया, फिर भी किसान-मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। वर्ष 1993 से भाजपा और कांग्रेस ने मिलकर बारी-बारी से राजस्थान को लूटा है। ये एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं, लेकिन आज तक किसी को जेल नहीं भेजा, क्योंकि इनकी आपस में सेटिंग है।

उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के अंदर लड़ाई चल रही है। ये जनता के लिए नहीं बल्कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं वहीं मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के सरकारी स्कूल ठीक कर दिए तो इनको बर्दाश्त नहीं हुआ और उनको जेल भेज दिया गया, क्योंकि ये स्कूल नहीं बना सकते। राजस्थान में भी दिल्ली जैसे शानदार स्कूल-अस्पताल बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए ‘आप'' की ईमानदार सरकार लानी होगी।

आम आदमी पार्टी ने सोमवार को जयपुर में सांगानेरी गेट से अजमेरी गेट तक तिरंगा यात्रा निकाली जिसमें भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस और भाजपा वाले ये नहीं कह सकते हैं कि राजस्थान की जनता ने हमें मौका नहीं दिया। 48 साल बहुत होते हैं और 18 साल भी बहुत होते हैं। इसके बावजूद हम देख सकते हैं कि राजस्थान का क्या हाल है। राजस्थान में बहुत गरीब है। किसान-मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। किसानों को अपनी फसल के दाम नहीं मिल रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई है और पेपर लीक हो रहे हैं। पूरे राजस्थान का बहुत बुरा हाल है। शहीदों की वीरांगनाएं जब अपना हक मांगने जाती हैं, तो बेइज्जत करके वापस भेज दिया जाता है।

केजरीवाल ने वर्ष 1993 से लेकर आज तक राजस्थान में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस की सरकार बनती आई है। लोगों ने बारी-बारी कांग्रेस और भाजपा को मौका दिया और बारी-बारी दोनों ने राजस्थान को लूटा। जब भाजपा की सरकार आती है तो कांग्रेस वाले उन पर घोटाला करने का अरोप लगाते हैं। जनता सोचती है कि कांग्रेस को मौका दो, ये इनको जेल भेजेंगे। लेकिन कोई जेल में नहीं जाता है। आज तक भाजपा वालों ने एक भी कांग्रेसी को जेल नहीं भेजा और कांग्रेस वालों ने भी एक भी भाजपा वाले को जेल नहीं भेजा। दोनों में बड़ी अच्छी सेटिंग है। लेकिन हमारी इनसे सेटिंग नहीं है, हमारी सेटिंग जनता से है। हमारा जनता के साथ रिश्ता है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमने स्कूल-अस्पताल बनवाए। बिजली फ्री कर दी। घर-घर पानी पहुंचा दिया। सड़कें बनवाई। ये सारे काम अब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने शुरू कर दिया है। पंजाब में अब स्कूल-अस्पताल ठीक होने लगे हैं और 500 मोहल्ला क्लीनिक भी बन गए हैं। दवाइयां व टेस्ट फ्री है। पंजाब में बिजली भी फ्री कर दी है। पंजाब में ‘आप' की सरकार ने एक साल में 27 हजार सरकारी नौकरिया दे दी। साथ ही, कच्चे कर्मचारियों को पक्का कर दिए। ये सारे अच्छे काम राजस्थान में भी हो सकता है, लेकिन इसके लिए बड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। एक-एक घर जाकर वोट मांगनी पड़ेगी।

केजरीवाल ने राजस्थान की जनता से अपील करते हुए कहा इस बार आम आदमी पार्टी की ईमानदार सरकार लेकर आइए। हमें राजनीति करनी नहीं आती है, हमें स्कूल बनवाने आते हैं। इस अवसर पर मान ने कहा कि राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस ने बारी-बारी से राजस्थान को लूटा। अभी तक जनता के पास कोई विकल्प नहीं था, लेकिन अब आप पार्टी के रुप में विकल्प मौजूद है। सोलह मार्च को पंजाब में ‘‘आप'' की सरकार को एक साल पूरे हो जाएंगे।

‘पूर्व विधायक की पत्नी ने सड़क पर अतिक्रमण किया’

हाईकोर्ट ने प्रहलाद गुंजल की पत्नी के कब्जे को नियमित करने के फैसले को गलत मानते हुए रद्द कर दिया

- कोर्ट ने रोड की चौड़ाई कम कर जमीन आवंटित करने और उसका नियमितिकरण करने के यूआईटी कोटा के फैसले को गलत मानते हुए रद्द कर दिया है
- अदालत ने कहा कि मास्टर प्लान के अनुसार सड़क की चौडाई बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए राज्य सरकार तीन माह में उचित कार्रवाई कर सड़क की चौड़ाई को मास्टर प्लान के अनुसार करे

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल की पत्नी जय कंवर के अतिक्रमण को नियमित करने के लिए सडक की चौडाई घटने पर आश्चर्य जताया है। अदालत ने कहा कि अतिक्रमण को नियमित करने के लिए सड़क की चौडाई को कम कैसे किया जा सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि यूआईटी, कोटा ने सड़क की चौड़ाई कम करने का निर्णय लिया और राज्य सरकार ने उसे स्वीकार भी कर लिया। इसके साथ ही अदालत ने रोड की चौडाई कम कर जमीन आवंटित करने और उसका नियमितिकरण करने के यूआईटी कोटा के फैसले को गलत मानते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि मास्टर प्लान के अनुसार सड़क की चौडाई बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए राज्य सरकार तीन माह में उचित कार्रवाई कर सड़क की चौड़ाई को मास्टर प्लान के अनुसार करे। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश अनिल सुवालिका की जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान यूआईटी, कोटा की ओर से अपने जवाब में कहा कि प्रहलाद मीणा पन्द्रह हजार वर्ग फीट जमीन का खातेदार है और आठ हजार वर्ग फीट सरकारी जमीन भी उसके कब्जे में थी, ने प्रहलाद गुंजल की पत्नी जय कंवर को यह जमीन बेचने के लिए 28 अप्रैल 2013 में एग्रीमेंट किया था। एसटी वर्ग का होने के चलते प्रहलाद मीणा को अधिकार नहीं था कि वह गैर एसटी वर्ग की महिला के पक्ष में अपने खातेदारी अधिकारों का हस्तांतरण करे। ऐसे में काश्तकारी अधिनियम की धारा 42 के तहत यह एग्रीमेंट अवैध था। जिसे रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मास्टर प्लान के तहत सडक की तय चौडाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए किए गए आवंटन को अवैध माना है।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने बताया कि मास्टर प्लान में कोटा के जीएडी सर्किल से शिवपुरा रोड 160 फीट और केशवपुरा रोड सौ फीट चौडी निर्धारित की गई है। दोनों सड़कों के बीच प्रहलाद गुंजल की पत्नी के नाम मकान है। तत्कालीन विधायक गुंजल के प्रभाव में आकर यूआईटी और राज्य स्तरीय लैंड यूज कमेटी ने शिवपुरा रोड को सौ फीट और

भाजपा का संगठन मजबूत, हमारे प्रदेश अध्यक्ष भी निष्क्रिय : हरीश चंद्र मीणा

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस विधायक हरीश चंद्र मीना को भाजपा मजबूत पार्टी लगती है और उन्होंने बाकायदा अपने विधानसभा क्षेत्र में हुए एक कार्यक्रम के दौरान अपने कार्यकर्ताओं के बीच कहा कि बीजेपी ज्यादा मजबूत पार्टी है। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भाजपा और कांग्रेस के संगठन की तुलना करते हुए अपनी ही पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को निष्क्रिय बताते हुए कहा कि हमारा प्रदेशाध्यक्ष बीते 2 ढाई साल से निष्क्रिय है। हमारे पास पूर्णकालिक प्रदेशाध्यक्ष नहीं है, यह अस्थाई व्यवस्था है। मीना ने मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि ढाई साल से टोंक में भी जिलाध्यक्ष नियुक्त नहीं किया गया। इसमें मेरी कोई गलती नहीं है।

देवली उनियारा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होली मिलन समारोह में विधायक हरीशचंद्र मीना ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी को हर स्तर पर मजबूत है। मीणा ने कहा कि हमारी विरोधी पार्टी का हर स्तर पर कार्यकर्ता और संगठन पदाधिकारी है, बीजेपी का कार्यकर्ता गांव से लेकर बूथ, तहसील, जिला लेवल पर है। उसके मुकाबले हमारा संगठन कहां है। कार्यकर्ता के सामने तो कार्यकर्ता ही लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मेरे से पूछा गया, लेकिन मैंने कहा मैं मेरे विधानसभा क्षेत्र के बारे में बात कर सकता हूं। सारे राजस्थान की बात मेरे बस की नहीं है।

उल्लेखनीय है कि हरीश चंद्र मीणा का ताजा बयान इसलिए चर्चा में माना जा रहा है और लोग कह रहे हैं कि भाजपा के संगठन की बढ़ाई करके क्या एक बार फिर मीणा का ध्यान उस ओर जाने का है।

अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा : रंधावा

- राजस्थान कांग्रेस प्रभारी रंधावा का विवादास्पद बयान
- पुलवामा पर भी उठाया सवाल और कहा-पुलवामा कैसे हो गया, उसकी इंक्वायरी करवाओ, कहीं इलेक्शन जीतने के लिए तो ऐसा नहीं कर दिया

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के बयान से विवाद पैदा हो गया है और भाजपा ने उनके भाषण को लेकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी से माफीनामा मांग लिया है। दरअसल प्रदेश कांग्रेस के राजभवन घेराव कार्यक्रम के दौरान हुई सभा में राजस्थान प्रभारी रंधावा ने कहा कि सभी नेताओं से कहता हूं कि अपनी लड़ाई खत्म करें। मोदी-बीजेपी को खत्म करने की बात करिए। अगर मोदी खत्म हो गया तो देश बच जाएगा। अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा। मोदी देशभक्ति की बात करते हैं। उन्हें पता ही नहीं कि देशभक्ति होती क्या है? इसी बयान को लेकर भाजपा नेताओं ने रंधावा और सोनिया तथा राहुल गांधी को निशाने पर ले लिया है।

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने अपने भाषण में पुलवामा हमले को लेकर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि हमारा गांव पाकिस्तान से महज 5 किलोमीटर दूरी पर है। हम कभी पाकिस्तान से नहीं डरते और मोदी कहते हैं कि हम उनको घुस कर मारेंगे। रंधावा ने कहा कि अरे भाई वह पुलवामा कैसे हो गया, उसकी इंक्वायरी करवाओ, आज तक जवानों का पता नहीं चला कि वह कैसे शहीद हो गए। कहीं इलेक्शन जीतने के लिए तो ऐसा नहीं कर दिया। ऐसा कहकर रंधावा ने सीधे तौर पर पुलवामा आतंकी हमले पर ही सवाल उठा दिए हैं।

रंधावा ने कहा कि हमारी लड़ाई अडानी अंबानी से नहीं हमारी लड़ाई बीजेपी से है, अगर बीजेपी मर गई तो जुएं स्वयं ही मर जाएंगे। रंधावा ने कहा कि भैंस को मार दिया जाए तो जुएं तो खुद ही मर जाती हैं, ठीक इसी तरह अगर बीजेपी को मार दो, अडानी इनके साथ ही मर जाएगा। उन्होंने कहा कि सब अडानी की बात कर रहे है। जबकि सबको मोदी-मोदी करना चाहिए। यह मोदी देश का बेड़ा गर्क कर रहा है। बीजेपी शासित केंद्र सरकार देश को बेच रही है।

रंधावा ने पूरे देश को अपमानित किया : सतीश पूनियां

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बयान देकर देश की शहादत का अपमान किया है, प्रधानमंत्री की पद की गरिमा को अपमानित किया है, पूरे देश को अपमानित किया है। रंधावा का बयान इनकी कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के विचारों से मेल खाता है, जिस तरह वह विदेशों में जाकर देश की छवि को बदनाम करने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की फितरत है, इस तरीके से बार-बार शहादत का अपमान करना, देश का अपमान करना, देश के लोकतंत्र की मर्यादा का अपमान करना। रंधावा शहादत कभी सियासत नहीं होती है, इसलिए यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की आजादी के लिए शहीदों ने सियासत नहीं की।

राजस्थान मिलेट्स कॉन्क्लेव का उद्घाटन

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि किसानों के सर्वांगीण विकास की योजनाएं लागू करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। कृषक कल्याण और कृषि क्षेत्र विकास में राज्य सरकार ने अपनी अहम भूमिका निभाई है। विधानसभा में दो बार पृथक कृषि बजट पेश कर पूरे देश में ऐतिहासिक पहल की। इसी का सुखद परिणाम है कि किसानों के साथ-साथ स्टार्टअप्स और उद्यमियों को आगे बढ़ने के सुअवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि किसानों और पशुपालकों को उचित सम्मान देना हमारा कर्तव्य है।

गहलोत सोमवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राजस्थान मिलेट्स कॉन्क्लेव-2023 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिलेट्स की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और कृषि अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राजस्थान में मिलेट्स पर रिसर्च के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। लगभग 42 कृषि महाविद्यालयों की स्थापना की गई है।

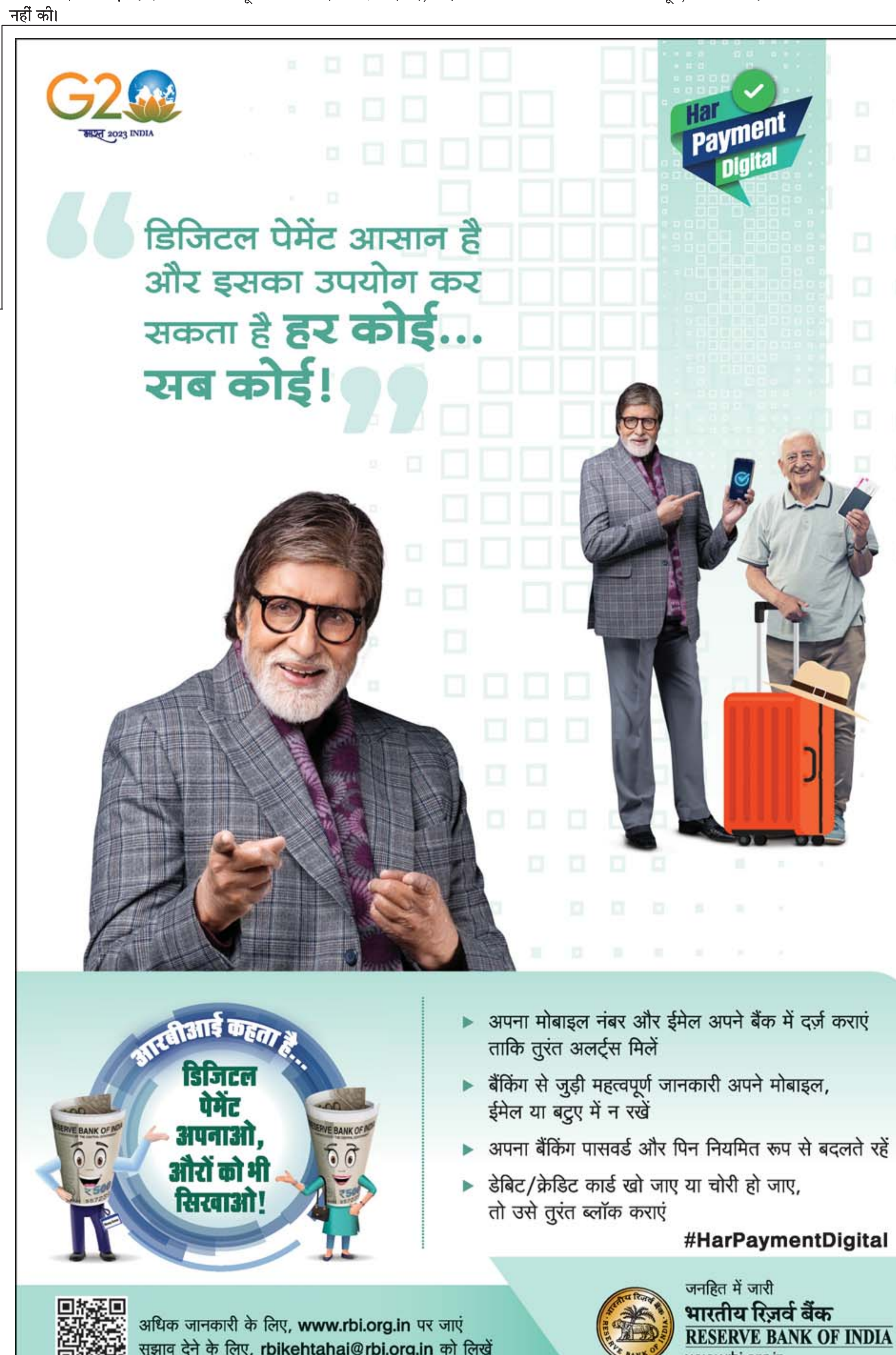

अरबों रुपयों की जमीन को हड़पने में भूमाफियाओं को प्रशासन का सहयोग है?

100 बीघा जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन ने पहले तो जे.सी.बी. भेजी, बाद में एस.डी.एम. ने कार्रवाई को रोका

तारानगर, (निसं)। तारानगर के वार्ड नं. 29 में पड़ी सैंकड़ों बीघा सरकारी जमीन को लेकर मामला गर्म है। लोगों का कहना है कि भूमाफियाओं ने नगर पालिका व तहसील के कर्मचारी व अधिकारीयों से सांठगाठ कर कूटरचित दस्तवेज तैयार कर वार्ड नं. 29 की सरकारी जमीन पर अपना मालिकाना हक जताते हुए सैंकड़ों हरे पेड़ो को नष्ट कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार भू-माफियाओं ने दो जेसीबी मशीन लगाकर पिछले पांच दिनों से सरकारी भूमी खसरा नं. 933/306, 934/306 पर वन विभाग द्वारा लगाये गये बड़े-बड़े हरे पेड़ों को काटकर समतलीकरण किया जा रहा था। जब उनसे पूछा गया तो बताया गया कि उक्त भूमी सरकारी नहीं होकर रामपूरा बेरी के पूरणाराम ब्राहमण की है जो अपनी जमीन का समतलीकरण करवा रहा है, जबकि आम जनता का कहना है कि उक्त भूमी सरकारी है जबसे खातेदारी का अधिकार मिला है तब से सन् 2012 तक टिब्बा धोरा के नाम से सरकारी जमीन राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी सन् 2012 से लेकर आज तक सिवाय चक नगर पालिका तारानगर के नाम से सरकारी पत्रावली में दर्ज है व नगर पालिका तारानगर ही मालिक है, उक्त भूमि में से कुछ भूमी हरीजन समाज के मोक्षभूमि के लिये आवंटित हुई।

कुछ भूमि पर नये भवन भी बने हुए है व कुछ भूमि एक निजी आई टी आई कॉलेज को भी सरकार ने आवंटित की है। उक्त भूमि में से हीं से बहुत से लोगों को नगर पालिका ने पट्टा बना कर दिया तो वहीं सरकार ने वहां पर जलदाय विभाग के लिये टंकी के लिये जमीन उपलब्ध करवाई तो वहीं कई तरह के सरकारी प्रोजेक्ट की पत्रावलीयां भी चल रही है। उक्त जेसीबी मशीन द्वारा काटे जा रहे हरे पेड़ो को देखकर आम जनता ने इसका विरोध किया और उपखण्ड अधिकारी सहित जिला कलेक्टर को शिकायत दर्ज करवाई तो मौके पर पहूंचे उपखण्ड अधिकारी सुभाष भड़िया ने उक्त जेसीबी का काम रूकवाया तो वहीं मौके पर उक्त जमीन पूरणाराम ब्राहमण के नाम से लगा बोर्ड भी जब्त करवाया। वहीं प्रशासन ने मौके से जेसीबी सहित अतिक्रमियों को खदेड़ दिया। लोगों में इस बात का गुस्सा है कि उक्त सैंकड़ों बीघा कीमती सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं ने अपना मालिकाना हक कैसे जताया। इसी बात को लेकर वार्ड नं. 29 में सर्वसमाज के लोगो ने बैठक बुलाकर एक संघर्ष समिति बनाई और तहसील कार्यालय के आगे धरना शुरू कर आला अधिकारियों के नाम से एक ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी को तहसील कार्यालय के आगे सौंपा।

उपखण्ड अधिकारी सुभाष भड़िया को धरना स्थल पर तारानगर वासियों ने ज्ञापन दिया।

- **तारानगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी अरूण स्वामी ने इस मामले के संबंध में बताया कि मामले की जांच करवाई जा रही है। आरोप सही नहीं है।**
- **लोगों का कहना है कि पालिका व तहसील के अधिकारियों व कर्मचारियों से सांठगांठ कर भूमाफिया ने हरे पेड़ों को नष्ट किया है**

इस तरह से भूमाफियाओं ने रची साजिश:- भूमाफियाओं ने खाली पड़ी सरकारी जमीन पर पूरणाराम के नाम से तारानगर सिविल न्यायालय में एक वाद अपने ही व्यक्तियों सहित नगर पालिका के खिलाफ दायर कर स्टे ऑर्डर प्राप्त कर उक्त सरकारी भूमि पर जेसीबी मशीन से हरे पेड़ काटकर समतलीकरण का कार्य प्रारम्भ कर दिया। भूमाफियाओं ने उक्त भूमि पर अपना हक व अधिकार जताने के लिये एक कूटरचित वसीयत का भी तहसील कार्यालय में पंजियन करवा लिया। उक्त समस्त प्रकरण में सामने आया कि जब पूरणमल ब्राहमण ग्राम रामपूरा बेरी जब एक माह का था तब उसके दादा बद्री प्रसाद पुत्र मगनाराम को तारानगर के गणेशमल व चौथराम पुत्रगण बीजाराम माली ने तारानगर उस समय की रिणी बुलाकर अपनी 1200 बीघा जमीन में से 200 बीघा जमीन एक महिने के बच्चे जिसका नाम पूरणमल ब्राहमण के नाम 9 सितम्बर 1951 को वसीयत कर दी, जबकि उक्त जमीन बीजाराम माली को रिणी निजामत के हवलदार द्वारा सम्वत 1902 मिती आषाढ सुदी 2 बख्शीस में मिली हुई थी।

अब पूरणमल ब्राहमण को याद आया कि मेरी एक जमीन तारानगर में है जिस पर अपना हक व अधिकार जमाने की कोशिश की गई। जब लोगों ने इस तरह के बख्सीसनामा के बारे जानने का प्रयास किया तो बताया कि इस तरह के राजा महाराजा के समय कोई रिकार्ड संधारित नहीं किया जाता है। लोगों का कहना कि उक्त बख्शीस नामा फर्जी व कूटरचित है।

तहसील कार्यालय के आगे हुए धरना प्रदर्शन में लोगों का कहना है कि उक्त जमीन के मामले में कई अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधि भी इसमें शामिल है जिस वजह से इतनी पूरानी वसीयत का तहसील कार्यालय में शीघ्रता से पंजियन होना, नगर पालिका द्वारा पूरणाराम की जमीन को स्वीकार करना इस ओर दर्शाता है कि इस अरबों रूपये की कीमती जमीन को हड़पने में नगर पालिका, तहसील कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों सहित कई जनप्रतिनिधियों का सहयोग है व कई जगह बन्दरबाट हुई है। लोगों ने वसीयत व बख्शीसनामे को फर्जी होना भी बताया।

धरना प्रदर्शन के समय एडवोकेट निर्मल प्रजापत, एडवोकेट जितेन्द्र सिंह, राकेश जांगिड़, महावीर पूनियां, उमराव सिंह, भगवती प्रसाद शर्मा, पार्षद शिवकुमार सहित सैंकड़ो की संख्या में लोग धरने पर उपस्थित थे।

तारानगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी अरूण स्वामी ने इस मामले के संबंध में बताया कि मामले की जांच करवाई जा रही है। आरोप सही नहीं है। नगर पालिका के कर्मचारी अपनी ड्यूटी कर रहे है। उक्त भूमि नगर पालिका तारानगर की भूमि है। जिसका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।

कार अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकराई, दो यात्रियों की मौत, तीन घायल

बांदनवाड़ा में हुए हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बांदनवाड़ा, (निसं)। कस्बे से होकर गुजरते नेशनल हाइवे की पुलिया के बीचो-बीच सोमवार दोपहर नसीराबाद से भीलवाड़ा की ओर जा रही एक कार अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई। वहीं 3 घायल हो गये। जहां जमा भीड़ की मदद से खासी मशक्कत कर शव तथा घायलों को बाहर निकाला गया। भीषण टक्कर से कार का अगला हिस्सा बूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया जहां मौके पर पहुंचे अन्य युवकों की सहायता से घायलों तथा मृतकों को खासी मशक्कत कर कार से बाहर निकलवाया।

मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से यातायात सुचारू करवाया। चौकी प्रभारी गिरधरसिंह ने बताया कि चौकी प्रभारी गिरधरसिंह ने बताया कि पांच दोस्त कार में सवार होकर खाटूश्याम के दर्शन कर अपने गांव जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 बांदनवाड़ा पुलिया पर तेज रफ्तार कार ट्रेलर के पीछे घुस गई जिससे कार में सवार रमेश (24) पुत्र शंकर गाडरी निवासी कानाखेड़ा (भोपालसागर चित्तौड़) व जमनेश (35) पुत्र मदन कलाल निवासी पोहुना (राशमी चित्तौड़) की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य दिनेश, हीरालाल व किशनलाल कीर घायल हो गए। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए तथा घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। भिनाय थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरु कर दी है।

डोडा-चूरा से भरी कार व पिस्टल जब्त

उदयपुर, (निसं)। जिले के खैरोदा थाना पुलिस ने अवैध डोडा-चूरा से भरी कार को नाकाबंदी तोड़ लेकर भाग रहे तस्करों को रोकने पर तस्करों द्वारा फायरिंग करने पर पुलिस द्वारा भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। इस दौरान पकड़े जाने के भय से बदमाश कार छोड़ भागे। पुलिस ने कार से अवैध डोडा-चूरा व एक पिस्टल बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला, पुलिस उप अधीक्षक रविन्द्र प्रतापसिंह के सुपरविजन में खैरोदा थानाधिकारी पवनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने रविवार रात में भटेवर वासुदेव होटल के सामने पहुंच कर राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान मंगलवाड की तरफ से आरही कार का चालक पुलिस को देख कार मोड कर गलत दिशा की तरफ लेकर भागा।

इसको देख पुलिस दल ने पिछा कर रोकने का प्रयास किया। लेकिन चालक द्वारा कार भगा ले जाने पर फायिंरग की। इस पर पुलिस दल ने जवाबी फायरिंग की तो तस्कर अंधेरे में मारवेल होटल के पास मेनार माल में रोड़ पर लावारिस हालत में कार छोड़ कर फरार हो गए। इस पर पुलिस दल ने मौके पर पहुंच कर तलाशी ली तो कार में रखे 19 कट्टों में करीब 395 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा पाया गया तथा एक पिस्टल मिली। पुलिस ने कार व डोडा चूरा तथा पिस्टल जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच कानोड़ थानाधिकारी मनीष कुमार खोईवाल को सौंपी।

50 लाख रुपये की पंजाब निर्मित अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

मनोहरपुर, (निसं)। मनोहरपुर थाना पुलिस ने सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर दिल्ली-जयपुर के नवलपुरा मोड पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब निर्मित अवैध शराब की एक बड़ी खेप जब्त की है। पुलिस ने शराब परिवहन में प्रयुक्त ट्रक को जब्त कर उससे अवैध शराब के 450 कार्टन बरामद किए हैं। शराब परिवहन के आरोप में दो जनों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की बाजार कीमत 50 लाख रुपए बताई जा रही है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार ने बताया कि पुलिस को सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर दिल्ली से जयपुर की ओर आने वाली सडक पर कोटपूतली की तरफ से एक ट्रक आ रहा है। जिसमें अवैध पंजाब निर्मित शराब भरी होने की सम्भावना है। सूचना के बाद में थानाधिकारी मनीष शर्मा, एएसआई बलवान, रमेश चंद, दिलीप कुमार सहित कुल 11 सदस्यीय टीम ने दिल्ली से जयपुर जाने वाली रोड पर नवलपुरा मोड पर दिल्ली की तरफ से आने वाले सभी वाहनों की जांच की। इसी दौरान सूचना के अनुसार बताए ट्रक की जांच कि तो पुलिस भी चकरा गई। ट्रक में सफेद कली के कट्टे भरे हुए थे। मुखबिर की पुख्ता सूचना होने से पुलिस ने ट्रक कि गहनता से तलाशी ली।

पुलिस ने मामला दर्ज करके सारला थाना बाखासर जिला बाडमेर निवासी हेमाराम (23) पुत्र रेखाराम जाट व राम उर्फ रामाराम (33) पुत्र भीखाराम जाट को गिरफ्तार किया है।

बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। कल्याणपुर थाना पुलिस ने मोबाईल व नकदी लूट के मामले में फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार पीड़ित राहुल पुत्र जितेन्द्र निवासी बरना कल्याणपुर ने 5 मार्च 2023 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि गत सांय मेरे साथ बरना सोमनदी पुल पर लूट की वारदात हुई। इस दौरान लुटेरे मेरा मोबाईल व 12 हजार रूपये नकदी लूट ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर सोम नदी पुलिया पर लूट की वारदात का खुलासा करते हुए इस मामले में फरार पांच हजार के इनामी बदमाश लोकेश पुत्र अमृतलाल निवासी करनुवा खेरवड़ा को गिरफ्तार किया।

17 टन एल.पी.जी. से भरा टैंकर पलटा

- **वाल्व खुलने से हुआ लीकेज, बिजली और मोबाइल फोन बंद करवाये, ड्राइवर भागा**

सूरतगढ़, (निसं)। एलपीजी गैस से भरा एक टैंकर सोमवार सुबह पलट गया। हादसे में वॉल्व खुलने से गैस रिसाव होने लगा। मौके से गुजर रहे लोगों की सूचना पर तुरंत बिजली और मोबाइल फोन बंद करवाए गए। पुलिस और दमकल की 4 गाड़ियों ने मौके पर आकर हालात को संभाला। हादसा श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ का है। सिटी थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि हादसा हनुमानगढ़ फोरलेन बाइपास पर सैनी गार्डन के पास हुआ। गुजरात पोर्ट से पंजाब के बठिंडा गैस प्लांट में एलपीजी से भरा एक टैंकर सूरतगढ़ होकर जा रहा था। इस दौरान सैनी गार्डन के पास मोड पर टैंकर बैलेंस बिगड़ने पर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। टैंकर का वाल्व लीक होने के कारण गैस का रिसाव शुरू हो गया। ड्राइवर चरण सिंह ने अपने स्तर पर कपड़ा लगाकर रिसाव को रोकने की कोशिश की। मगर रिसाव होने पर वह भाग गया। हादसे के बाद बाइपास पर जाम लग गया। पुलिस ने वाहनों को डायवर्ट कर निकाला। सूरतगढ़ समेत थर्मल की 4 दमकल गाड़ियों को भी मौके पर बुलाया। ट्रक मालिक पंजाब निवासी जगदीप सिंह पुत्र साधू सिंह को भी हादसे की सूचना दी गई है।

गैस लीकेज रोकने के लिए बठिंडा प्लांट से टेक्निकल टीम पहुंची। टेक्निकल टीम ने सुरक्षा उपायों के साथ गैस टैंकर की लीक हो रही एलपीजी को रोकने के प्रयास शुरू किए। टेक्निकल टीम के मुताबिक इस घटना का अच्छा पहलू यह रहा कि ट्रक चालक ने फरार होने से पहले कपड़े से लीकेज हो रही एलपीजी को रोकने का प्रयास किया था। जिसका नतीजा यह रहा कि सुराख के स्थान पर कपड़ा फंस गया और उसके इर्द-गिर्द गैस जम गई। अन्यथा 17 टन के करीब टैंकर में भरी गैस के परिणाम कुछ भी हो सकते थे।

दूसरी ओर पूरी तरह गैस रोकने के हरसंभव उपाय करने के बावजूद भी सफलता नहीं मिलने पर आखिरकार सदियों से चले आ रहे देसी उपाय 'लकड़ी की गुल्ली' बनवाकर चूने, कपड़े और गुड़ के मिश्रण के साथ लीकेज सुराख में ठोकनी पड़ी। तब कहीं जाकर पूरी तरह गैस की लीकेज रुक पाई। मौके पर पहुंचे पंजाब निवासी टैंकर मालिक ने तीन हाइड्रा क्रेनों को हायर करते हुए सावधानीपूर्वक टैंकर को सीधा करवाया। इसके बाद एहतियात के साथ टैंकर को सड़क के एक किनारे जैक की सहायता से सही स्थिति में खड़ा किया गया। तब कहीं जाकर फोरलेन सड़क मार्ग के एक तरफ का यातायात बहाल हो सका। फिलहाल सुबह से लेकर शाम 5 बजे तक की गई इस कार्रवाई में कुछ राहत मिलने पर मौके से तीन दमकलों को हटवा दिया गया। वहीं टैंकर के रवाना नहीं होने तक एक फायर टेंडर को स्टैंडबाई मोड पर रखा गया है।

मांडलगढ़ के अभयपुरा गांव में खदान से सटी वन भूमि के ऊँचे पहाड़ में किया जा रहा सोपस्टोन का अवैध खनन

खनन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होने से श्रमिकों की जान को खतरा

मांडलगढ़, (निसं)। अभयपुरा में सोपस्टोन की खदान से सटी वन भूमि के ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों में अवैध खनन किए जाने का मामला सामने आया है।इस दौरान खदान में हेवी ब्लास्टिंग करने से पत्थर उछल कर लोगों के घरों में आ जाते हैं, वहीं अंधाधुंध अवैध खनन से हरे वृक्षों को उखाड़ा गया है। जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है।

मांडलगढ़-जहाजपुर सीमा पर स्थित अभयपुरा गाँव के पास:- मैसर्स कुलदीप सिंह जुनेजा की सोपस्टोन की माइंस एमएल नंबर 85/82 वर्ष 1982-83 से संचालित है। खदान से सटे ऊँचे पहाड़ की वन भूमि में धड़ल्ले से अवैध खनन किया जा रहा हैं। इस मामले में ग्रामीणों ने बताया कि भीलवाड़ा के खनिज विभाग और वन विभाग को कई बार शिकायत की गई। लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि खदान में सुरक्षा मानकों के नियम कायदे ताक में रख कर खनन किया जा रहा हैं। खदान संचालक द्वारा हेवी विस्फोटक सामग्री से ब्लास्टिंग की जाती हैं। जिससे पत्थर उछल कर घरों में आ गिरते है। वहीं भारी भरकम फोकलेन मशीनों से हरे वृक्षों को उखाड़ कर फैंक दिया गया है। खदान में कार्यरत श्रमिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा किट नहीं दिए जाते है। और न ही श्रमिकों की उपस्थिति पंजिका रखी जाती हैं। खनन के दौरान कोई भी हादसा होने पर खान संचालक जिम्मेदारी से भागते हैं।

- **वहीं हेवी ब्लास्टिंग करने से पत्थर उछल कर लोगों के घरों में आ जाते हैं**

ग्रामीणों ने खान सुरक्षा निदेशालय, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली, को भी शिकायत कर अवगत कराया हैं। सॉपस्टोन खदान के कारण पर्यावरण व वन क्षेत्र को होने वाले नुकसान के साथ भूस्खलन की संभावनाएं, पेयजल स्त्रोत सूखने, मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, खनन के दौरान मशीनों से उड़ने वाली धूल के नुकसान को लेकर एनजीटी भी गंभीर नहीं है।

इस मामले में खनिज विभाग और वन विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेने का प्रयास किया। लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया।

उधर खदान संचालक ने बताया कि खदान की निर्धारित सीमा में ही नियमानुसार खनन कार्य किया जा रहा हैं। ग्रामीणों को कोई परेशानी है तो समाधान किया जाएगा।

अभयपुरा गांव के पास सोपस्टोन की खदान से सटी वन भूमि के पहाड़ में अवैध खनन किया जा रहा है।

आखिर 2017 से 2022 तक क्यों नहीं बढ़ाई थी मैसर्स ओसवाल डाटा की दरें?

जबकि इस वक्त में 3 महापौर और 4 कमिश्नर और प्रशासक भी ग्रेटर नगर निगम में रहे

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम में कार्यरत निजी फर्म मैसर्स ओसवाल कम्प्यूटर्स एंड कंसलटेंट की दरों में एक साथ 20 फीसदी वृद्धि को कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने जायज ठहराया है। साथ ही इस संबंध में स्थानीय निधि अंकेक्षण का कोई ऑडिट पैरा होने से मना भी किया है।

सोनी ने कहा कि कंपनी की दरें वर्ष 2017 से नहीं बढ़ी थी, मैंने उचित निर्णय किया है। यह फर्म ग्रेटर निगम में ऑनलाइन फाइल ट्रेकिंग सिस्टम, ई-ऑक्शन, तनख्वाह बनाने का काम, वर्क ऑर्डर, टैंडर प्रक्रिया, कॉल सेंटर, जन्म-मृत्यु व विवाह प्रमाण पत्र बनाने, सर्वर, सॉफ्टवेयर, स्टेशनरी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, हार्डवेयर मशीनरी मुहैया कराती है। दरें नहीं बढ़ाने पर आमजन से जुड़ा काम बंद होने की संभावना थी।

मजेदार बात यह है कि वर्ष 2017 से लेकर अब तक नगर निगम में तीन महापौर अशोक लाहोटी, मनोज भारद्वाज व विष्णु लाटा भी रहे। इनके साथ कमिश्नर के पद पर रवि जैन, मोहनलाल यादव, दिनेश यादव और

यज्ञमित्र सिंह भी कार्यरत रहे, लेकिन ऐसा क्या कारण था कि इन्होंने नगर निगम के स्तर पर मैसर्स ओसवाल कम्प्यूटर्स एंड कंसलटेंट की दरों में इजाफा नहीं किया। वर्ष 2022 में ही ऐसा अचानक क्या हुआ कि महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने कंपनी की मांगे मानते हुए एक साथ इस फर्म की दरों में एक साथ 20 फीसदी का इजाफा कर दिया। जबकि राजस्थान ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्यूरमेंट रूल्स (आर.टी.पी.पी.) के तहत किसी भी कंपनी या फर्म की दरों में एक साथ ऐसी वृद्धि संभव नहीं है।

सूत्रों की मानें तो वर्ष 2005 में स्वायत्त शासन विभाग और नगर निगम प्रशासन ने इस फर्म के साथ जो अनुबंध किया था, वह 2012 में पूरा हो गया था। अनुबंध के वक्त कंपनी को 3 करोड़ रुपये सालाना देना तय था। इसके बाद कंपनी का कार्यकाल व इसी दरों में

- मौजूदा ग्रेटर निगम कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने ऑडिट पैरा होने से मना किया, कंपनी की दरों में 20 फीसदी वृद्धि को जायज ठहराया

सालाना 5 फीसदी वृद्धि का निर्णय भी स्वायत्त शासन विभाग से ही होता रहा। वर्ष 2017 तक स्वायत्त शासन विभाग ने फर्म की दरें बढ़ाई, इसके बाद से यह काम बंद हो गया। इसके बाद से कंपनी ने नगर निगम में पुरानी दरों पर काम नहीं करने के पत्राचार शुरू कर दिए। गत वर्ष जब कंपनी के लोग कमिश्नर महेन्द्र सोनी से मिले तो उन्होंने अनुबंध की शर्तों के तय 5 प्रतिशत सालाना वृद्धि के मुताबिक एक साथ 20 फीसदी दरें नगर निगम के स्तर पर ही बढ़ा दी। सूत्रों का कहना है कि कुछ अधिकारियों ने फर्म की दरों में एक साथ भारी भरकम इजाफा करने से मना भी किया, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई।

व्यापारियों को धमकाने वाले से जयपुर में पुलिस की पूछताछ

- इंटरनेट कॉल पर रंगदारी के लिए धमकाने और लॉरेंस गैंग से संबंध रखने के मामले में जालोर में पकड़े गए युद्धवीर सिंह को सांगानेर थाना पुलिस सोमवार को जयपुर लाई

जयपुर (कासं)। राजधानी में कारोबारियों से इंटरनेट व वाट्सऐप कॉल कर रंगदारी के लिए धमकाने और लॉरेंस गैंग से संबंध रखने के मामले में जालोर में पकड़े गए युद्धवीर सिंह को सांगानेर थाना पुलिस सोमवार को जयपुर ले आई। युद्धवीर सिंह पर आरोप है कि जी-क्लब पर फायरिंग के बाद लॉरेंस गैंग ने उससे संपर्क किया। गैंग ने युद्धवीर सिंह को चेन सिस्टम के जरिए अन्य शूटरों तक हथियार पहुंचाने का टारगेट दिया था, जिससे जी-क्लब जैसी एक और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया जा सके। गैंगस्टर लॉरेंस से पूछताछ के बाद युद्धवीर सिंह का नाम सामने आया था। तभी जयपुर कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच उसकी तलाश में जुटी थी। क्राइम ब्रांच जालोर से युद्धवीर सिंह के अलावा उसके साथ पकड़े गए दोनों साथियों को भी पूछताछ के लिए अपने साथ लेकर आई है। पुलिस का कहना है कि लॉरेंस गैंग से संबंधित किसी के संबंध में थोड़ा भी इनपुट मिल रहा है। उसी को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। वसूली के एक मामले में आरोपी युद्धवीर सिंह का नाम सामने आया था। उक्त मामले में आरोपी युद्धवीर सिंह से पूछताछ की जा रही है।

जी-क्लब पर फायरिंग के मामले में बीकानेर निवासी नाबालिग शूटर व आगरा निवासी शूटर प्रदीप शुक्ला उर्फ बाबा शुक्ला और बीकानेर निवासी शूटर ऋषभ उर्फ यशचंद्र रजवार को गिरफ्तार किया। फायरिंग के समय मौजूद चौथे साथी आगरा निवासी भूपेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया।

जी-क्लब पर फायरिंग के बाद सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने वाले वांटेड रितिक बॉक्सर, विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा, अनमोल विश्नोई, गोल्डी बराड़ की तलाश है। गैंगस्टर रोहित व गोल्डी बराड़ के संबंध में रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया जा चुका है।

प्रदेश में 10 नए संक्रमित मिले

जयपुर (कासं)। प्रदेश में करोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर थोड़ी वृद्धि हुई है। राज्य में सोमवार को दस नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस बीच 6 संक्रमित ठीक हुए हैं। राज्य में फिलहाल 41 एक्टिव केस मौजूद है। प्रदेश में सोमवार को 10 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को केवल एक ही रोगी पाया गया था। इधर आज राजधानी जयपुर में 4 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर में 3 तथा अजमेर, बीकानेर और जोधपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। राज्य में पिछले चौबीस घंटे में 6 संक्रमिक रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही 41 एक्टिव केस मौजूद है। इनमें उदयपुर में 16, जयपुर में 12, राजसमंद में 6, जोधपुर में 2, तथा अजमेर, बीकानेर, चूरू, नागौर और सीकर में 1-1 मामला है। प्रदेश में सोमवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9556 लोगों की मौत हो चुकी है।

सार-समाचार

मां के दूध से प्री मैच्योर शिशु को बचाया

जयपुर । राजधानी के निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने साढ़े नौ सौ ग्राम के प्री मैच्योर शिशु की मां का दूध देने के साथ ही अन्य इलाज से सिर्फ 45 दिन में उसका वजन दोगुना कर उसे अपने घर भेज दिया। इटर्नल हॉस्पिटल के डायरेक्टर पीडियाट्रिक एंड नियोनेटोलॉजी डॉ. एसडी शर्मा ने बताया कि महिला को हाई ब्लड प्रेशर एकलेंप्सिया की समस्या होने के कारण 28वें हफ्ते में ही सिजेरियन प्रसव कराना पड़ा। शिशु का जन्म के समय सिर्फ 950 ग्राम वजन था। ऐसे में रिससिटेट कर उसे वेंटीलेटर पर रखा गया। उसके फेफड़े पूरी तरह परिपक्व न होने के कारण उसकी सांस फूलने लगी तो उसे सरफक्टेंट दिया गया। इसके बाद भी सांस फूलने पर बच्चे की 2डी ईको जांच की गई तो पता लगा कि उसको जन्मजात हृदय रोग पीडीए था। 3 दिन में पीडीए ओरल दवाओं से ठीक किया गया और 7वें दिन तक वेंटीलेटर से हटाकर सीपेप पर रखा गया जिसमें शिशु को हाई फ्लो ऑक्सीजन दी गई। 9वें दिन शिशु का ऑक्सीजन लेवल ठीक नहीं हो पा रहा था। ऐसे में जांच करने पर सामने आया कि उसे सेप्सिस होना भी शुरू हो गया था। बच्चे का इलाज शुरू करने के साथ हमने मां का दूध देना भी जारी रखा। रोज एक-एक एमएल दूध बढ़कर दिया गया। इससे उसका सेप्सिस भी खत्म हो गया। एक महीने बाद शिशु को कंगारू थेरेपी देना शुरू किया। मां से सीधे फीडिंग मिलने के बाद बच्चे ने तेजी से रिकवर किया। मां का दूध देने से बच्चे को आंतों में इंफेक्शन, लंग्स से जुड़ी समस्याएं, सेकेंड्री इंफेक्शन भी नहीं हुआ और शिशु के ब्रेन का पूरी तरह से विकास होगा। 45 दिन में शिशु का वजन 950 ग्राम से बढ़कर 1800 ग्राम हो गया।

'नेतृत्व के लिए माइंडफुलनेस जरूरी'

जयपुर । जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने "माइंडफुल लीडरशिप" पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता भूटान के पूर्व शिक्षामंत्री नोरबू वांगचुक थे। इसके अलावा जयपुरिया, जयपुर के डायरेक्टर डॉ. प्रभात पंकज और नेचुरोपैथी विशेषज्ञ अनिल पर्चानी ने भी अपने विचार रखे। मुख्य वक्ता नोरबू वांगचुक ने कहा कि हमारे हाइपर-कनेक्टेड, हमेशा ऑन वर्ल्ड में, माइंडफुल लीडरशिप एक अनूठा तरीका अपनाती है। यह हमें अधिक कुशलता से जीने में मदद करती है। वहीं, अधिक आत्म-जागरूकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता दक्षताओं की नींव बनाती है। द माइंडफुल लीडरशिप प्रतिभागियों को अधिक लचीलापन, जुड़ाव और खुशी के साथ अवसरों और चुनौतियों का सामना करना सिखाती है। डॉ. प्रभात पंकज ने खुशी के लिए नेतृत्व शैली और कार्यों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रतिभागी को "हैप्पीनेस लेबोरेटरी" से लाभ उठाने का अवसर मिला, जिसमें उन्हें शरीर के ऊर्जा प्रवाह, तनाव-प्रोफाइल, बायोरिदम विश्लेषण और 7-चक्रों की स्थिति की गैर-चिकित्सीय विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त हुई। डॉ. प्रभात पंकज ने कहा कि एक्सेंचर, नोवो नॉर्डिस्क, वीयर एनालिटिक्स, एयू बैंक, आवास फाइनेंसर्स, क्यूडिग्रीस, इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड जैसे विभिन्न संगठनों के प्रतिभागी कार्यशाला में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री से मिले जलदाय कर्मचारी

जयपुर (कासं)। प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत व राज्य मंत्री जगदीश राज श्रीमाली के साथ सैकड़ों जलदायकर्मियों ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। कर्मचारियों की समस्या सुनने के बाद सीएम ने उनकी मांगों के निराकरण का पूर्ण आश्वासन दिया। संजय सिंह ने बताया कि वर्कचार्ज कर्मचारियों के पद सृजित करने की घोषणा का कार्य आदेश जल्द जारी करने, चयनित वेतनमान 9 वर्ष के अंतराल के बजाय 8 वर्ष करने, स्टोर मुंशियों के प्रकरणों को बहाल करने तथा जनता जल कार्मिकों को जलदाय विभाग में शामिल करने की मांग प्रमुख है। इस मौके संगठन के प्रतिनिधि कार्यवाहक अध्यक्ष केदार प्रसाद शर्मा, उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह, जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी, वृत अध्यक्ष मोहनलाल पालीवाल, अध्यक्ष घासीलाल शर्मा, संगठन के रमेश गुर्जर, रामधन सैनी, नाथूलाल वर्मा, महेश विजय, जगदीश गुप्ता, मूलचंद सैनी व करण सैनी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

छाजूराम गुर्जर को पीएचडी की उपाधि

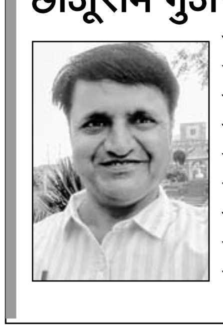

जयपुर । जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के संस्कृत विभाग के रिसर्च स्कॉलर में विराटनगर के पणदो गांव निवासी छाजू राम गुर्जर ने संस्कृत साहित्य का राजस्थानी भाषा के काव्यों पर प्रभाव विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया है। शोध कार्य प्रोफेसर डॉ. मंगलाराम, संस्कृत विभागाध्यक्ष जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के निर्देशन में किया है। जिस पर उनको पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

संक्षिप्त

डी.आर.यादव बने राष्ट्रीय महासचिव

जयपुर (कासं)। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. स्वप्न कुमार घोष ने जयपुर निवासी

डी.आर.यादव को राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत किया है। घोष ने छतीसगढ़ के बिलासपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक व शताब्दी समारोह की श्रृंखला में आयोजित विशाल प्रांतीय महासम्मेलन के बाद यह निर्णय लिया है। ज्ञात रहे कि डी.आर.यादव जयपुर के बिड़ला सभागार में राष्ट्रीय युवा यादव सम्मेलन 2015 में जारी "युवा यादव सोवरनियर" के संपादक और वर्ष 2016 में नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जारी "यादव सोवरनियर" के संपादक थे।

राहुल तंवर ने सीएम को बताई समस्याएं

जयपुर । मुहाना फल-सब्जी मंडी के अध्यक्ष राहुल तंवर ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर उन्हें मंडी की समस्याएं बताते हुए जल्द निराकरण की मांग रखी। तंवर ने बताया कि राजधानी जयपुर की मुहाना मंडी एशिया की सबसे बड़ी मंडी होने के बावजूद भी सुविधाओं को तरस रही है। यहां ना तो कोई सरकारी अस्पताल व डिस्पेंसरी है और ना ही सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था। जबकि मंडी में प्रतिदिन 30-40 हजार किसान, मजदूर, व्यापारी व अन्य लोग खरीददारी के लिए आते हैं। मंडी परिसर में आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, लेकिन सरकारी डिस्पेंसरी के अभाव में लोगों को तुरंत इलाज मुहैया नहीं हो पाता।

संजय जैन ने मनाया जन्मदिन

जयपुर । भाजपा जयपुर जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय जैन ने अपने जन्मदिन के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जैन को बधाई देने के लिए पूर्व मंत्री यूनुस खान, पूर्व विधायक सुरेंद्र पारीक सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई दी।

चेस्ट पेन क्लीनिक की शुरूआत जल्द

जयपुर (कासं)। राजस्थान अस्पताल, आरएचएल हार्ट सेंटर, हार्ट पेशेंट, विशेषकर चेस्ट पेन वाले मरीजों के लिए त्वरित इलाज शुरू करने के उद्देश्य से चेस्ट पेन क्लीनिक की शुरुआत कर रहा है। राजस्थान अस्पताल के वाइस चेयरमैन और आरएचएल हार्ट सेंटर के चेयरमेंन डॉ. रविन्द्र सिंह राव ने बताया कि चेस्ट पेन क्लानिक में संपर्क करने के लिए एक इमरजेंसी मोबाइल नम्बर जारी किया गया है। रोगी फोन पर ही हृदय रोग विशेषज्ञ की सलाह पर इलाज की प्रक्रिया व दवाइयां शुरू कर सकेंगे।

पेट्रोल पम्प पर डीजल लूटा

जयपुर । राजधानी के हरमाड़ा स्थित पेट्रोल पम्प पर डीजल लूटने का मामला सामने आया है। कार सवार दो युवक फुल टैंक करवाकर गाड़ी को भगा ले गए। कार के फ्यूल टैंक में लगे नोजल पाइप को भी मशीन से उखाड़कर साथ ले गए। कुछ दूरी पर नोजल लगा पाइप उछलकर दूर जा गिरा। कार सवार युवकों की करतूत पेट्रोल पम्प पर लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। पुलिस कार और युवकों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि ग्राम हारनोदा चौमूं निवासी मैनेजर रतन बराला (30) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि राजवास सीकर रोड स्थित मधुरादास सुखलाल राठी नाम से उनका पेट्रोल पम्प हैं। गत 10 मार्च की देर रात पेट्रोल पम्प पर तीन कर्मचारी मौजूद थे। रात करीब 1 बजे एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार आकर रुकी। कार में दो लड़के बैठे थे। उन्होंने पेट्रोल पम्प कर्मचारी को टैंक फुल करने की बोला। कार का फ्यूल टैंक खोलकर कर्मचारी डीजल डालने लगा। डीजल के 3400 रुपए मांगने के दौरान ही युवकों ने कार को दौड़ा दिया। कार तेज रफ्तार कार के दौड़ने से नोजल समेत पाइप मशीन से उखड़ गया।

शराबियों ने किया पुलिसकर्मियों पर हमला

जयपुर । प्रताप नगर क्षेत्र में कार में बैठकर शराब पी रहे युवकों को टोकना पुलिस को भारी पड़ गया। गुस्साएं युवकों ने पुलिस जाब्ते पर हमला बोल दिया। गाली-गलौज कर पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर मारपीट की गई। लाठी से पुलिसकर्मियों को पीटने के बाद हमलावर फरार हो गए। प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार सवार हमलवारों को पकड़ने के लिए शहरभर में नाकाबंदी करवाई, लेकिन उनका पता नहीं चला। पुलिस ने राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। प्रतापनगर थाने के हेड कॉन्स्टेबल किशन सिंह ने राजकार्य में बाधा की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया कि कॉन्स्टेबल हुकुम सिंह और प्रकाश चन्द्र के साथ वह पुलिस चेतक में रविवार दोपहर गश्त पर थे। प्रताप नगर थाने से महज 300 मीटर दूरी पर खंडेलवाल ढाबा के पास ऑल्टो कार में 4-5 लड़के बैठकर शराब पी रहे थे। पुलिसकर्मियों ने शराब पी रहे लड़कों को कार से बाहर उतरने को कहा। शराब पीने की टोकने पर कार के ड्राइवर सीट पर बैठा लड़का हाथ में लाठी लेकर नीचे उतरा। पुलिसकर्मियों को लाठी लहराते हुए बोला- तुम कौन हो जो हमे शराब पीने के लिए मना कर रहे हो। मुझे कृष्ण कुमार शर्मा कहते है। तुम्हारे जैसे कई पुलिस वाले देखे है। लाठी लहराते देखकर पुलिसकर्मियों ने रोकने का प्रयास किया। कृष्ण कुमार शर्मा ने लाठी से हमला से हेड कॉन्स्टेबल किशन सिंह के दाहिने हाथ पर मारी। इसके बाद हुकुम सिंह के बाएं पैर पर टखने पर लाठी से वार किया। तभी कार में बैठ उसके दोस्त भी बाहर निकल आए। कृष्ण शर्मा लाठी लहराते रहे, उसके दोस्तों ने गाली-गलौज कर पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर मारपीट की।

जयपुर फुट की निर्माता संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष पद्मश्री वीरेंद्र राज मेहता का निधन

90 वर्षीय मेहता ने दिल्ली के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली

जयपुर, (का.सं.)। पदमश्री से सम्मानित विख्यात इंजीनियर और फिलीपीन्स के मनीला स्थित एशियन डवलपमेन्ट बैंक के वरिष्ठ विशेषज्ञ तथा जयपुर फुट की निर्मात संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेन्द्र राज मेहता का दिल्ली के एक अस्पताल में सोमवार प्रात: निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे।

वीरेन्द्र राज मेहता जोधपुर से थे और बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग में उन्होंने डिग्री हासिल की और भारतीय रेल से जुड़ गए। वह पदम भूषण और बी.एम.वी.एस.एस.के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता के बड़े भाई थे। उन्हें वर्ष 2015 में पदमश्री से सम्मानित किया गया था।

वीरेन्द्र राज मेहता जो सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी थे भारत सरकार में संयुक्त सचिव पद पर रहे। वीरेन्द्र राज मेहता के प्रयासों से ही फिलीपीन्स की राजधानी मनीला में जयपुर फुट केन्द्र की स्थापना हुई। फिलीपीन्स के विकलांगों की सेवा के प्रशंसनीय कार्य पर फिलीपीन्स की संसद (हाउस ऑफ रिप्रेसेन्टटेटिव) में वर्ष 2010 में उनका सम्मान किया गया और मनीला शहर में उन्हें मानद नागरिक का दर्जा दिया गया।

- उनका दाह संस्कार दिल्ली में मंगलवार प्रातः लाधी रोड मोक्षधाम पर होगा

वह दिल्ली स्थित भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के कार्यों का निष्पादन पूरी निष्ठा से अन्तिम समय तक करते रहे। स्वर्गीय मेहता के प्रयासों से ही फिलीपीन्स के महावीर फिलीपीन्स फाउण्डेशन की स्थापना हुई जिसके जरिए फिलीपीन्स के विकलांगों को जयपुर फुट लगाया जाता है। 2017 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी फिलीपीन्स यात्रा के दौरान जयपुर फुट के विशेष शिविर का मनीला में निरीक्षण किया। इस शिविर में 757 फिलीपीन्स के विकलांगों को लाभार्थ किया गया।

वीरेन्द्र राज मेहता की धर्मपत्नी विमला मेहता हिन्दी की लेखिका और उपन्यासकार थी। उनका निधन गत वर्ष ही हुआ था। उन्होंने विमला मेहता के साथ 'मदर टैरेसा' पर पुस्तक भी लिखी।

वीरेन्द्र राज मेहता के निधन पर जयपुर स्थित भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था प्रमुख डी.आर.मेहता, संस्था के सचिव भूपेन्द्र राज मेहता, डॉ.दीपेन्द्र मेहता एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.के. अग्रवाल ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की। वीरेन्द्र राज मेहता अपने पीछे शिक्षा विद पुत्र डॉ. शैलेन्द्र राज मेहता और अमेरिका स्थित पुत्री संध्या छोड़ गए। उनका दाह संस्कार दिल्ली में मंगलवार प्रात: लाधी रोड मोक्षधाम पर होगा।

सुरेश अध्यक्ष व हेतप्रकाश प्रचार मंत्री बने

जयपुर (कासं)। आगरा रोड स्थित सरस्वती एनक्लेव विकास समिति की ओर से रविवार को कॉलोनी में होली स्नेह मिलन समारोह एवं वार्षिक चुनाव संपन्न हुए, जिसमें सुरेश कुमार गुप्ता को अध्यक्ष और हेतप्रकाश व्यास को सर्वसम्मति से प्रचार मंत्री चुना गया।

नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा कि कार्यकारिणी का उद्देश्य कॉलोनी से जुड़ी समस्याओं जैसे पक्की सड़क, रोड लाइट, सीवरेज की व्यवस्था करवाना और क्षेत्र में सफाई एवं सुरक्षा की व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कॉलोनी से जुड़ी समस्याओं से संबंधी ज्ञापन बनाकर मिशन मोड में जनप्रतिनिधियों से मिला जाएगा और

समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया।

4 साल बाद लोगों के लिए फिर से खुलेगी जलधारा

जयपुर। जे.एल.एन. रोड पर जलधारा की इसी माह लोगों को सौगात मिलेगी। जेडीए इसी माह जलधारा को आम जनता के लिए खोल देगा। जेडीसी रवि जैन ने सोमवार को जलधारा पहुंच निर्माण कार्यों का जायजा लिया। जेडीए ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए खर्च कर जलधारा में रिनोवेशन के काम करवाए है। जलधारा के सौन्दर्यकरण को लेकर किए गए कार्यों का जेडीसी रवि जैन ने सोमवार को इनका जायजा लिया। जेडीसी रवि जैन ने बताया कि 2019 में बारिश के दौरान जलधारा का स्वरूप बिगड़ गया था, इसके बाद जलधारा को जनता के लिए बंद कर दिया था। जेडीए ने जलधारा में सौंदर्यीकरण कराया है।

मंत्री ने माना कि सोसायटियों में पंजीकृत स्कूल रजिस्ट्रार को सूचनाएं देने के लिये बाध्य नहीं

विधायक लाहोटी ने प्रश्नकाल में जयपुर के पंजीकृत स्कूलों से संबंधित जानकारी मांगी थी

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज सहकारिता मंत्री उदय लाल आंजना ने माना कि प्रदेश में सोसायटियों में पंजीकृत स्कूल रजिस्ट्रार को सूचनाएं देने के लिये बाध्य नहीं हैं। विधायक अशोक लाहौटी ने इस संबंध में प्रश्नकाल के दौरान मामला उठाया था। बाद में अध्यक्ष सी.पी.जोशी के हस्तक्षेप में बाद मंत्री ने कहा कि कानून में संशोधन कर पंजीकृत संस्थाओं को सूचनाएं देने के लिये बाध्य करेंगे

आंजना ने कहा कि इस संबंध में वर्तमान कानून में संशोधन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य में दो लाख 60 हजार तथा जयपुर में 58 हजार संस्थाएं पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि सोसायटी के लेखे एवं अन्य जानकारियां रजिस्ट्रार को नहीं देने पर प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के यहां आवेदन किया जा सकता है। जानकारी नहीं देने पर 500 रुपये के जुर्माने का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि कानूनी बाध्यता नहीं होने के कारण सोसाइटियों द्वारा सूचना नहीं दी जाती है तथा उन्हें इसके लिए बाध्य भी नहीं किया जा सकता है।

- मंत्री उदयलाल आंजना ने बताया कि सोसायटी के लेखे एवं अन्य जानकारियां रजिस्ट्रार को नहीं देने पर प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के यहां आवेदन किया जा सकता है। जानकारी नहीं देने पर 500 रुपये के जुर्माने का भी प्रावधान है
- स्पीकर सी.पी.जोशी के हस्तक्षेप के बाद सहकारिता मंत्री कहा कि कानून में संशोधन कर पंजीकृत संस्थाओं को सूचनाएं देने के लिए बाध्य करेंगे

इससे पहले आंजना ने कहा कि जयपुर शहर में स्थित नीरजा मोदी स्कूल मानसरोवर, महाराजा सवाई मानसिंह विद्यालय, सवाई रामसिंह रोड एवं आई.आई.एस. इन्टरनेशनल स्कूल, राजस्थान सोसायटी रजिस्ट्रीकरण एक्ट (1958) के तहत पंजीकृत संस्थाऐं क्रमश: श्री मोदी शिक्षण संस्थान, शिप्रा पथ, मानसरोवर, सवाई मानसिंह शिल्पकला मंदिर सोसायटी, जयपुर एवं इंडियन काउन्सिल फॉर इंटरनेशनल एमिटी जयपुर द्वारा संचालित हैं।

बाद में अध्यक्ष जोशी ने कहा कि कानून में संशोधन कर ऐसी सोसायटियों के विरूद्ध कार्यवाही करनी चाहिये। इस पर मंत्री ने कहा कि कानून में बदलाव की प्रक्रियाधीन है। इसके बाद ऐसी संस्थाओं को सूचना देने के लिये बाध्य किया जायेगा।

फारूक आफरीदी का सम्मान

जयपुर । इंडिया नेट बुक्स, बीपीए फाउंडेशन और अनुस्वार पत्रिका द्वारा दिल्ली के मयूर विहार क्राउन प्लाजा होटल में अपने वार्षिक साहित्यकार सम्मान उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें उपन्यासकार चित्रा मुद्गल को वेद व्यास सम्मान प्रसिद्ध नाटककार-लेखक प्रताप सहगल को वागीश्वरी और प्रतिष्ठित व्यंग्यकार-कवि फारूक आफरीदी को साहित्य विभूषण सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर देश-विदेश के कुल 52 वरिष्ठ, युवा व बाल साहित्यकारों व पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। डॉ. संजीव कुमार, डॉ. मनोरमा कुमार और कामिनी मिश्रा के साथ विद्वानों द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजक डॉ.संजीव कुमार ने संक्षेप में इंडिया नेटबुक्स, बीपीए फाउंडेशन और अनुस्वार पत्रिका के

नई दिल्ली में आयोजित समारोह में व्यंग्यकार एवं कवि फारूक आफरीदी को साहित्य विभूषण सम्मान से नवाजा गया।

कार्यकलापों एवं भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साहित्य विभूषण सम्मान फारुक आफरीदी के साथ गिरीश पंकज, राहुल देव, राजेन्द्र मोहन शर्मा मुकेश भारद्वाज और प्रबोध कुमार गोविल को भी दिया गया। इसी प्रकार साहित्य भूषण सम्मान विवेक रंजन श्रीवास्तव, अरूण अर्णव खरे, धर्मपाल महेंद्र जैन, उर्मिला शिरींष, सुधीर शर्मा, जय प्रकाश मानस, श्याम सखा श्याम, हरिप्रकाश राठी, दिव्या माथुर अनिता कपूर संध्या सिंह, वीना सिन्हा एवं मंजू लोड़ा को दिया गया।

#TECH-HACKS

Boost Your Wi-Fi Signal

You can significantly improve your Wi-Fi experience with small adjustments to the placement of your Wi-Fi router and its settings.

Cruddy Wi-Fi performance is frustrating, but so is spending money when you could improve your Wi-Fi without spending a dime. Here are ten tips to improve your Wi-Fi for free, plus three bonus tips for people with more room in their budgets.

Move To Another Room

There's a good chance the location of your Wi-Fi router is wherever your Internet Service Provider (ISP) put the drop in your house. The line came off the pole, to the nearest corner of your home, and that's where the hardware went.

Moving your router is one of the easiest ways to fix Wi-Fi issues. This is because the signal from your router radiates out from the router in roughly a donut shape. If you have the router parked against the wall in the far corner of your house, around half that donut shape (or less, if it's on a corner) is inside your home, and the rest is outside in your yard or neighbour's apartment.

Just moving your router

from an outside wall to a central location will do wonders for your Wi-Fi experience as the "umbrella" of the router is now over the most used spaces of your home.

Raise Your Router Up High

On top of moving your router to a more central location in your home, you can also significantly improve your Wi-Fi experience by moving the router up high.

Putting aside the actual physical structure of the home, the bulk of the mass inside a home is between the floor and about 4-5 feet off the ground. That's where the majority of our stuff-like couches, chairs, televisions, bookshelves, counters, appliances, etc.-is located.

If your Wi-Fi router is sitting on a shelf under your TV, a large portion of the Wi-Fi signal is being absorbed by all the stuff down at its level. Just putting the router on the tallest bookshelf in your living room or using the mounting holes on the back to mount it up near the ceiling, will get it above most of the things that are interfering with the signal.

Ditch the Wi-Fi for Ethernet

If somebody told you the best way to improve your Wi-Fi is to not use it, you might consider that advice to be a bit flippant. But there's a very good reason we advise people to do just that.

Wi-Fi is great but it's easy to overload your Wi-Fi router with many devices-especially if you have many high-demand devices running simultaneously. One of the simplest solutions to that problem is to stop using Wi-Fi and offload some of the bandwidth demands onto Ethernet. This frees up the Wi-Fi for devices (such as your phone) that don't use Ethernet.

Enable Quality of Service Rules

You might find that your Wi-Fi experience is great when you're home by yourself but not so great when your spouse and kids are home and using the internet too.

If your root problem is that, you simply don't have enough download bandwidth to support all the activities your family is engaged in, Wi-Fi tweaks aren't going to help and we hope affordable broadband finds its way to your locale sooner rather than later.

But if the issue is that one particular activity is putting the hurt on your bandwidth allocation to the detriment of all other network activity, it's worth looking into whether or not your router supports Quality of Service (QoS) rules.

Update Your Firmware

You should stay on top of router firmware updates to ensure your router isn't vulnerable to known (and already patched) security exploits.

But it's also a great idea to stay on top of firmware updates because, for every zero-day exploit that gets patched up, most firmware updates are actually performance patches.

Router firmware updates are a free way to get performance improvements out of the hardware you already own.

Adjust Your Wi-Fi Channels

If you live in an apartment or neighbourhood with closely packed homes, it's possible that your router's Wi-Fi channel allocation is conflicting with the allocation of other nearby routers.

By scanning for both your Wi-Fi channel settings and the settings of nearby routers, you can manually change the Wi-Fi channel allocation for your router to take advantage of the least used space.

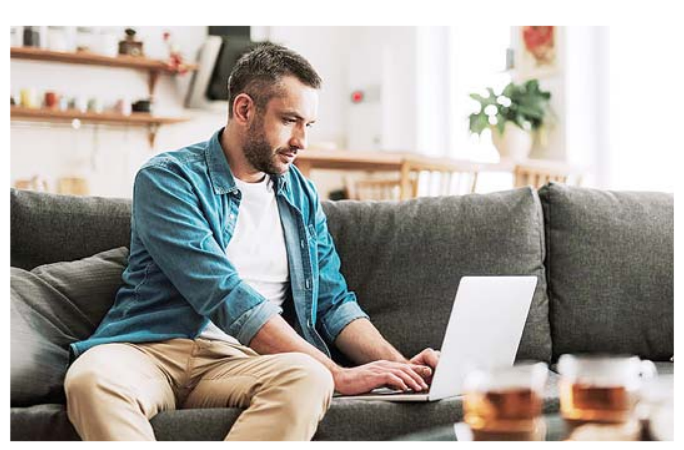

Not a paisa more: Not a paisa less

Helpless Sarabjeet went back to the Gurudwara to pray for help. While praying, he noticed that people who were coming were leaving donations on a white sheet in front of the Granth sahibs. The heap of money was gradually becoming bigger. Sarabjeet went upto the money and folded the sheet and made a bundle. All the people around were surprised and stopped him. They told him that the money was the Gurudwara's and he could not take it away. Sarabjeet responded as a cornered animal does. He looked around and asked in a loud voice.

Dr Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller Story teller

#BENEDICTIONS

Simran was a gracious and lovable child. Youngest of the three sisters she was the darling of the family. For a ten year old, she had a very mature head on her tiny slim body. Her eyes sparkled with the joy of life and there was a smile hidden behind her pink lips all the time. She never said no to anybody and was always ready to help in whichever way she could. She preferred books and music to dolls and toy kitchen sets. Being the daughter of a school teacher, there were books strewn all around the house. Children were encouraged to read in their spare time. Often lively discussions would take place on the dining table where she participated with equal energy and wisdom. She could often be seen sitting on the small cane stool in the living room where her father's friends would discuss literature and politics. Some of these people were eminent writers and poets. She was fortunate to read their first editions earlier than the general public. On rare circumstances, she was bold enough to comment on their writings. Her boldness was treated with affection and appreciation by the authors. She was such a favourite, one of the poets even dedicated a collection of poems to her.

Love and Affection

Simran's father Sarabjeet Singh was a simple person. Well educated and beloved teacher of English with a genuine love for literature. He had done Master's in English from the Lucknow University. Surprisingly, his knowledge of the current Hindi literature was more profound than English. He had passed on this love and passion to all his daughters but it was Simran, who was probably the best. She soaked up whatever she heard or read, like a sponge. Her mother encouraged her in her interests. While cooking meals for the family, Simran would be at her side helping to stir and had endless questions about the food being cooked. She would ask about books and politics too.

It was a happy family. There was not much wealth but the love and affection was abounding. Simran was known to have cough and cold quite often. On most occasions, it used to get better in a few days. When she was twelve, she had a bout of cough with a sore throat, Joint pains and swelling. She consulted a reputed general practitioner and recovered soon. The diagnosis was neither asked for nor told. Little did the family know that this illness had a self-limiting character! The worst part of it was, that even after the symptoms subside, the infection often affect the heart valves. In Simran's case, this is what happened. She lost her lustre and people noticed how easily she became tired. The laughing and happy child now became cranky. She wanted to rest all the day and refused to go out to play. She was also reluctant to help in the family chores. Sarabjeet and his wife often talked late into the night that all was not normal with the little one. Since they had a limited income and there was no severe symptom, the visit to the doctor, which they had thought about, kept getting delayed. The fact of the matter was that they had little ready money for such expenses.

Finally, they took her to a reputed child specialist. He was of the old school. He listened with care about the history of cough, sore throat and joint pains. He became quite concerned as the history was being presented. He did a head to toe examination and his expression became grimmer as the examination progressed. He recommended a set of blood tests, a chest X-ray and ECG. It should have struck the parents that the matter was more severe than what they originally thought. The specialist did not pass on his suspicions until the tests had been done. After a couple of days, the family was called by the doctor and then the bomb was dropped. Simran had 'Rheumatic Heart disease'. The cough and cold caused by a bacteria had travelled by the blood stream and affected one of the valves on the left side of the heart. He even mentioned that it was the mitral valve. The parents had not understood much but they were fully aware that the news was not good. The child specialist explained that Simran would be given long acting Penicillin to control the infection and slow down the possibility of further complications. At the end, the doctor warned that over time the damaged and infected valve would become worse and could become narrower or even fail to adapt well(Regurgitation). Only time would tell how much longer it would take to reach a final stage.

> **The laughing and happy child now became cranky. She wanted to rest all the day and refused to go out to play. She was also reluctant to help in the family chores. Sarabjeet and his wife often talked late into the night that all was not normal with the little one.**

In the initial days the family was extremely solicitous. Simran was taken care of with affection and concern. As time passed and she did not seem to become worse, the family went back to its old routine. It was just that Simran was not doing well. The doctor's visit had become less frequent as the treatment order continued to be the same. One day, Simran complained of breathlessness on effort. She was finding it harder to walk to the nearby school. She had become pale and one of the teachers commented that her face looked puffy. This time the doctor too was concerned and he asked for a new set of investigations. A new-fangled expensive test called Echocardiogram was ordered. The parents were told that the valve was now thickening and had narrowed to half the size. More medicines were added to the prescription. There was a particular one (a diuretic) that helped in reducing the water in the body. The practice was to give it in the morning and the action lasted for about six hours.

Desperate Efforts

Nobody told Simran all this. The poor child was given the tablet before she left for school. She had to take permission often to leave the class to go to the washroom. Soon unpleasant comments were passed by her classmates. She tried her level best to reduce the trips and time, of the washroom visits with the intervals. One day, she embarrassed herself. She was delaying going to the washroom till the end of the class but could not hold any longer. She passed urine in the class! It was so distressing! Her parents were told and they went to see the doctor again. This time the reports were even worse. The paediatrician decided to have a second opinion from a heart specialist. The final decision was that, Simran's mitral valve was now functioning poorly. It leaked and was narrowed too. No medicine was going to help. She needed an open heart surgery to replace the valve. This was an uncommon and newly introduced surgery in those years. It was going to be costly. It would cost around one and half lacs rupees. The parents did not have that kind of money.

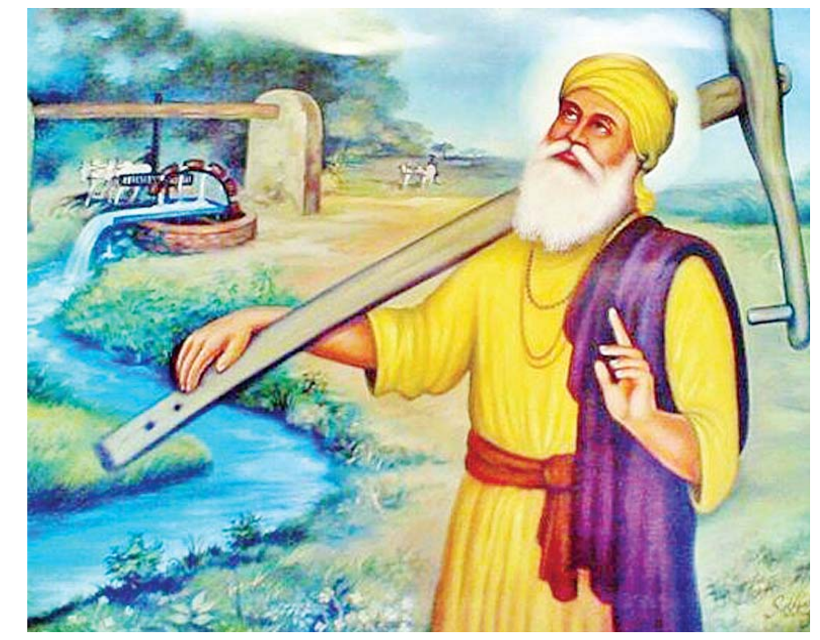

Desperate efforts were made to borrow from friends and family. The private school and the bank were the first to refuse any loan or advance. The trickle from other sources was meagre. A sense of frustration and anxiety was evident. Sarabjeet was no more the calm and loving person. He was frantically going around looking for help. When no help comes from anywhere then there was only one person to appeal to. The parents were seen going to the Gurudwara frequently to beseech the 'Baba' for help. Still nothing happened. Simran was getting worse. She was admitted to the hospital. The doctors wanted to fix a date for the surgery or discharge her.

> **The parents were seen going to the Gurudwara frequently to beseech the 'Baba' for help. Still nothing happened. Simran was getting worse. She was admitted to the hospital. The doctors wanted to fix a date for the surgery or discharge her.**

Helpless Sarabjeet went back to the Gurudwara to pray for help. While praying he noticed that people who were coming were leaving donations on a white sheet in front of the Granth sahib. The heap of money was gradually becoming bigger. Sarabjeet went upto the money and folded the sheet and made a bundle. All the people around were surprised and stopped him. They told him that the money was the Gurudwara's and he could not take it away. Sarabjeet responded as a cornered animal does. He looked around and asked in a loud voice.

Is this your money that you are stopping me?

This is the 'Baba's' money! If I am taking it away, he will stop me.

I have been asking for help and he has told me to take this. It is between the Baba and me.

The Gurudwara's senior people had come by that time. One of the senior people restrained the others from stopping Sarabjeet. He just told one of the retainers to follow him.

Sarabjeet went straight to the hospital cash counter and asked for the money to be deposited. The cashier counted the money.

It was exactly the amount required- Not a paisa more: not a Paisa less!

The Almighty has his own ways to help the faithful.

writetoarbit@rashtradoot.com

#FOOD REVIEW

Forgotten Recipes of the Thar

A hidden gem for fine dining in Crowne Plaza, Jaipur is offering their guests an opportunity to indulge in the splendour of traditional delicacies of the Thar region.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

The Crowne Plaza in Jaipur has always been synonymous with delectable Chinese cuisine at the House of Han. However, my recent visit to the hotel led me to discover a hidden gem for fine dining - The Royal Root. The restaurant offers a tastefully done set up, soothing live instrumental music, and authentic recipes that are crafted to perfection, making it a must-try.

Chef Sudhir Kumar Sharma.

For their special gastronomic curation of 'Forgotten Recipes of Thar', the restaurant's culinary maestros have taken it upon themselves to revive the long-forgotten recipes of the Thar region and offer their guests an opportunity to indulge in the splendour of traditional delicacies. This unique and authentic dining experience is a welcome break from the fusion food that has become common in many restaurants these days.

An Indulgent Affair

To begin the regal culinary sojourn at The Royal Root, one can start with the Murgh Shorba, Dahi ka Shorba, or Makai Ki Raab, which are all flavourful and comforting soups. For non-vegetarians, the starters like 'Umarkot ke Silbatte Kebab', made using stone minced lamb cooked in subtle spices, and 'Jaslmadi machi', charcoal grilled fish marinated to perfection with mustard and other spices, are must-try dishes. Vegetarians can savour the Sangri ki Shami and Bajre aur Pudine Ke kebab, both of which are equally delicious.

Moving on to the main course, The Royal Root offers an array of dishes that are sure to tantalize your taste buds. The Khad Murgh, a traditional slow-cooked chicken preparation cooked with stone-rubbed spices, and Chuley Ka Shikaar, tender lamb cooked on wooden fire infused with regional spices like patthar ke phool and nag kesar, are both unmissable dishes that are bursting with flavour.

For those looking to try something different than the usual ker sangri, I highly recommend sampling the Panchkuta, a mix of indigenous dried vegetables and berries that are packed with great taste. In addition to these dishes, the restaurant also offers some unique and innovative vegetarian options such as the Gulab Jamun Ki Sabzi, which features succulent dumplings of deep-fried cottage cheese, cooked in a rich gravy infused with the sweetness of Gulab Jamun. The Rabodi ki Sabzi, made using dried corn papad, and Pitthod Ki Sabzi, steamed gram flour dumplings cooked in yogurt gravy, are also quite unique and definitely worth a try.

For those with a sweet tooth, I highly recommend trying the Churma and Gur Bajre Ke Laddu. To round off the meal, sip on the refreshing paan shots, which are a perfect way to cleanse the palate after the indulgent meal.

> For those looking to try something different than the usual ker sangri, I highly recommend sampling the Panchkuta, a mix of indigenous dried vegetables and berries that are packed with great taste. In addition to these dishes, the restaurant also offers some unique and innovative vegetarian options

Simple Ingredients and Authentic Flavours

Telling more about the festival, Sudhir Kumar Sharma, Chef De Cuisine of Crowne Plaza says: "To create the menu, the culinary team has researched in the rural pockets of Rajasthan and consulted with the ladies who cook in homes to find out the traditional recipes. They use ingredients such as sour curd for the curries, spices like fresh haldi, red chillies, pepper, onion, and garlic, which are ground on the silbatta. Women have been called from outside especially for this festival to make rotis such as tikkad and bejad ki roti in an authentic way on a mitti ka tawa and choolah."

The restaurant's dedication to quality is evident in their attention to detail, from the candlelight setup to the regal interiors that make for a truly luxurious dining experience. The ambience of the restaurant adds to the charm of the authentic Rajasthani cuisine, making it a perfect destination for those who enjoy fine dining.

When: 10 March to 19 March, 7.30 pm onwards
Where: The Royal Root, Crowne Plaza Jaipur

THE WALL

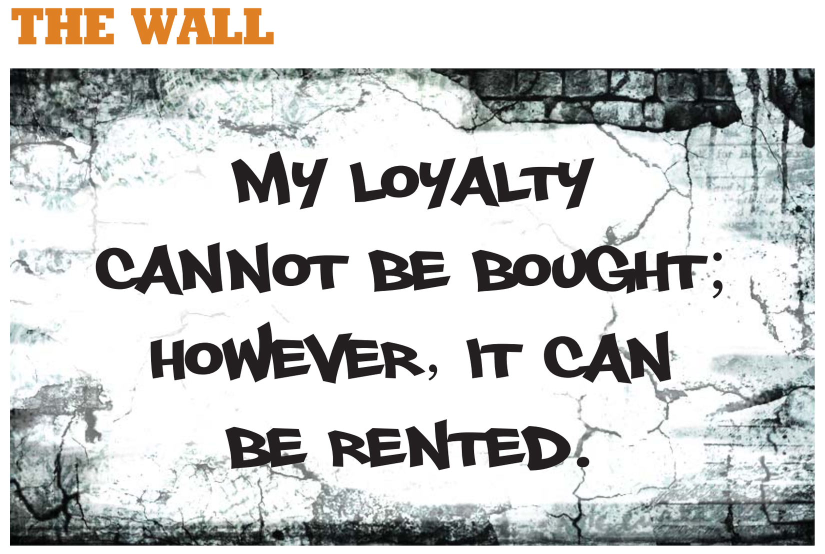

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

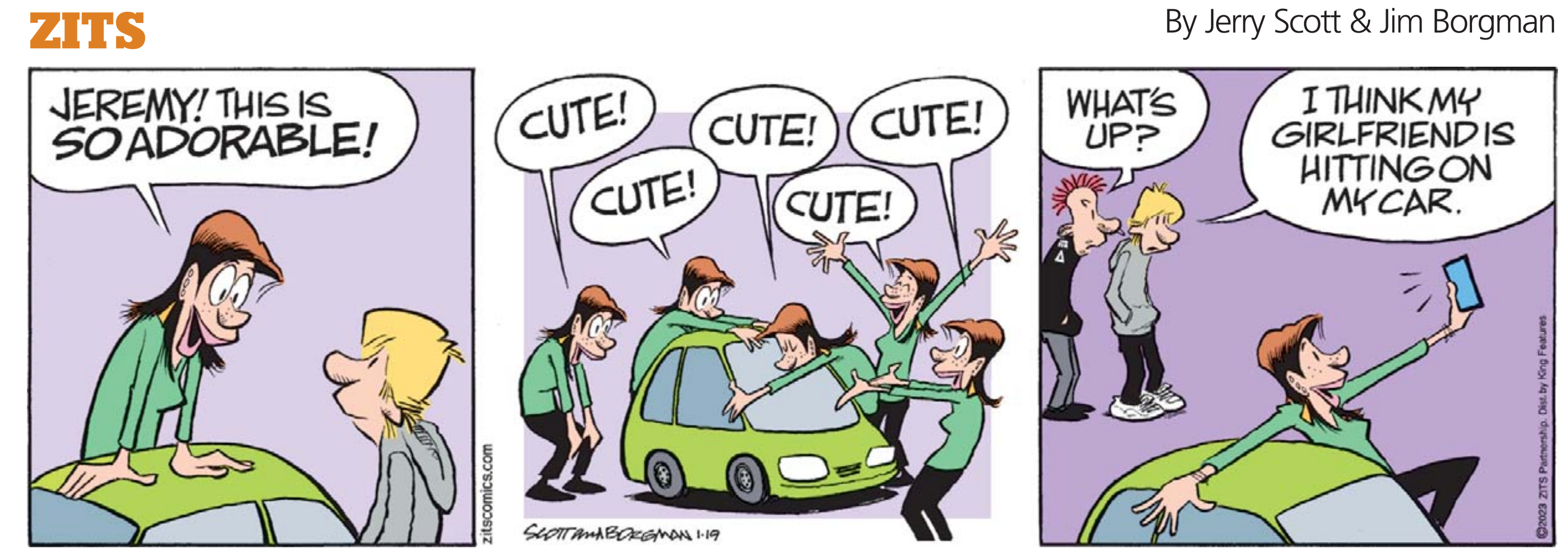

कलेक्टर ने कई गांवों में फसल खराबे की स्थिति का जायजा लिया

ओलावृष्टि व अतिवृष्टि से हुए फसल खराबे की वस्तुस्थिति देखकर किसानों से संवाद किया

उदयपुर, (कासं)। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने अपने क्षेत्रीय भ्रमण के तहत जिले के सराड़ा उपखंड क्षेत्र का दौरा किया और कई गांवों में ओलावृष्टि व अतिवृष्टि से हुए फसल खराबे की वस्तुस्थिति देखकर किसानों से संवाद किया। कलक्टर ने सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र नाल हल्कार के मेघात फला के साथ डेकली, कातनवाड़ा, अम्बाला गांवों में खेतों में पहुंच कर मौका देखा व किसानों से फसल खराबे की स्थिति जानी।

उन्होंने इस विजिट के दौरान मौजूद संयुक्त निदेशक माधोसिंह चंपावत व अन्य अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए किसानों को शीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। विजिट के दौरान जिला कलक्टर ने क्षेत्र के स्कूली बच्चो से भी बातचीत की। उन्होंने गांव के बच्चों से पढ़ाई व स्कूल की स्थिति के बारे में जाना और विद्यालय में शिक्षा के साथ दी जाने वाली अन्य सुविधाओं के बारे में भी पूछा। कलक्टर ने इन बच्चों को मन लगाकर पढ़ने, मेहनत करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने सराड़ा उपखण्ड क्षेत्र में फसल खराबे का जायजा लिया।

कलक्टर ने स्थानीय महिलाओं से चिरंजीवी योजना के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने गरीब व जरूरतमंद लोगों के लिए यह योजना चलाई है, महिलाओं की भूमिका घर-परिवार में बहुत अहम है और उनका दायित्व है कि इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें और जरूरतमंद को इसका लाभ दिलाएं। इसके साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिरण के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया और ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह की जानकारी देते हुए इनके माध्यम से स्वयं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर अपने दौरे के तहत ग्रामीणों के आग्रह पर उपेक्षित पड़े खेरकी तालाब पहुंचे, जहां तालाब की बदहाल स्थिति व पानी के रिसाव का भी अवलोकन किया। उन्होंने मौके से ही सराड़ा विकास अधिकारी को फोन कर तालाब की स्थिति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि तालाब की स्थिति शीघ्र सुधारते हुए स्थानीय लोगों को राहत प्रदान करें। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित उपखण्ड व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

■ संयुक्त निदेशक व अन्य अधिकारियों को किसानों को शीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने सराड़ा पंचायत समिति सभागार में राजस्व विभाग के सभी कार्मिकों आरआई, पटवारी तथा कृषि विभाग के कार्मिकों के साथ फसल खराबे बैठक ली। उन्होंने क्षेत्र में फसल खराबे की वास्तविक रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए, जिससे पीड़ितों को समय पर सहायता मिल सके।

वाहन चोर गिरोह का खुलासा, करौली जिले के तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

आरोपितों की निशानदेही से पुलिस ने चोरी की दो बोलेरो जब्त की

प्रतापनगर थाना पुलिस ने बदमाशों को गिरफ्तार कर बोलेरो जब्त की।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुये करोली जिले के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों की निशानदेही से पुलिस ने चोरी की दो बोलेरो जब्त की है। थाना प्रभारी राजेन्द्र गोदारा ने बताया कि गत 25 फरवरी को लेबर कॉलोनी निवासी कश्मीर मोहम्मद ने घर के बाहर से बोलेरो चोरी की रिपोर्ट दी।

इस पर वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा करने के लिए गठित की गई टीम ने वारदात स्थल के आसपास के सीसीटीवी फूटेज के साथ ही उनके आधार पर जयपुर, सीकर रोड, दिल्ली रोड के होटल ढाबों, टोल टैक्स के सीसीटीवी कैमरे चैक किये तो चोरी की यह बोलेरो दौसा की और जाने का पता चला। इस बीच, 11 मार्च 2023 को एक और वाहन चोरी हो गया। इस संबंध में नया बापूनगर निवासी महेश सोलंकी ने मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने इन दोनों मामलों की जांच शुरु की। महेश सोलंकी की बोलेरो चोरी करने वाले दो बदमाश घर के बाहर लगे कैमरे में कैद मिले। यह बोलेरो रात 12.05 बजे चोरी हुई। विशेष टीम ने निजी वाहन से अजमेर रोड पर चोरों का पीछा किया तो रायला के आगे बदमाश, पुलिस टीम की कार को टक्कर मारकर बोलेरो को भगा कर ले गये। गुलाबपुरा पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद नाकाबंदी कर पुलिस ने बोलेरो को रुकवाकर दोनों बदमाशों को डिटेन कर लिया।

■ सीसीटीवी कैमरे चैक करने पर चोरी हुई बोलेरो दौसा की और जाने का पता चला था

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ये लोग वाहन चोरी करने के आदि है और वाहन चोरी के लिए भीलवाड़ा को चिन्हित कर वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। आरोपितों से पूछताछ के बाद पुलिस टीम टोडाभीम, करौली की ओर भेजी गई। यह टीम लेबर कॉलोनी से चोरी बोलेरो को भी डिटेन कर एक अन्य आरोपित को गिरफ्तार कर यहां ले आई। पुलिस ने बताया कि इन वाहन चोरी की वारदातों में गिरफ्तार आरोपितों में करोली जिले के नांगल निवासी राकेश (28) पुत्र पूरणमल मीणा, माचड़ी, टोडाभीम निवासी रामप्रसाद (32) पुत्र कालूराम मीणा और सादपुर निवासी केशू उर्फ केशराम (45) पुत्र बलुआराम मीणा शामिल हैं।

13 चोरियां करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर पुलिस ने थाना क्षेत्र में 13 चोरियां करने वाले दो बदमाशों को पकडा। जिन्होंने भीण्डर एवं आसपास क्षेत्र में 13 चोरियां करनी कबूल की है। जिसमें बाइक, बेट्री, साण्उड स्पीकर सहित विभिन्न चोरियां की है।

थानाधिकारी मुकेश चन्द्र ने बताया कि उदयपुर पुलिस अधीक्षक विकाश शर्मा के निर्देशन में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर एक टीम बनाई। टीम ने एक चोरी के प्रकरण में जांच करते हुए भीण्डर के गुलाबनगर निवासी प्रभुलाल पिता हरिराम माली व रंगास्वामी कॉलोनी डाबियों का खेड़ा निवासी सुरेश पिता लालदास रंगास्वामी को पकड़ा। जिन्होंने प्रारम्भिक पूछताछ में भीण्डर क्षेत्र में 13 चोरियां करना कबूल किया है। भीण्डर निवासी शम्भू लाल मौर्य ने 8 मार्च को रिपोर्ट देकर बताया कि अम्बेडकर मार्ग रेगर मौहल्ला स्थित साउण्ड-लाइट की दुकान है। सुबह के समय दुकान खोल कर कुछ समय बाद खाना खाने के लिए घर के अन्दर गया और करीब एक घंटे के बाद में वापस दुकान में आया तो देखा कि दुकान में रखे 2 जेबीएल के साउण्ड नहीं है।

■ बाइक, बेट्री, साण्उड स्पीकर सहित विभिन्न चोरियां की

इस पर थानाधिकारी मुकेश चंद्र के निर्देश पर पुलिस टीम बनाकर मामले की जांच की तो घटनास्थल के आस-पास सीसीटीवी कैमरे चैक किये व परम्परागत पुलिसींग के आधार पर संदिग्धों की पहचान प्रभुलाल माली व सुरेश रंगास्वामी के रूप में हुई। जिनका पुलिस टीम ने पता लगा कर हर दोनों को डिटेन किया पूछताछ कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपी में से अभियुक्त प्रभुलाल माली के विरूद्ध थाना प्रतापनगर, भूपालपुरा थाने में चोरी के 1-1 प्रकरण दर्ज है। भीण्डर थाने में धारा 379 में मामला दर्ज करके जांच जारी है। जिसमें भीण्डर पुलिस ने दोनों अभियुक्त को तीन दिन के रिमाण्ड पर लिया है।

ए.टी.एम. से नकदी निकाल हड़पी

उदयपुर, (निसं)। सवीना थाना पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ एटीएम से नकदी निकाल हडपने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित विजयसिंह पथिक नगर स्कीम निवासी शांतिलाल पुत्र रतनलाल साहू ने आरोपी युवती के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि आरोपी ने मेरा एटीएम चोरी कर 5 दिसंबर 2022 से 4 जनवरी 2023 तक मेरे एटीएम का उपयोग कर 10 हजार रूपये निकाल लिए। इसका पता चलने पर पड़ताल की तो इसका खुलासा हुआ।

नकबजनी व वाहन लूट गैंग का बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय नकबजन एवं वाहन लूट गैंग के बदमाश को गिरफ्तारकिया है। प्रकरण के अनुसार गत 28 जनवरी को पीड़ित प्रताप राय पुत्र गोविन्द राय निवासी न्यू शक्तिनगर ने हिरणमगरी पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरा खाने के तेल का व्यवसाय है तथा कृषि मण्डी बीज भण्डार 140 नंबर दुकान के सामने मेरा गोदाम है। 27 जनवरी को अज्ञात चोर गोदाम का ताला तोड़ सामान चुरा ले गए। दूसरे दिन दुकान खोलने पहुंचे मेरे पुत्र अजय ने दुकान पर दो ताले लगे होने तथा ताले तोड़ अंदर जाकर देख कर गोदाम में 227 तेल से भरे डिब्बे कम होने की जानकारी दी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में गठित दल ने साक्ष्यों के आधार पर सलीम खान उर्फ बबड पुत्र रज्जाक खान निवासी जैन मंदिर के पास किला श्योपुर एमपी को डिटेन किया। जिसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

बिजयनगर। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में शीतला सप्तमी के अवसर पर सोमवार को सब्जी मंडी में हर्षोल्लास के साथशहर के नागरिकों ने सामूहिक रूप से फाग महोत्सव मनाया। उदयपुर के प्रसिद्ध डीजे के द्वारा दी गई मधुर होली फाल्गुन के गीत राजस्थानी पारंपरिक गानों फिल्मी गीतों शाम भजनों की प्रस्तुतियों पर युवाओं ने जमकर धमाल मचाते हुए गुलाल एव फूलों से होली खेली। आयोजित कार्यक्रम में श्री श्याम मित्र मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल, भवानी सिखवाल, प्रभा चंद बड़जात्या, अभिषेक बड़जात्या, राजकुमार बिंदल, निलेश मेहता, पालिका उपाध्यक्ष प्रीतम बडौला पूर्व पालिका अध्यक्ष सचिन साखला, शीतला बाजार संघ के अध्यक्ष जितेंद्र पामेचा, संपत टेलर, अभिषेक डांगी, मातृशक्ति सरिता तायल, अंजू मेहता, वर्तिका चोरिया, प्रीति, प्रीति पाटोदी, राजश्री झवर, पूनम सारियां ज्योति जैन, किरण महावर सहित आदि मौजूद थे।

मोबाइल लूट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों बाइक पर शहर में निकलते और राह चलते लोगों को लूट का शिकार बनाते थे। वे उनसे मोबाइल छीनकर ले जाते थे। पुलिस ने इस संबंध में दो दिन पहले दर्ज मोबाइल लूट के एक मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर नौ मोबाइल बरामद किए गए हैं।

इस संबंध में हनुमानगढ़ जिले के गांव दो एमजैडडब्लूयू मिर्जावाली निवासी विकास कुमार पुत्र बालचंद ने दो दिन पहले मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में कहा था कि वह अभी श्रीगंगानगर की पुरानी आबादी में रह रहा है। दस मार्च को वह अपने घर पर था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर तीन युवक आए और उसका मोबाइल छीनकर ले गए। इस पर मामला दर्ज कर जांच एएसआई प्रमोद कुमार को दी गई। पुलिस ने मामले में जांच करते हुए ऐसे युवकों पर नजर रखी जो मोबाइल चोरी की वारदातों से जुड़े हों। मुखबिरों से जानकारियां जुटाई। जांच में तीन युवकों पर शक हुआ। इस पर पुरानी आबादी के कर्ण लावा (22) पुत्र अशोक कुमार, रोहित (20) पुत्र सूर्यप्रकाश और सुनील (24) पुत्र जसकरण को गिरफ्तार किया। आरोपियों से चोरी हुआ मोबाइल बरामद होने पर उनसे पूछताछ की तो उन्होंने और मोबाइल चुराना स्वीकार किया।

नोखा विधायक की गाड़ी से टक्कर में घायल नर्सिंगकर्मी की मौत

बीकानेर, (कासं)। नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई की गाड़ी से टकराने पर देर रात एक नर्सिंग कर्मी की मौत हो गई। बिश्नोई पूर्व राजामाता की अंतिम यात्रा में शामिल होने जूनागढ़ जा रहे थे तभी सुबह पीबीएम हॉस्पिटल के बाहर बाइक सवार हसन उनकी गाड़ी से टकरा गया। ट्रोमा सेंटर में कार्यरत हसन नाइट शिफ्ट खत्म करके घर जा रहा था। टक्कर इतनी तेज हुई की हसन की जांघ की हड्डी टूट हो गई।

बताया जा रहा है कि विधायक तत्काल अपनी गाड़ी में घायल को ट्रोमा सेंटर पहुंचाया। उसे पीबीएम हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती किया गया। बॉडी में फैक्चर के अलावा कई अंदरूनी चोटें थीं। इसके चलते दोपहर बाद हसन की तबीयत बिगड़ती गई। वेंटीलेटर पर लेना पड़ा। बाद में अस्पताल प्रशासन ने जयपुर रैफर कर दिया। रास्ते में रात 11 बजे हसन की हालत ज्याद बिगड़ने लगी तो चौमूं के पास ही एक प्राईवेट अस्पताल में ले जाया गया। यहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उधर हादसे के बाद विधायक ने अपनी गाड़ी सदर थाने में जमा करवा दी। पीबीएम हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. पी. के. सैनी ने बताया कि नर्सिंगकर्मी हसन के माता-पिता की भी एक साल पहले ही मौत हो गई थी। विधायक राजमाता सुशीला कुमारी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पीबीएम अस्पताल के आगे से जूनागढ़ की तरफ जा रहे थे। इसी वक्त हसन अस्पताल के मैन गेट से बाइक पर बाहर निकला और एमएलए की गाड़ी के आगे के हिस्से से टक्कर हो गई। हसन के घायल होने की सूचना मिलते ही अस्पताल के नर्सिंगकर्मी और सीनियर डॉक्टर्स पहुंच गए थे।

एक्सरे में तीन जगह फैक्चर का पता चल गया। तुरंत इलाज शुरू किया गया। बाद में एसपी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी और अस्पताल अधीक्षक डॉ. पी. के. सैनी आये। दोपहर बाद हसन को पीबीएम अस्पताल से जयपुर के लिए रैफर किया गया। एसपी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि हसन को अंदरूनी चोटें आई थीं। लंग्स में खून का थक्का बन गया था। इससे ब्लड सर्कुलेशन में दिक्कत शुरू हो गई। परिजनों के कहने पर उसे जयपुर के लिए रैफर किया गया। अस्पताल का स्टाफ भी साथ में भेजा गया। उधर नर्सिंग कर्मियों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि विधायक बिहारीलाल स्वयं एक बार भी अस्पताल नहीं आये। हालांकि उनके गनमैन व निजी सचिव इलाज के दौरान अस्पताल में मौजूद रहे। वहीं सोमवार सुबह नर्सिंग कर्मचारी ट्रोमा सेंटर पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने हसन के परिजनों को एक करोड़ रूपए का मुआवजा देने की मांग की। साथ ही विधायक से निजी तौर पर पचास लाख रूपए मुआवजे की मांग रखी गई है।

सदर थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि इस मामले में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। हसन के परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं लिखाई गई है। परिजन कल इलाज में व्यस्त रहे। विधायक की गाड़ी अब तक थाने में खड़ी है। रिपोर्ट मिलने पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

अवैध रूप से बोई गई अफीम की फसल पकड़ी

मौके से 868 किलोग्राम अफीम के हरे पौधे जब्त किये

देवगढ़, (निसं)। देवगढ पुलिस ने ग्राम पुसालो का खेडा ग्राम पंचायत काकरोद में अवैध रूप से अफीम की फसल पकड़ी है। वहीं मौके से जब्त अफीम के हरे पौधों का कुल वजन 868 किलोग्राम हुआ, जिसको जब्त किया गया।

देवगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाये जा रहे मादक पदार्थो एवं संगठित अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत राजसमंद जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी व अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा के निर्देशानुसार उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह वृत भीम के निर्देशन में देवगढ पुलिस को लगातार दुसरी बडी सफलता हाथ लगी हैं। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रतापसिंह उ.नि. को सूचना मिली कि ग्राम पुसालो का खेडा ग्राम पंचायत काकरोद में अवैध रूप से अफीम की फसल उगा रखी है। जिसमें डोडे आ चुके हैं।

इस पर तुरन्त कार्यवाही नहीं की गई तो फसल को कटवाया जाकर खुर्द बुर्द की जा सकती है। प्रतापसिंह उ.नि. सहित मय जाब्ता द्वारा सुचना के आधार पर ग्राम पुसालो का खेडा ग्राम पंचायत काकरोद खेत पर पहुंचे जहां पर अफीम की फसल को छिपाने के लिए चारों तरफ गेहूं की फसल बोई गई थी। जिससे कि अफीम खेती को छिपा सके। अफीम की खेती को छिपाने के लिए खेत के चारों तरफ पत्थर की 5 से 6 फिट उंची दीवार बनाई गई थी। पुलिस द्वारा राजस्व अधिकारियों से उक्त जमीन के संबंधी रिकार्ड देखे गए। जिसमें खेत मालिक पारस पुत्र छीतर गुर्जर निवासी पुसालो का खेडा थाना देवगढ जिला राजसमन्द पाया गया जो कि बिना लाईसेन्स/पट्टा के अवैध रूप से अफीम की खेती करता पाया गया।

अभियुक्त छीतर गुर्जर के उक्त कृत्य अपराध में एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत पाया जाने पर खेत मालिक पारस गुर्जर की तलाश आसपास के खेतों व कुओं पर की गई परन्तु खेत मालिक नहीं मिला। पुलिस द्वारा मौके पर से अफीम की फसल के पौधे एक जगह पर एकत्रित करवाने शुरू किये गए तथा अफीम की फसल का वजन किया गया। जिसमें अफीम के हरे पौधों का कुल वजन 868 किलोग्राम हुआ, जिसको जब्त किया गया।

न्यायाधिपति की कार दुर्घटनाग्रस्त

जोधपुर, (कासं)। राजधानी जयपुर से किसी सरकारी काम के सिलसिले में जोधपुर आ रहे एक न्यायाधिपति की कार सर्किट हाउस रोड पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। भाटी सर्किल की तरफ से आ रही एक बस ने बायीं तरफ से टक्कर मार दी। जिससे जज सीट पर उछले और कंधे में चोट लग गई। हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने बस को जब्त कर लिया। बस चालक को हिरासत में लिया गया है। कार चालक की तरफ से रातानाडा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

■ सरकारी काम से जयपुर से जोधपुर आ रहे थे न्यायाधिपति

थानाधिकारी सत्यप्रकाश के अनुसार जयपुर से जोधपुर आ रहे न्यायाधिपति अनंत भंडारी जोकि अपीलीय अधिकरण के सदस्य भी है, उनकी कार जब सर्किट हाउस रोड पर पहुंची तब भाटी सर्किल की तरफ से आ रही एक बस ने चपेट में ले लिया। कार को बायीं तरफ से टक्कर मार दी। जिससे जज अनंत भंडारी सीट पर उछले और दायीं तरफ के शीशे से टकरा गए। जिससे उनके कंधे पर चोट लगी है। सूचना पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और बस को जब्त कर थाने भिजवाया गया। बस चालक को हिरासत में लिया गया है। कार चालक जितेंद्र कुशवाह की तरफ से बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई। अग्रिम जांच की जा रही है।

राज्यपाल मिश्र ने 527 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की

कृषि विश्वविद्यालय का षष्ठम दीक्षांत समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के लिए हितकर योजनाओं को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने के साथ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के प्रसार केन्द्र के रूप में भी अपनी प्रभावी भूमिका निभाएं। उन्होंने दीक्षार्थियों को आव्हान किया कि कृषि से जुड़ी बहुआयामी शिक्षा का अधिकाधिक उपयोग मानवता के कल्याण के लिए करते हुए किसानों को फसल विविधिकरण एवं जैविक खेती की ओर प्रेरित करें। राज्यपाल सोमवार को यूआईटी ऑडिटोरियम में आयोजित कृषि विश्वविद्यालय के षष्ठम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित जनसमुह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में 527 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई, 20 विद्यार्थियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

उन्होंने कहा कि दीक्षान्त शिक्षा का नए रूप में आरम्भ है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान को जीवन व्यवहार में उपयोग में लेकर जमीन व पानी की कमी, जलवायु परिवर्तन एवं कृषि लागत में बढ़ोतरी जैसी कृषि चुनौतियों को दूर करने में काम लें। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान कर कृषि प्रबंधन में दक्ष एवं योग्य युवा तैयार करें। जिससे विद्यार्थी भविष्य में कृषि से जुड़े उद्यम

राज्यपाल कलराज मिश्र ने समारोह में विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की।

तैयार कर लोगों को रोजगार देने का कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि से जुड़े क्षेत्र में सतत अनुसंधान विकास कर रोजगारोन्मुखी दक्षता बढ़ाने के लिए भी कार्य करे जिससे युवाओं का कृषि की ओर रूझान बढ़ सकें। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि पोषण की समस्याओं से निजात पाने के लिए भारतीय पहल पर आज पूरी दुनिया मोटे अनाज की तरफ वापस लौट रही है। ये फसलें वर्तमान कृषि चुनौतियों जैसे कम उपजाऊ जमीन, कम पानी, पोषण सुरक्षा एवं जलवायु परिवर्तन को सहने में भी कारगर साबित हुई हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय इस ओर विशेष रूचि लेकर कार्य कर ऐसे प्रयास करें कि मोटे अनाज से जुड़े उत्पादन के प्रसंस्करण और विपणन के लिए भी नवीनतम दिशा देश को मिल सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए अधिकाधिक लोगों तह पहुंचाने का आव्हान किया।

राज्यपाल ने कृषि शिक्षा में छात्राओं की बढ़ती संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दीक्षान्त समारोह में 527 उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में से कुल 23 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये हैं, जिनमें से 13 स्वर्ण पदक छात्राओं ने प्राप्त किये हैं, यह बहुत सुखद पहलू है। छात्राओं को यदि अवसर मिलते हैं तो वे उन्नति के शिखर छू सकती हैं। उन्होंने कहा कि छात्राओं को आगे बढ़ने के अधिक से अधिक अवसर कैसे मिले, इस पर सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है।

राज्यपाल मिश्र ने विश्वविद्यालय द्वारा क्रियाशील अनुसंधान परियोजनाओं के अंतर्गत चना व उड़द फसलों की 2 नई उन्नत किस्मों का लोकार्पण किया। समारोह में उन्होंने विश्वविद्यालय की नवनिर्मित ट्राईकोडर्मा प्रयोगशाला का लोकार्पण एवं शिक्षा प्रसार के लिए दो पुस्तिकाओं का लोकार्पण किया। दीक्षांत समारोह के अतिथि भारतीय अनुसंधान कृषि परिषद नई दिल्ली के महानिदेशक एवं पूर्व कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर डॉ. एसएल मेहता ने कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का लाभ अंतिम छोर पर बैठे किसान तक पहुंचाने का आव्हान किया। उन्होंने मोटे अनाज की महत्ता एवं जैविक खेती की आवश्यकता के बारे में भी विचार रखे। कुलपति डॉ. अभय कुमार व्यास ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

एक व्यक्ति जिस पर सभी को नजर रखनी चाहिए वह रविंद्र जडेजा हैं, खासकर वह सीएसके के लिए कैसे बल्लेबाजी करते है। उसे बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा जा सकता है और वह चार ओवर भी फेंकेगा। **– हरभजन सिंह**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, आईपीएल में रविन्द्र जडेजा को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ मोहम्मद सिराज

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पिता के निधन पर अपनी भावनात्मक संघर्ष के बारे में कहा कि वह कोविड-19 महामारी के दौरान 'बायो-बबल' में रहने के दौरान आने कमरे में अक्सर रोते रहते थे। हैदराबाद के इस तेज गेंदबाज के पिता मोहम्मद गौस का नवंबर 2020 में संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया था। सिराज इस समय ऑस्ट्रेलिया में थे और वैश्विक महामारी के कारण लागू पृथकवास प्रतिबंधों के कारण वह उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके।

क्या आप जानते हैं ?... फ्रांस 1938 में खेले गये तीसरे विश्व कप फुटबॉल में पहली बार मेजबान देश और गत चैम्पियन को बिना क्वालीफाई करे प्रवेश देन की प्रथा शुरू हुई।

कुहनेमन और मर्फी ने बेजोड़ प्रदर्शन किया : स्मिथ

अहमदाबाद, 13 मार्च। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत दौरे में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले स्पिनर टॉड मर्फी और मैथ्यू कुहनेमन ने भारतीय उपमहाद्वीप के अपने पहले दौरे में शानदार प्रदर्शन किया। अनुभवी नाथन लियोन 22 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे लेकिन ऑफ स्पिनर मर्फी (चार टेस्ट में से 14 विकेट) और कुहनेमन (तीन टेस्ट में नौ विकेट) ने भी कई स्टार बल्लेबाजों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। स्मिथ ने श्रृंखला समाप्त होने के बाद कहा, ''सभी खिलाड़ियों ने पिछले कुछ सप्ताह में अच्छा प्रदर्शन किया। कुहनेमन और मर्फी ने भारत में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, यह कई बार काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है और जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया वह शानदार था।'' उन्होंने ट्रैविस हेड की भी सराहना की जो नियमित सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के कोहनी में फ्रैक्चर के कारण स्वदेश लौटने के कारण पारी का आगाज करने के लिए उतरे। स्मिथ ने कहा,''इतने कम समय में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाना हेड के लिए वास्तव में सकारात्मक रहा। इसके अलावा ग्रीनी (कैमरन ग्रीन) ने जिस तरह से वापसी की, वह भी शानदार रहा।'' स्मिथ ने इसके साथ ही कहा कि श्रृंखला बेहतर माहौल में खेली गई। उन्होंने कहा, ''मैच वास्तव में अच्छी भावना में खेले गए। हम सहजता से खेल रहे थे। हम क्रिकेट को बात करने दे रहे थे। हम बस एक अच्छी श्रृंखला का हिस्सा बनना चाह रहे थे। प्रत्येक मैदान पर खेल का आनंद ले रहा था। पहले तीन मैच जल्दी समाप्त हो गए, लेकिन यह एक शानदार श्रृंखला थी और बहुत मज़ा आया।''

कीनिया ओपन में 65वें स्थान पर रहे मनु गंडास

रोबी, 13 मार्च। भारत के मनु गंडास मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ प्रतियोगिता के अंतिम दौर में एक ओवर 73 का ही स्कोर बना पाए और इस तरह से संयुक्त 65वें स्थान पर रहे। गंडास ने चौथे और अंतिम दौर में तीन बर्डी बनाई, लेकिन इस बीच उन्होंने चार बोगी भी की। उनका कुल स्कोर एक अंडर 283 रहा। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा कट में जगह नहीं बना पाए थे। स्पेन के जॉर्ज कैंपिलो ने दो स्ट्रोक की बढ़त से अपना तीसरा डीपी विश्व टूर खिताब जीता।

चिक्कारंगप्पा छठे स्थान पर रहे, ऑर्म्सबी ने जीता खिताब

हुआ हिन, 13 मार्च। तीसरे दौर के बाद चार खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल करने वाले भारतीय गोल्फर एस चिक्कारंगप्पा अंतिम दौर में डबल बोगी से शुरुआत करने के बाद उससे उबर नहीं पाए और अंतरराष्ट्रीय सीरीज थाईलैंड में संयुक्त छठे स्थान पर रहे। चिक्कारंगप्पा ने अंतिम दौर में दो अंडर 70 का स्कोर किया और कुल 17 अंडर के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे। ऑस्ट्रेलिया के वेड ऑर्म्सबी ने सडन डेथ प्लेऑफ के पहले होल में ही चोनलटिट चुएनबूनगम को हराकर खिताब जीता। भारत के अन्य खिलाड़ियों में करणदीप कोचर (70) संयुक्त 22वें, हनी बैसोया (69) संयुक्त 34वें, वीर अहलावत (69) और गगनजीत भुल्लर (69) संयुक्त 48वें तथा ज्योति रंधावा (73) संयुक्त 72वें स्थान पर रहे।

मैंने एशिया कप और विश्व कप पर अपने विकल्प खुले रखे हैं : पीसीबी अध्यक्ष

लाहौर, 13 मार्च। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नजम सेठी ने इस साल पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप और भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को लेकर 'जल्दी स्थिति स्पष्ट' करने की बात करते हुए कहा कि वह सभी विकल्पों पर विचार कर रहे है। सेठी ने कहा कि वह एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगली बैठक में इन मुद्दों को उठाएंगे। उन्होंने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमारे सामने जटिल मुद्दे हैं लेकिन जब मैं एसीसी और आईसीसी की बैठकों में जाऊंगा तो मुझे सभी विकल्प खुले रहने होंगे। हमें हालांकि अब स्थिति स्पष्ट कर लेनी चाहिये।'' उन्होंने कहा कि एशिया कप के लिए अपनी टीम को पाकिस्तान नहीं भेजने के भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। पीसीबी हालांकि इस बात पर अडिग है कि अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए उनके देश का दौरा नहीं करेगी तोपाकिस्तान को भी भारत में विश्व कप नहीं खेलने के बारे में सोचना होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने अपने विकल्प खुले रखे हैं क्योंकि जब सभी टीमें पाकिस्तान आ रही हैं और सुरक्षा को लेकर कोई समस्या नहीं है तो भारत सुरक्षा को लेकर चिंतित क्यों है। मैं आगामी बैठकों में इस बात को बताऊंगा कि अगर भारत को समस्या है तो हमारी टीम को भी भारत में विश्व कप के दौरान सुरक्षा की चिंता है।'' आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और कार्यकारी बोर्ड की बैठक इस महीने हो रही हैं। इस बैठक में सेठी और पीसीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा, ''जाहिर है हम इस रुख (भारत) का समर्थन नहीं करते हैं क्योंकि हम एशिया कप आयोजित करना चाहते हैं और याद रखें कि यह सिर्फ एशिया कप और विश्व कप के बारे में नहीं है, यह पाकिस्तान में 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के बारे में भी है।'' सेठी ने कहा कि वह इस बैठक में जाने से पहले इस मुद्दे पर सरकार की राय भी जानना चाहेंगे।

भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती, चौथा टेस्ट ड्रॉ

अहमदाबाद, 13 मार्च। ट्राविस हेड (90) और मार्नस लाबुशेन (63 नाबाद) के जुझारू अद्धर्शतकों के कारण चौथा टेस्ट सोमवार को ड्रॉ होने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज 2-1 से जीत ली। ऑस्ट्रेलिया पांचवें दिन की शुरुआत में 88 रन से पिछड़ा हुआ था। मैथ्यू कुह्नेमन (06) का विकेट जल्दी गिरने के बाद हेड और लाबुशेन ने दूसरे विकेट के लिये करीब 49 ओवर में 129 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज हेड ने 163 गेंद पर 10 चौकों और दो छक्कों के साथ 90 रन बनाये, जबकि लाबुशेन ने अपने धैर्य का परिचय देते हुए 213 गेंद में मात्र सात चौके लगाकर 63 रन की नाबाद पारी खेली।

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 78 ओवर गुज़रने के बाद भी सिर्फ दो विकेट गिरने पर कप्तान रोहित शर्मा और स्टीव स्मिथ हाथ मिलाकर मैच को ड्रॉ करने पर सहमत हुए। भारत ने इस सीरीज जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भी जगह बना ली है। इंग्लैंड के ओवल मैदान पर जून में होने वाले फाइनल में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से ही होगा। ऑस्ट्रेलिया ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम की बेजान पिच पर दिन की शुरुआत कुह्नेमन का विकेट गंवाकर की, हालांकि इसके बाद हेड और लाबुशेन पिच पर जम गये। भारत को दिन की पहली सफलता दिलाते हुए रविचंद्रन अश्विन ने कुह्नेमन को छह रन पर पगबाधा किया।

अश्विन ने इसके बाद भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान किया लेकिन दूसरे छोर से साथ न मिलने के कारण वह कंगारुओं पर दबाव नहीं बना सके। पहला सत्र समाप्त होने से पहले हेड अश्विन की गेंद पर पगबाधा होने से बच गये क्योंकि अंपायर का फैसला उनके हित में गया। हेड ने इस जीवनदान का पूरा लाभ उठाते हुए लाबुशेन के साथ लंच के बाद शतकीय साझेदारी कर डाली।

हेड भारतीय सरजमीन पर अपने पहले टेस्ट शतक की ओर बढ़ रहे थे, जब अक्षर पटेल ने उन्हें 90 रन के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में अक्षर पटेल का 50वां विकेट था। वह सबसे कम गेंदों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं।

हेड का विकेट गिरने के बाद भारत को स्टीव स्मिथ के विश्व-स्तरीय डिफेंस का सामना करना पड़ा। दूसरा सत्र समाप्त होने से पहले अश्विन की गेंद स्मिथ के बल्ले को छूती हुई निकली लेकिन विकेटकीपर श्रीकर भरत उसे लपकने में नाकाम रहे। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दूसरे सत्र के समापन तक क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को दो विकेट से मात दे दी थी, जिसके कारण रोहित की टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच गयी। स्मिथ (59 गेंद, 10 रन) और लाबुशेन ने आपस में 19 ओवर तक बल्लेबाजी की, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाकर मैच को समाप्त किया।

विराट कोहली को उनकी 186 रन की शानदार पारी के लिये प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अश्विन (25 विकेट, 86 रन) और रवींद्र जडेजा (22 विकेट, 135 रन) अपने चौतरफा प्रदर्शन के कारण प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के संयुक्त विजेता रहे। इस ड्रॉ के साथ भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह भारत की ऑस्ट्रेलिया पर लगातार चौथी टेस्ट सीरीज जीत है। कुल मिलाकर, भारत ने 16 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखलाओं में से 10 जीती हैं। यह अपने घर में भारत की लगातार 16वीं टेस्ट सीरीज जीत भी है।

भारत ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह बनायी

अहमदाबाद, 13 मार्च। भारतीय टीम ने एक बार फिर नया इतिहास रचते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। यह लगातार दूसरा मौका है जब टीम इंडिया ने यह मुकाम हासिल किया है। क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया है, जिसके बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गया है। इसके साथ ही भारत ने 07 जून, 2023 से द ओवल में शुरू होने जा रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भारत ने खराब शुरुआत की। जिससे उसकी डब्ल्यूटीसी में न पहुंचने की संभावना 57 प्रतिशत तक पहुंच गया, लेकिन अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में खराब ओवर गति के लिए कोई पेनल्टी अंक नहीं है। डब्ल्यूटीसी की प्वाइंट्स टेबल पर एक नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया के 148 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 68.52 है। अंक तालिका के हिसाब से भारत इस वक्त दूसरे नंबर पर चल रहा है। भारत के पास 123 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 60.29 है। तीसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम है, जिसके पास 64 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 48.48 का है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरुआती तीन मैचों में भारत की 2-1 से बढ़त रोहित शर्मा की टीम के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त साबित हुआ।

ऐसी जगह नहीं हूं कि क्रीज पर उतरकर किसी को गलत सबित करूं : विराट कोहली

मैं अब उस जगह पर नहीं हूं जहां मैं मैदान पर उतरूं और किसी को गलत साबित करूं। मुझे इसे भी सही ठहराने की जरूरत है कि मैं मैदान पर क्यों हूं

अहमदाबाद, 13 मार्च। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां 186 रन की धैर्यपूर्ण पारी के साथ टेस्ट क्रिकेट में शतक के सूखे को खत्म करने वाले भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को कहा कि वह उस जगह पर नहीं है कि मैदान पर जाकर किसी को गलत साबित करें।

कोहली को अपने 28वें टेस्ट शतक के लिए तीन साल से अधिक समय का इंतजार करना पड़ा। यहां चौथे और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में उनके शतक की मदद से भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 480 रन के जवाब में 571 रन का स्कोर खड़ा किया।

मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद कोहली ने कहा, ''एक खिलाड़ी के रूप में मेरी स्वयं से जो अपेक्षाएं हैं वे मेरे लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 75 शतक जड़ चुके कोहली ने कहा, ''मैं अब उस जगह पर नहीं हूं जहां मैं मैदान पर उतरूं और किसी को गलत साबित करूं। मुझे इसे भी सही ठहराने की जरूरत है कि मैं मैदान पर क्यों हूं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में मैं पिछले कुछ समय में उस लय के साथ नहीं खेल पा रहा था जिसके साथ मैं पिछले 10 वर्षों से खेल रहा हूं। इसलिए मैं यही एक चीज करने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा जैसे कि मैं नागपुर में पहली पारी से काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं।''

कोहली ने स्वीकार किया कि वह टेस्ट प्रारूप में स्वयं को दोहरा नहीं पा रहे थे इसलिए उन्हें अधिक मेहनत करनी पड़ी। कोहली ने 186 की अपनी पारी में 364 गेंद का सामना किया और बाउंड्री से केवल 60 रन बनाए।

यह एक सोची समझी रणनीति थी क्योंकि श्रेयस अय्यर के पीठ की चोट के कारण बाहर होने के बाद भारत के पास एक बल्लेबाज कम था। कोहली ने कहा, ''हमने श्रेयस को चोट के कारण खो दिया और एक बल्लेबाज कम था इसलिए हमने अधिक समय लेने का फैसला किया। हमारी नजरें लंबे समय तक बल्लेबाजी करने पर टिकी थी।''

उन्होंने कहा, ''हम टीम के लिए जितना संभव हो उतने लंबे समय तक बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करते हैं। मैंने कुछ समय के लिए ऐसा किया लेकिन उस क्षमता के साथ नहीं जैसे मैं अतीत में करता रहा हूं।''

कोहली ने कहा, ''उस नजरिए से मैं निराश था लेकिन विश्वास था कि मैं अच्छा खेल रहा हूं और अगर मुझे एक अच्छे विकेट पर मौका मिला तो मैं एक बड़ा स्कोर बना सकता हूं।'' रूक आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी बने, गार्डनर सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी

डब्ल्यूटीसी फाइनल : तेज गेंदबाजों को आईपीएल के दौरान ट्रेनिंग के लिए ड्यूक गेंदें दी जाएंगी

अहमदाबाद, 13 मार्च। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सोमवार को कहा कि जिन भारतीय खिलाड़ियों की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमें इस टी20 लीग के प्ले ऑफ में जगह नहीं बना पाएंगी वे खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले लंदन में दो हफ्ते के अनुकूलन शिविर में हिस्सा ले सकते हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल आईपीएल के ठीक बाद जून में खेला जाएगा। आईपीएल फाइनल 29 मई को है जबकि डब्ल्यूटीसी फाइनल सात जून से ओवल में शुरू होगा। कोविड-19 के प्रकोप के बाद पहली बार आईपीएल घरेलू और विरोधी के मैदान के अपने मूल प्रारूप में खेला जाएगा, इस दौरान खिलाड़ियों को काफी यात्रा करनी होगी। भारत के मौजूदा नियमित टेस्ट खिलाड़ियों में केवल चेतेश्वर पुजारा ही आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं। रोहित ने भारत के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। हम उन सभी खिलाड़ियों के साथ लगातार संपर्क में रहेंगे जो उस फाइनल में खेलने जा रहे हैं और उनके कार्यभार की निगरानी करेंगे तथा देखेंगे कि उनके साथ क्या हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''21 मई के आसपास छह टीमें होंगी जो संभवतः आईपीएल प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएंगी और इसलिए जो भी खिलाड़ी उपलब्ध होंगे हम कोशिश करेंगे कि वे जल्द से जल्द ब्रिटेन पहुंच जाएं।''

पेरी का अर्द्धशतक बेकार, बैंगलोर की लगातार 5वीं हार

मुंबई, 13 मार्च। एलिसे पेरी (67 नाबाद) के अद्धर्शतक और ऋचा घोष (37) के साथ उनकी विस्फोटक साझेदारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स ने विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को छह विकेट से मात दी। पहली जीत की तलाश कर रहे बैंगलोर ने कैपिटल्स के सामने 151 रन का लक्ष्य रखा। कैपिटल्स ने यह लक्ष्य 19.4 ओवर में हासिल करके बैंगलोर को उसकी पांचवी हार सौंपी। पेरी ने बैंगलोर की पारी को शुरू से अंत तक संबल देते हुए 52 गेंद पर चार चौकों और पांच छक्कों के साथ 67 रन बनाये।

विलियम्सन ने न्यूजीलैंड को दिलाई यादगार जीत

क्राइस्टचर्च, 13 मार्च। अनुभवी बल्लेबाज केन विलियम्सन (121 नाबाद) के शानदार शतक और डैरिल मिचेल (81) के मैच-जिताऊ अद्धर्शतक की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने रोमांचक पहले टेस्ट में रविवार को श्रीलंका के ऊपर दो विकेट की जीत दर्ज की। टेस्ट क्रिकेट की वैधता साबित करने वाले इस मुकाबले में श्रीलंका ने न्यूज़ीलैंड के सामने 285 रन का लक्ष्य रखा।

मेज़बान टीम ने यह लक्ष्य मैच की आखिरी गेंद पर हासिल किया। न्यूज़ीलैंड ने दिन की शुरुआत 28/1 के स्कोर से की लेकिन बारिश के कारण करीब आधे दिन का खेल बर्बाद हो गया। बारिश रुकने के बाद न्यूज़ीलैंड को 52 ओवर में जीत के लिये 257 रन चाहिये थे, जबकि श्रीलंका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं जीवित रखने के लिये इतने ही ओवर में नौ विकेट चटकाने थे। प्रभात जयसूर्या ने यह संभावनाएं मजबूत करते हुए सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम (25) और हेनरी निकोल्स (20) को छोटे स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। विलियम्सन ने हालांकि अपने डिफेंस से एक छोर संभाले रखा और निकोल्स का विकेट गिरने के बाद उन्हें मिचेल का साथ मिल गया। मिचेल ने क्रीज पर आते ही जयसूर्या की गेंद पर छक्का जड़कर अपने इरादे साफ कर दिये। पहली पारी में शतक जड़ने वाले मिचेल ने अपनी तेजरफ्तार पारी में 86 गेंद पर तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 81 रन बनाये। उन्होंने विलियम्सन के साथ चौथे विकेट के लिये 142 रन की साझेदारी की और असिता फर्नांडो की गेंद पर आउट होने से पहले टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 10/2023

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि डा. श्री सम्पत सिंह शेखावत निवासी अमरसरवाटी-तोरावाटी, भौमिया संघ, राजपूत छात्रावास, स्टेशन रोड जयपुर प्रन्यासी, अमरसरवाटी तोरावाटी भोमिया संघ शैक्षणिक एवं सामाजिक न्यास, राजपूत छात्रावास स्टेशन रोड, जयपुर पंजीयन क्रमांक 17 जयपुर 1998 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत न्यास की बैठक दिनांक 15.01.2023 में लिये गये निर्णय के अनुसार प्रन्यास में श्री नरपत सिंह शेखावत, श्री राजवीर सिंह शेखावत, श्री विक्रम सिंह तंवर, श्री जयराम सिंह तंवर व श्री कमल सिंह शेखावत के नाम बतौर नवीन प्रन्यासी रिकार्ड में दर्ज अभिलेख कराने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है। अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21.02.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28.03.2023

मोहर अदालत

रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 32/2023

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्रीमति सरिता वर्मा पत्नी श्री बाबूलाल निवासी एफ 230 नेहरू नगर, सीतारामपुरा कच्ची बस्ती जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत न्याय फाउण्डेशन, सी-37 प्रेम कॉलोनी, आर.पी.ए. रोड, नेहरू नगर जयपुर 302016 प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले व्यक्तियों के समस्त व्यक्तियों नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 15.02.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24.04.2023

मोहर अदालत

रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

एशियाई खेलों के साथ मुक्केबाजी को अलविदा कहना चाहती है मैरी कॉम

नयी दिल्ली, 13 मार्च। छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एमसी मेरीकोम के पास पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए अधिक समय नहीं हैं क्योंकि उनकी नजरें एशियाई खेलों के साथ मुक्केबाजी को अलविदा कहने पर टिकी हैं। मेरीकोम को अगले साल संन्यास लेने के लिए 'बाध्य' होना पड़ेगा। पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के चयन ट्रायल के दौरान अपने बाएं घुटने के मुड़ने के कारण इस अनुभवी मुक्केबाज का एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूट गया था और अगस्त में उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

मेरीकोम ने महिला विश्व चैम्पियनशिप से पहले भारतीय टीम की जर्सी के अनावरण के मौके पर कहा, ''राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल के दौरान जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। मुझे बड़ी चोट लगी और मुझे सर्जरी करवानी पड़ी।'' उन्होंने कहा, ''मैं जल्द वापसी की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मेरे पास केवल इस साल का समय है, अगले साल मैं संन्यास लेने के लिए मजबूर हो जाऊंगी। इसलिए इस साल मैं संन्यास से पहले किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती हूं।''

नियमों के मुताबिक मुक्केबाज के लिए भागीदारी की अधिकतम उम्र 40 साल है और मणिपुर की यह मुक्केबाज नवंबर में

41 साल की हो जाएगी। मेरीकोम ने कहा, ''मैं संन्यास नहीं लेना चाहती। मैं अगले पांच वर्षों तक प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं लेकिन 40 की उम्र से ऊपर हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, यही नियम है।''

उन्होंने कहा, ''मेरा मुख्य लक्ष्य एशियाई खेल हैं, उम्मीद है कि मैं तब तक ठीक हो जाऊंगी। मेरे पास तैयारी के लिए भी समय होगा। संन्यास से पहले इस साल एक बार प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना है।'' पिछले साल स्थगित किए गए एशियाई खेल इस साल 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने हैं। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चयन के लिए लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मेरीकोम को नई चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा जिसके लिए मुक्केबाज को राष्ट्रीय शिविर में एक मूल्यांकन परीक्षा से गुजरना होगा। बहुत जल्द मैं दौड़ने और ट्रेनिंग करने में सक्षम हो जाऊंगी। मैं अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही हूं। अगर मैं प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो जाती हूं तो मैं चयन के लिए मुक्केबाजों को हराने की कोशिश करूंगी।'' मेरीकोम ने कहा, ''लेकिन अगर मैं एशियाई खेलों के लिए फिट नहीं होती हूं तो मैं एक बार किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती हूं।''

महिला मुक्केबाजों के लिये बढ़ रहे अवसर : मैरी कॉम

नयी दिल्ली, 13 मार्च। दिग्गज भारतीय मुक्केबाज और छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरी कॉम ने महिला विश्व चैंपियनशिप की ब्रांड अंबेसडर बनने पर सोमवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हुए तीव्र बदलावों के कारण महिला मुक्केबाजों को ज्यादा अवसर मिल रहे हैं। मैरी कॉम ने यहां पत्रकारों से कहा, पिछले कुछ सालों में (महिला मुक्केबाजी का परिदृश्य) काफी हद तक बदला है। पुरुष मुक्केबाजी की तुलना में महिलाओं के आयोजन ज्यादा नहीं होते थे। पहले (राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में) कुछ राज्यों की महिलाएं ही हिस्सा लेती थीं। अब हम देखते हैं कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं या विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में.... भारत में जितनी भी प्रतियोगिताएं होती हैं उनमें सभी राज्य अपनी महिलाओं को भेज रहे हैं। सिर्फ सीनियर महिलाओं के लिये ही नहीं बल्कि यूथ, जूनियर और सब-जूनियर स्तर पर भी लड़कियों को ज्यादा से ज्यादा खेलने का मौका मिल रहा है। साथ ही अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव हासिल होता है। मैरी कॉम ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा उन्हें महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप का ब्रांड अंबेसडर बनाये जाने के बाद यह बात कही।

कोसोवो की मुक्केबाज का वीजा कारणों से विश्व चैम्पियनशिप से बाहर रहना तय

नयी दिल्ली, 13 मार्च। भारत में होने वाली महिला मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने के लिये भारतीय वीजा हासिल करने की सारी उम्मीदें खो चुकी कोसोवो की मुक्केबाज डोनजेता सादिकु ने अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार भारत को देने के फैसले पर सवाल उठाया है। सादिकु की आईबीए की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि भारत सरकार ने अभी तक उन्हें वीजा नहीं दिया है। भारत दक्षिण पूर्वी यूरोप के विवादित क्षेत्र कोसोवो को मान्यता नहीं देता है। कोसोवो का खेल मंत्रालय भारत सरकार से संपर्क करने की कोशिश कर रहा है लेकिन लगता है कि उन्हें फिर से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ेगा।

कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)
No.:F-2(01)Acct/Contract/2022/369-371 Date: 13-03-2023

''ई-निविदा संशोधन सूचना''

न्यास द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या: 88/2022-23 के निविदा कार्य संख्या- 08 (फतहसागर झील की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु संवेदक के मार्फत श्रमिक लगाने का कार्य।) की तिथियों में अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार संशोधन किया गया है, ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड एंव EMD, Tender Fee & Processing Fee Online दिनांक: 17-03-2023 को सांय: 6.00 बजे तक जमा की जा सकेगें एंव दिनांक: 20-03-2023 को प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी।
अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

अधिशाषी अभियन्ता-चतुर्थ,
नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

संक्षिप्त

ओमप्रकाश बोहरा अध्यक्ष बने

ओमप्रकाश बोहरा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कंचनपुर में सर्व विप्र समाज की एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसहमति से ओमप्रकाश बोहरा को अध्यक्ष चुना गया। बोहरा ने 19 मार्च को जयपुर में आयोजित होने वाली ब्राह्मण महापंचायत में अधिकाधिक भागीदारी की अपील की। इस अवसर पर बनवारी लाल मटोलिया, बनवारी लाल मिश्रा, मुनीमजी, रामेश्वर लाल मैयाका, रामावतार बोहरा, रमेश कुमार नागवान, गोकुल प्रसाद चोटिया, प्रभु दास महंत, महावीर प्रसाद, हरसुखा राम, किशोर मिश्रा, दुर्गा दत्त मिश्रा, निर्मल कुमार मिश्रा को विप्र समाज के संरक्षक मंडल में शामिल किया गया। कार्यकारिणी में महेश कुमार नागवान को उपाध्यक्ष, महासचिव रामजीलाल चोटिया, सचिव अमरचंद नागवान, महामंत्री कमल कांत मिश्रा, मंत्री प्रह्लाद नागवान, संगठन मंत्री रोशनलाल नागवान, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, कार्यकारी सदस्य वीरेंद्र मिश्रा, मनीष बोहरा, आशीष चोटिया, पीडी नागवान, महावीर मिश्रा, विनय बोहरा, मनोज खांडल, हरफूल मैयाका को बनाया गया और विप्र समाज के प्रति कार्य करते रहने के लिए कहा गया।

बस की टक्कर से महिला की मौत

राजगढ, (निसं)। थाना क्षेत्र के माचाडी चौराहे पर सोमवार को बस की टक्कर से महिला की मौत हो गई। हादसे की सूचना से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार झूथाहेडा कला थाना बेजुपाडा जिला दौसा निवासी हरिमोहन मीना ने दर्ज कराया कि उसकी माता जगनी 65 वर्ष पत्नी जंगली राम मीणा पथ परिवहन निगम की बस से माचाडी चौराहे पर उतर आते समय बस चालक ने लापरवाही से उसकी मां को टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला की मौके पर मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस की मदद से मृतका के शव को राजगढ पीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। मृतका के शव का राजगढ चिकित्सालय की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने लाश परिजनों को सौंप दी।

बजरी से भरे तीन ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने गांव सिसोला से बजरी से भरे हुए तीन अवैध ट्रेक्टर-ट्रॉली को जप्त किया है। बरोनी थाना अधिकारी ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान गांव सीसोला से तीन ट्रेक्टर ट्रॉली अवैध बजरी भरकर आ रहे थे। पुलिस ने ट्रैक्टरों को रुकवाया और जांच की तो उसमें अवैध बजरी भरी हुई थी। इसके बाद पुलिस ने ट्रेक्टर ट्रॉलियों को अवैध बजरी के साथ जप्त कर लिया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय तहसीलदार, सांगानेर, जिला जयपुर
www.jaipur.nic.in
क्रमांक/रीडर/23/137 दिनांक-10.03.2023
आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विपिन कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री कृपाशंकर शर्मा निवासी 417 बी. टोंक रोड ने इस न्यायालय के समक्ष एक प्रार्थना पत्र आराजी खसरा संख्या 3875 हिस्सा 119/180 ख.नं. 3876 हिस्सा 79/180, ख.नं. 3877 हिस्सा 7/9, ख.नं. 3873/5059 हिस्सा 79/180 का हिस्सेनुसार वसीयत के आधार पर नामांतकरण अपने नाम खुलवाने बाबत प्रस्तुत किया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है, उक्त खसरा नंबरान के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय की विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नामांतकरण की कार्यवाही नियमानुसार कर दी जावेगी।
तहसीलदार, तहसील सांगानेर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री संतोष कुमार जांगिड पुत्र श्री बंसीधर जांगिड की एक दुकान 1551-जी 1 व 2 पूर्व देखती आम रास्ता जाट के कुआ का रास्ता, जयपुर में स्थित है जिसका तन्हा मालिक काबिज मेरा अभिभाष्य है। मेरा अभिभाष्य अपनी कब्जे शुदा दुकान जी-1 व जी-2 को श्री ललित सोनी पुत्र स्व. श्री जगदीश नारायण सोनी निवासी जयपुर को बेचने का इकरार किया है। यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो आज से सात दिवस की अवधि में संपर्क करें बाद गुजरने मियाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
(अनिल कुमार पारीक) एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर
मो.9414456233

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

शोक सन्देश
अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी
श्री भंवरलाल जी पाटोदिया
का स्वर्गवास दिनांक 10/03/2023 शुक्रवार को हो गया है। जिनकी शोक सभा हमारे निवास स्थान- दहमीकलां अजमेर रोड, जयपुर पर दोपहर 12 से 4 बजे तक होगी।
शोकाकुल- रामकरण, प्रभुनारायण (पुत्र), छीतर, चन्दा, पांचू, कान्हा, मांगीलाल (भ्राता) एवं समस्त शोकाकुल-पाटोदिया परिवार ग्राम पोस्ट दहमीकला बगरू

हाईवे पर लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, छह आरोपी गिरफ्तार

मुल्जिमान हाईवे पर राहगीरों से लोहे की रॉड व पाइपों से मारपीट कर वाहन व मोबाइल लूटने जैसी वारदातों को अंजाम देते थे।

- लूट, डकैती और चोरी की वारदातों का खुलासा

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। पुलिस थाना चौमू के द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए हाईवे पर कार, मोटरसाइकिल, मोबाइल, पर्स लूट जैसी गंभीर वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग का मात्र 24 घंटे में पर्दाफाश किया है। वहीं डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले छह मुल्जिमान को चौमू थाना पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

मुल्जिमान हाईवे पर राहगीरों से लोहे की रॉड व पाइपों से मारपीट कर वाहन व मोबाइल लूटने जैसी वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के द्वारा मुल्जिमान द्वारा राहगीर से लूटे गये कुल 6 मोबाइल फोन नगदी व एक जिक्सर मोटरसाइकिल भी बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम वन्दिता राणा ने बताया बताया कि 12 मार्च को करीब 12:55 पर पुलिस नियंत्रण कक्ष आयुक्तालय जयपुर से थाना चौमू पर सूचना प्राप्त हुई कि उदयपुरिया मोड पर एक काले रंग की केआई गाडी जिसमें सवार 4, 5 अपराधियों द्वारा बाइक सवार दो व्यक्तियों के साथ रॉड से मारपीट कर उनके मोबाइल फोन, फर्श व नकदी रुपए छीन कर लूट की वारदात की गई है तथा केआई गाडी जयपुर की तरफ गई है। बाद में उक्त घटना के संबंध में पीडित पवन कुमार पुत्र हरि राम कुमावत निवासी गोदारो की ढाणी सिगंनोर थाना गुढा गोढजी झुंझुनूं हाल न्यू करणी कॉलोनी हरमाडा थाना जिला जयपुर ने मय अपने दोस्त अजय कुमार वर्मा पुत्र बलदेव जाति रैगर निवासी जय अंबे कॉलोनी हरमाडा जयपुर के द्वारा थाना चौमू पर उपस्थित होकर एक लिखित रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि मैं व मेरा दोस्त मेरी मोटरसाइकिल पर खाटू श्याम जी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। करीब 12:30 बजे उदयपुरिया मोड के पास टॉयलेट करने के लिए बाइक रोकी तो पीछे से एक काले रंग की बिना नंबर की केआई गाडी आकर रुकी जिसमें से तीन चार लडके उतरे जिनके हाथ में रॉड व सरिया था जिन्होंने मारपीट करते हुए हमें धमका कर हमारे दोनों मोबाइल फोन व मेरा फर्श छीन लिया। जिसमें 2500 से 3000 के लगभग रुपए थे जो छीन कर जयपुर भाग गए। मामल दर्ज कर माल मुल्जिमान की तलाश प्रारंभ की गई।

चौमू थानाधिकारी विक्रांत शर्मा ने अपने नेतृत्व में लूट की वारदात का शीघ्र पर्दाफाश करने हेतु रामपाल उप निरीक्षक, नरेंद्र सिंह एसआई, हेड कांस्टेबल राकेश ओमप्रकाश, कांस्टेबल कैलाश अनूप कुमार, अमित कुमार, नरेंद्र कुमार, रमेश कुमार, प्रमोद, रामचंद्र की एक विशेष टीम गठित कर अनुसंधान एवं तलाश प्रारंभ की गई। घटना के बाद आयुक्तालय क्षेत्र जयपुर में नाकाबंदी करवाई गई तथा काले रंग की बिना नंबर की केआई गाडी में सवार अपराधियों की धरपकड हेतु नियंत्रण कक्ष द्वारा सभी थानाधिकारियों व चेतक सिगमा को बताया गया। तलाश दौरान चौमू थानाधिकारी द्वारा मय टीम के साथ एनएच 52 पर स्थित होटलों, ढाबों पर तलाश की जा रही थी तभी हरमाडा थाना क्षेत्र में स्थित चिरमी ढाबा पर एक संदिग्ध बिना नंबर काले रंग की केआई गाडी खडी दिखाई दी। जिसमें तीन चार लडके भी बैठे दिखाई दिए जिन को चेक करना चाहा तो पुलिस की गाडी देखकर केआई गाडी को लेकर तेज गति से जयपुर की तरफ भाग गए जिनका पीछा किया गया तथा शहर में शक्ति से नाकाबंदी करवाई। करीब एक डेढ घंटा पीछा करने के बात मुरलीपुरा थाना क्षेत्र की गलियों में बदमाश द्वारा गाडी को रोक फरार हो जाने पर गाडी को चेक किया गया। जिसपर पता चला कि उक्त केआई की गाडी 11 मार्च 2023 की रात्रि को करीब 11:30 बजे बदमाशों द्वारा जिला सीकर के श्रीमाधोपुर थाना क्षेत्र से लूटी गई थी जिस पर गाडी को जप्त कर थाने लाया गया। उच्च अधिकारियों के निर्देशन पर विशेष टीम गठित कर आम सूचनाओं का संकलन किया गया। कांस्टेबल अमित कुमार के जरिए मुखबिर सूचना मिली कि हरमाडा थाना क्षेत्र के ग्राम मोटू का वास में विनोद पुत्र सुण्डाराम निवासी गांव रामपुरा थाना थोई जिला सीकर अपने अन्य 5- 6 दोस्तों के साथ किराए पर कमरा लेकर रह रहा है। जिनके पास एक सफेद रंग की स्विफ्ट गाडी जिसके पीछे लिखा हुआ है। संदिग्ध फुटेज विनोद से मिलता जुलता भी है।

सूचना पर थाना चौमू की स्पेशल टीम के इंचार्ज राकेश कुमार एचसी व अमित कुमार कांस्टेबल को उक्त मुख्य सूचना की तफ्तीश करने व विनोद कुमार उसके पांच साथियों की मौजूदगी के बारे में पता करने के लिए निर्देशित किया गया। पुलिस टीम द्वारा वारदात में शामिल 6 शातिर अपराधी विनोद दूण उर्फ बिल्लू, महिपाल मान, विकास वर्मा, संजू मरोडिया, प्रवीण कुमावत, सिद्धार्थ व नितेश कुमावत उर्फ काल को बाद अनुसंधान गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

समीक्षा बैठक आयोजित

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलेक्टर ने बजट घोषणा 2023-24 के तहत जिले में खोले गए नए कार्यालयों के लिए भूमि आवंटन की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि 40 प्रकरणों में भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है शेष प्रकरणों का निस्तारण एक सप्ताह में करावे। उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि शहर में लगाए गए पेयजल समस्या समाधान शिविरों में आई सभी परिवेदनाओं की सूची उपलब्ध करावे ताकि परिवादी से रेण्डम फीडबैक लिया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि एक-एक परिवेदना को गंभीरता से लेकर यथाशीघ्र निस्तारण करे। उन्होंने निर्देश दिये कि शहर में पेयजल वितरण समानान्तर रूप से करावे। पेयजल टैंकर पर प्रभावी मॉनिटरिंग रखे। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को निर्देश दिये कि शहर में कचरा निस्तारण प्रक्रिया पर प्रभावी मॉनिटरिंग करें। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के कार्य वार्डवार कराए जाए। यूआईटी से समन्वय कर रंगाई-पुताई आदि कार्य करावे। बैठक में एडीएम प्रथम उत्तम सिंह शेखावत, डीएसओ जितेन्द्र सिंह नरूका, यूआईटी के सचिव अशोक कुमार योगी, आरटीओ रानी जैन, पीएचईडी के एसई अनिल कछावा व के.सी मीना, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता जे.एल मीना, सीएमएचओ डॉ.श्रीराम शर्मा, नगर परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई, महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक ऋषिराज सिंगल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आम-सूचना
मैं शिमला मिश्रा पत्नी स्व. श्री फूलचन्द मिश्रा घोषणा करती हूँ कि मेरा पुत्र पंकज मिश्रा जो काफी समय से मुझसे अलग रह रहा है। मेरे कहे में नहीं है। इसलिए मैं मेरी चल व अचल सम्पत्ति से पंकज मिश्रा को बेदखल करती हूँ व इससे किसी का भी कोई भी लेन-देन है तो उसकी जिम्मेदारी इसकी स्वयं की होगी, मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/3155 दिनांक-13.03.2023
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 121/46 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 72.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री रामकिशन शर्मा पुत्र श्री सूरजभान पुजारी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2316 दिनांक 31.03.1992 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 05.08.1992 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2521 दिनांक 02.05.2001 के द्वारा श्री रामकिशन शर्मा पुत्र श्री सूरजभान पुजारी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्री रामकिशन शर्मा की मृत्यु दिनांक 02.03.2014 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री महेन्द्र शर्मा पुत्र स्व. श्री रामकिशन शर्मा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री महेन्द्र शर्मा पुत्र स्व. श्री रामकिशन शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/3168 दिनांक-13.03.2023
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 83/53 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 145.125 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री सूर्य नारायण जोशी पुत्र श्री नारायण जोशी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3164 दिनांक 30.06.1994 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 09.01.1997 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1062 दिनांक 05.03.2001 के द्वारा श्रीमती सरला जोशी पत्नी श्री गिरधर गोपाल जोशी के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्रीमती सरला जोशी की मृत्यु दिनांक 19.05.2021 को हो जाने के कारण इनके पति श्री गिरधर गोपाल जोशी पुत्र स्व. श्री बिहारी लाल जोशी ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री गिरधर गोपाल जोशी पुत्र स्व. श्री बिहारी लाल जोशी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/3154 दिनांक-13.03.2023
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 52/71 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 225.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री कला टी. वंगानी पुत्र श्री थावर दास वंगानी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3695 दिनांक 19.01.1995 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 20.01.1995 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 231 दिनांक 21.01.1995 के द्वारा श्री कला टी. वंगानी पुत्र श्री थावर दास वंगानी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर में दिनांक 24.01.1995 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री कला. टी. वंगानी की मृत्यु दिनांक 02.01.2014 को हो जाने के कारण इनके भाई श्री सुनील कुमार वंगानी पुत्र स्व. श्री थावर दास वंगानी ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वसीयतनामा प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री सुनील कुमार वंगानी पुत्र स्व. श्री थावर दास वंगानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

सीताराम मंदिर में जयकारों के बीच हुई मूर्ति स्थापना

बोराज, (निसं)। कस्बे में नवनिर्मित श्री सीताराम जी मंदिर में चल रहे पंच दिवसीय मूर्ति स्थापना महोत्सव के दौरान सोमवार को प्रातः वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महंत कानदास स्वामी, आचार्य विष्णु दास, अग्र पीठाधीश्वर स्वामी डॉक्टर राघवाचार्य वेदांती महाराज, निंबार्क रत्न महंत मनोहर शरण शास्त्री पलसाना, महामंडलेश्वर स्वामी बालमुकुंदाचार्य, अवधेशानन्द महाराज जयपुर, यज्ञाचार्य कृष्ण अवतार शास्त्री के सानिध्य में सीताराम जी की मूर्ति की स्थापना के साथ शिव परिवार, मां दुर्गा एवं हनुमान जी महाराज की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

कार्यक्रम में विद्वान पंडितों द्वारा हवन कुंडों में हवन करवाया। जिसमें मुख्य यजमान बोराज ठाकुर त्रिवेंद्र सिंह व रामस्वरूप खोरानीया सहित 51 जोडों ने आहुतिया दी। राम कथा में पंडित चंद्र प्रकाश शास्त्री ने सीता स्वयंवर का प्रसंग सुनाया। ठाकुरजी की महाआरती के बाद बोराज ठाकुर त्रिवेंद्र सिंह की मां जी साहब की ओर से मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी प्राप्त की। आयोजक समिति की ओर से संत महात्माओं, भामाशाहों व अतिथियों का सम्मान किया गया।

समारोह में फुलेरा विधायक निर्मल कुमावत, पूर्व दूदू विधायक डॉ प्रेमचंद बैरवा, दूदू प्रधान रवि चौधरी, मौजमाबाद प्रधान उगन्ता सुकरिया, पूर्व प्रधान रामेश्वर प्रसाद कडवा, पूर्व बगरू विधायक डॉ कैलाश वर्मा, जिला पार्षद मनोज कुमावत, सरपंच सुरेन्द्र सिंह मीणा, पूर्व सरपंच प्रेमचंद टेलर, कमल कांत जयपुर, पूर्व प्रधान सन्तोष कडवा, महेन्द सिंह राव, बंटी मीणा, पंकज जैन, भागचन्द सोनी, आर्टिस्ट लक्ष्मीनारायण, पवन जोशी, जगदीश यादव, प्रवीण प्रजापत, गोपाल साँखला, शंकरसिंह शेखावत, भवंर मनेठिया, मुकेश शर्मा, हंसराज राव, बाबूलाल राव सहित सैकडों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बसवा, (निसं)। बसवा उपखंड मुख्यालय पर राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला अस्पताल में क्रमोन्नत करवाने की मांग को लेकर बसवा के लोगों ने समाजसेवी बीजेपी नेता पीडी मीणा के नेतृत्व में बसवा उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला अस्पताल में क्रमोन्नत करने की मांग करते हुए बताया कि इस स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए 15 ग्राम पंचायतों के गरीब परिवारों के लोग व आम आदमी इलाज करवाने के लिए आता है लेकिन बसवा स्वास्थ्य केंद्र पर आवश्यकता के अनुसार दवाइयां एवं समय पर चिकित्सक नहीं होने के कारण समय पर लोगों को इलाज नहीं मिल पाता। समय पर स्वास्थ्य केंद्र में सुविधा उपलब्ध नहीं होने पर गरीब लोगों का निजी अस्पताल वाले इलाज के नाम पर शोषण करते है जिसका कई बार लोगों ने विरोध भी किया है। इस संबंध में लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर बसवा स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला अस्पताल क्रमोन्नत करवाने की मांग की है।

रक्तदान शिविर के साथ फुलेरा ब्लड सेन्टर का शुभारंभ

- प्रथम बार रक्तदान कर हुई गर्व की अनुभूति : कृष्णा शर्मा

फुलेरा, (निसं)। नगर पालिका कार्यालय के निकट भवन परिसर पर फुलेरा ब्लड सेंटर का शुभारंभ किवाडा धाम के गौभक्त ऋषि तपस्वी प्रकाश दास महाराज के मुख्य आतिथ्य एवं कर कमलों के द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री श्री 1008 श्री सत्यनारायण महाराज, तहसीलदार सांभरलेक कृष्णा शर्मा, स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष एवं समाजसेवी दीनदयाल कुमावत, पंचायत समिति सदस्य धन्ना लाल नोदल, भाजपा मंडल अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह शेखावत, भामाशाह मनोज कुमावत व आशु सिंह सूरपुरा रहे।

कार्यक्रम के दौरान आगन्तुक अतिथियों का माला, साफा पहनाकर तथा स्मृति चिह्न देकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। वहीं कार्यक्रम में स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें सांभरलेक तहसीलदार कृष्णा शर्मा सहित अन्य रक्तदाताओं ने बढ-चढकर हिस्सा लिया।

जानकारी के अनुसार शिविर में कुल 102 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर हौसला अफजाई की गई। मंच संचालन योगेन्द्र गहलोत और मुकेश पारीक ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर फुलेरा ब्लड सेंटर के निदेशक अंशु कुमावत ने बताया कि फुलेरा और आसपास के ग्रामीण अंचल में रक्त की महती आवश्यकता को देखते हुए लोगों की मांग पर फुलेरा में ब्लड सेंटर स्थापित किया गया है। तहसीलदार सांभर लेक कृष्णा शर्मा ने प्रथम बार रक्तदान करते हुए कहा कि प्रथम बार रक्तदान करके गर्व की अनुभूति हो रही है। सभी लोगों को ऐसे पावन अवसर में बढ चढकर रक्तदान करना चाहिए। रक्त दान करने से शरीर में नई प्लेटेस्लेट्स का निर्माण होता है। इसी क्रम में डॉक्टर रजनी ने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति को साल में न्यूनतम 3 बार रक्तदान करना चाहिए।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष डी डी कुमावत ने कहा कि रक्त समय पर मिल जाने से लोगों का समय और धन दोनो बचेगा और समय पर मरीजों और जरूरतमंद लोगों को रक्त मिलने से लोगो की जान बच जायेगी। इस मौके पर संरक्षक केदार मल कुमावत, चेयरमैन हिमांशु कुमावत, लेखराज कुमावत, गौ सेवक कन्हैया लाल बागडा, वेदप्रकाश पारीक, विनोद बागडा, जितेंद्र बागडा, उद्घोषक(एंकर)सन्तोष स्वामी, शिक्षाविद शक्ति सिंह, शरद कालानी, लोको पायलट रामवतार धामा, शेषनारायण सैनी, श्याम लाल सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

खोया पाया
यह कि मेरे स्वामित्व का प्लॉट नंबर बी-6 टी.सी. नगर, खातीपुरा, जयपुर राजस्थान में स्थित है जिसमें आंशिक निर्माण किया हुआ है का सहकारी समिति द्वारा प्रदत्त मूल साइट प्लान कहीं खो गया हैं मिलने पर सूचित करें। परमेश्वरी देवी-8559969962

सिन्धु नगर कॉ. आपरेटिव हा.सो.लि. जयपुर की योजना मंगल विहार विस्तार के भूखण्ड सं.-8 की मूल रसीद कहीं गुम हो गई है, श्रीमती मोना-मो.नं. 7742286423

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 9/2023
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री राजकुमार अग्रवाल पुत्र श्री रामशरण अग्रवाल निवासी 20, वर्धमान नगर-ए, अजमेर रोड जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत गायत्री सप्त क्रांति ट्रस्ट, गायत्री कुंज, आर्य नगर, मुरलीपुरा जयपुर 302023 प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के समस्त व्यक्तियों नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 16.01.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 24.03.2023
रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर
मोहर अदालत

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम मैन्नम अग्रवाल से बदल कर मानविक अग्रवाल (Manvik Agarwal) पुत्र श्री दैवेन्द्र अग्रवाल रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। पता-7, मंगला मार्ग, ब्रह्मपुरी जयपुर।

मैं अदिती अग्रवाल पत्नी श्री वासु सक्सैना यह कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक खाते आदि समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम अदिती अग्रवाल (Aditi Agarwal) अंकित है। यह कि अदिती अग्रवाल (Aditi Agarwal) एवं अदिती सक्सैना (Aditi Saxena) मेरे स्वयं के ही नाम हैं यह कि भविष्य में मुझे अदिती अग्रवाल (Aditi Agarwal) के नाम से भी जाना एवं पहचाना जावें। निवासी टी-010 ब्लॉक 3, रंगोली गार्डन्स, महाराणा प्रताप मार्ग, श्री राम नगर ए-पांच्यावाला, जयपुर राज.

मैने मेरा नाम सुधा यादव से बदलकर सुधा आर्या रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। सुधा आर्या, केयर ऑफ महिपाल सिंह निवासी फ्लैट नंबर 401, बी-21, मंगलम सिटी कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर

I Yogendra Singh S/o Mahendra Singh R/o D-160 Prem Nagar Jhotwara Jaipur. That I have changed my name From YOGENDRA SINGH NEHRA is wrong entered in my passport To YOGENDRA SINGH on behalf my all documents .in future called me Yogendra Singh for all purposes.

I Fata W/o Shokin, R/o A-31, Pandit Deen Dayal Colony, Merta Nagaur, Rajasthan-341510, have changed my name to Salma Bano.

कंटेनर-ट्रक भिड़ंत में एक घायल

- भाबरू थाना पुलिस पहुँची मौके पर, घायल को अस्पताल में भर्ती कराया
- हाइवे स्थित भाबरू पुलिया के पास हुआ हादसा
- क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कराया साइड में

पावटा, (निसं)। भाबरू थाना इलाके के हाइवे स्थित भाबरू पुलिया के पास ट्रक और कंटेनर के बीच टक्कर हो गई। हादसे में कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और केबिन में फंस गया। ग्रामीणों ने बडी मशक्कत के बाद घायल चालक को केबिन से बाहर निकाला। वही हादसे के बाद हाइवे पर जाम भी लग गया।

ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत के बाद घायल चालक को केबिन से बाहर निकाला। वही हादसे के बाद हाइवे पर जाम भी लग गया।

सूचना पर हाइवे गश्तीदल और भाबरू थाना पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के मुताबिक ट्रक और कंटेनर दिल्ली से जयपुर की तरफ जा रहा था। इन दौरान ब्रेक लगाने से कंटेनर पीछे से ट्रक में जा घुसा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुँचाया। बताया जा रहा है कि ट्रक में बीयर की बोतलें भरी थी। क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाइवे से साइड में करवाया तथा यातायात सुचारू करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कविता यादव का स्वागत सम्मान

बहरोड/मुंडावर, (निसं)। भारतीय किसान संघ अलवर जिला अध्यक्ष मातादीन भाटी एवं जिला कार्यकारिणी मंडी प्रमुख भारतीय किसान संघ अलवर मोहर सिंह सहित विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुई प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ महिला नेत्री कविता धर्मपत्नी पूर्व विधायक मेजर ओपी यादव का क्षेत्र की महिलाओं द्वारा माला पहनाकर स्वागत करने के साथ ही मंच पर शाल ओढाकर क्षेत्रवासियों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। वहीं झझारपुर में आयोजित कुश्ती दंगल के कार्यक्रम में पहुंची नेत्री का मंच पर स्वागत सम्मान किया गया। इसी क्रम में सोडावास कस्बे सहित अनेकों पारिवारिक और सामाजिक कार्यक्रमों में शरीक हुई। इस दौरान भारतीय किसान संघ के अलवर जिला अध्यक्ष मातादीन भाटी सहित अलवर जिला कार्यकारिणी मंडी प्रमुख मोहर सिंह, मनजीत चौधरी विधायक मुंडावर, समाजसेवी धर्म चंद बोहरा, ललित यादव, भीमराज यादव आदि मौजूद रहे।

मालपुरा में दो सामुदायिक भवनों का उद्घाटन

मालपुरा, (निसं)। नगरपालिका प्रशासन द्वारा लाखो रूपयो की लागत से शहर के वार्ड नम्बर 18 व 19 मे बनवाये गये दो सामुदायिक भवनो का विधायक कन्हैयालाल चौधरी व पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने रविवार को उदघाटन कर आमजन को समर्पित करते हुए विकास को गति दी।

भाजपा की पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी के दो साल के कार्यकाल के दौरान बनवाये गये दोनो सामुदायिक भवनों का उदघाटन करते हुए विधायक चौधरी ने कहा कि राजनैतिक द्वेषता व षडयंत्र के तहत भाजपा की पालिकाध्यक्ष को प्रदेश की कांग्रेस सरकार के ईशारे पर स्वायत शासन विभाग द्वारा दो बार निलम्बित किये जाने से शहर का विकास अवरूद्ध हो गया। न्यायपालिका द्वारा सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट दोनो से सोनिया सोनी को दोहरी राहत मिलने व पुनः अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद ही आज लाखों रूपयों के दोनो विकास कार्यो का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया गया है। विधायक ने आगामी योजना में शहर के पवित्र सरोवर बम्ब तालाब को झील संरक्षण योजना के अन्तर्गत स्वच्छ व सुन्दर बनाने का बीडा उठाया गया है।

अध्यक्ष सोनिया सोनी ने विधायक के सुर मे सुर मिलाते हुए बिना भेदभाव के शहर के चहुमुंखी को गति देने का अपना वादा दोहराया। समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार जैन, शहर मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चन्द जैन, प्रहलाद सागरिया, त्रिलोक विजय, नोरत बीलवाल, मनीष सोनी, पार्षद रमेश पारीक, नेहा विजय व शंकर सोनी, मनोहर दास सिंधी, गणेश टेलर एवं रामप्रसाद वर्मा, रामचन्द्र नामा, महेश शर्मा, कृष्णगोपाल गुर्जर, नजरूदीन देशवाली, नन्दलाल डोई सहित बडी संख्या मे शहर के गणमान्य नागरिक,पालिका पार्षद मौजूद रहे।

ब्राह्मण होली स्नेह मिलन

रींगस, (निसं)। ब्राह्मण धर्मशाला परशुराम भवन में रविवार को ब्राह्मण होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। स्नेह मिलन में मुख्य अतिथि विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा तथा उपाध्यक्ष मंजू शर्मा थी। कार्यक्रम का शुभारम्भ संरक्षक सागरमल शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर तथा गजानन्द जोशी ने मंत्रोच्चार के बीच किया। इस मौके पर हास्य विनोद के कार्यक्रम भी आयोजित हुए जिसमें गोविन्द शर्मा तथा मदन मंडोला ने एक से एक कविता व हास्य पेश किये। कार्यक्रम के अध्यक्ष महेश बुटोलियां रहे। इस दौरान ब्राह्मण नवयुवक मण्डल के चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें प्रदीप शर्मा रिंकू को अध्यक्ष मनौनित किया गया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, रघुवीर पारीक, मंगल डाकवाला, संजय डाकवाला, अमित शर्मा, विष्णु गंगावत, पुनित शर्मा, राजेश कोरखन्या, रामबाबू डाकवाला, जुगल किशोर मण्डोला, ओमप्रकाश शर्मा, कमल कान्त मिश्रा, रवि खेस्तिका गौतम खेस्तिका सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन व प्रगति में लापरवाही पर होगी कार्यवाही : आर.के. मीणा

- योजनाओं की प्रगति हेतु 25 मार्च की डेडलाइन जारी

लालसोट, (निसं)। जिला परिषद दौसा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरके मीणा द्वारा आधार सीडिंग सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में ग्राम पंचायत की लापरवाही सामने आने पर स्पष्ट तौर पर साफ शब्दों में कहा कि अगर जिम्मेदारों द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती गई एवं समय रहते योजनाओं में प्रगति नहीं लाई गई तो विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

पंचायत समिति सभागार में जिला परिषद सीईओ आर.के. मीणा ने विभागीय प्रगति की बैठक ली।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर के मीणा द्वारा सोमवार को सभी ग्राम विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ सहायकों की ग्राम पंचायतवार समीक्षा बैठक पंचायत समिति सभागार में आयोजित की गई। जिसमें विशेष तौर पर महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत कार्यरत सभी श्रमिकों की आधार सीडिंग जिले में न्यूनतम पाए जाने पर गहरी नाराजगी जाहिर की गई। विशेषतौर पर डीडवाना, बिलोना कलां सूरतपुरा संवासा की आधार सीडिंग में सर्वाधिक पेंडेंसी पर गहरी नाराजगी जाहिर की गई। सभी ग्राम विकास अधिकारियों कनिष्ठ सहायकों को निर्देशित किया गया कि आगामी सात दिवस में कम प्रगति वाली ग्राम पंचायतों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, आधार आधारित भुगतान बढाने हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना एमपी एमएलए लेड स्वामित्व योजना, स्वच्छ भारत मिशन आदि योजनाओं की समीक्षा की गई। सभी योजनाओं की प्रगति हेतु 25 मार्च की डेडलाइन दी गई। पुनः समीक्षा बैठक आगामी सात दिवस में आयोजित की जाएगी। जिसमे कम प्रगति वाली ग्राम पंचायतों को चार्जशीट जारी की जावेगी। समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता बने सिंह मीणा, खंड विकास अधिकारी राजाराम मीणा, सहायक अभियंता हरकेश मीणा, सहायक कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप तिवाडी, सहायक विकास अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

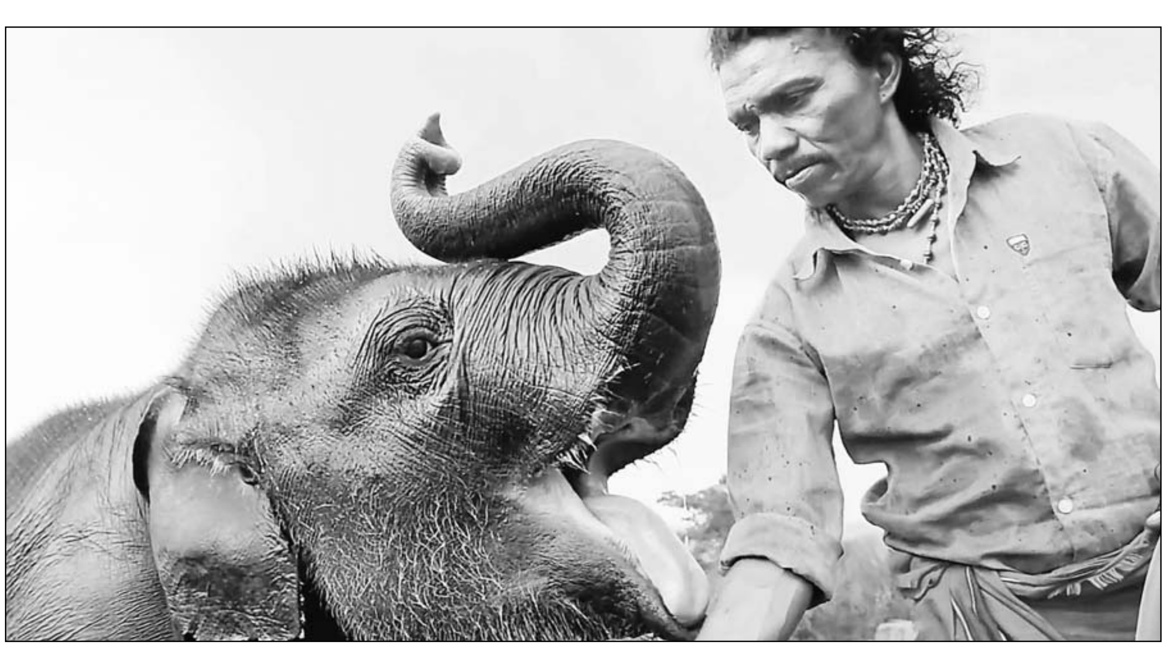

ऑस्कर अवॉर्ड समारोह भारत के लिए दोहरी खुशी साबित हुआ। नाटू नाटू के अलावा शॉर्ट फिल्म ''द एलिफैंट विस्परर्स'' को बैस्ट डॉक्युमैंटरी शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर अवॉर्ड दिया गया। पिच्चानवे ऑस्कर अवॉर्ड समारोह पर, सोमवार अल सुबह से ही सबकी निगाहें थीं। उस समय हर भारतीय खुशी से झूम उठा जब भारतीय फिल्म ''द एलिफैंट विस्परर्स'' के नाम की घोषणा बैस्ट डॉक्युमैंटरी शॉर्ट फिल्म के लिए हुई। इस फिल्म को कार्तिकी गोंज़ाल्विस ने डायरैक्ट किया है। ''द एलिफैंट विस्परर्स'' 8 दिसम्बर 2022 को रिलीज़ हुई थी। 39 मिनट की यह इंडियन अमेरिकन शॉर्ट डॉक्युमैंटरी एक दम्पति और हाथी के दो बच्चों की कहानी है। यह कहानी तमिलनाडु के मुदुमलाई टाइगर रिज़र्व की है, जहां यह दम्पति हाथी के दो अनाथ बच्चों को गोद लेता है और उनकी देखभाल करता है। फिल्म के निर्माता गुनीत मोंगा और अचिन जैन हैं।

इस साल 10 लाख भारतीयों को वीज़ा देगा अमेरिका

अमेरिकी दूतावास ने कहा कि, हम पहले ही इस साल 2 लाख भारतीयों का वीज़ा प्रोसैस कर चुके हैं

वॉशिंगटन, 13 मार्च। अमेरिका की तरफ भारतीयों के लिए गुड न्यूज है। पिछले महीने अमेरिका ने भारतीयों के लिए वीजा स्लॉट खोले थे। अब एक और बार अमेरिका ने भारतीयों को एक और बड़ी सौगात दी है। अमेरिका ने ऐलान किया है कि वह 10 लाख भारतीय नागरिकों को इस साल वीजा जारी करेगा।

- **अमेरिकी दूतावास के अनुसार, साल 2022 में यू.एस. स्टेट डिपार्टमेंट ने पूरी दुनिया से करीब 90 लाख अप्रवासी वीजा प्रोसैस किए थे। इन वीजा में बिजनेस, ट्रैवल, स्टूडेंट और क्रू वीजा शामिल हैं।**
- **अपने टारगेट को पूरा करने के लिए अमेरिकी दूतावास में स्टाफ बढ़ाया जा रहा है।**

अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी मिशन ने पहले ही भारत में हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों में दो लाख से अधिक आवेदनों को प्रोसेस किया गया है। हम 2023 में 10 लाख से अधिक गैर-अप्रवासी वीजा आवेदनों को प्रोसेस करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ट्रैक पर हैं।

अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि हमारा लक्ष्य दस लाख वीजा आवेदनों को प्रोसेस करना है, जिसमें सभी श्रेणियों के गैर-अप्रवासी वीजा शामिल हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, साल 2022 में यू.एस. स्टेट डिपार्टमेंट ने पूरी दुनिया से करीब 90 लाख अप्रवासी वीजा प्रोसेस किए थे। इन वीजा में बिजनेस, ट्रेवल, स्टूडेंट और क्रू वीजा शामिल हैं।

अपने टारगेट को पूरा करने के लिए अमेरिकी दूतावास में स्टाफ बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा ड्रॉप-बॉक्स सुविधाओं के दायरे का विस्तार किया जा रहा है और भारतीय नागरिकों के लिए प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए वीकएंड में इंटरव्यू स्लॉट खोलने की तैयारी भी की जा रही है। वीजा के लिए वेटिंग टाइम पहले ही काफी कमी आई है।

जनवरी में अमेरिकी दूतावास ने शनिवार को इंटरव्यू स्लॉट देने की शुरुआत की थी। इसका मकसद करोना महामारी की वजह से वीजा के बैकलॉक को क्लियर करना था। एक बयान में अमरिकी मिशन ने बताया कि उसने भारत में मौजूद अपने दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद के ऑफिसों में स्टॉफ की संख्या बढ़ाई है।

मंत्री धारीवाल बोले, शहीद लाम्बा की पत्नी देवर के नाते गई, अब नौकरी मांग रही, तमाशा है क्या?

उन्होंने कहा, सांसद किरोड़ी लाल का कृत्य आतंकी से कम नहीं होता, सरकार कैसे बर्दाश्त करेगी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 13 मार्च। विधानसभा में संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने पुलवामा हमले में शहीद हुए रोहिताश लाम्बा की वीरांगना के देवर के नाते जाने का दावा किया। इतना ही नहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के कृत्य को भी आतंकी जैसा बता दिया। धारीवाल की इन दोनों टिप्पणियों के चलते सदन में जमकर हंगामा मचा। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ समेत तमाम भाजपा विधायकों ने इस पर नाराजगी जताते हुए तकरीबन 70 मिनट तक वैल में नारेबाज़ी की। राठौड़ ने कहा, वीरांगना का चरित्र-हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे, मंत्री में शर्म है कि नहीं? वीरांगना के नाते जाने का सबूत दें, नहीं तो मंत्री अपना इस्तीफा सौंपे। सांसद को आतंकी कह रहे हैं, यह बर्दाश्त नहीं होगा।

सदन में हंगामा बढ़ता देखकर स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने शहीदों के मुद्दे पर हो रही चर्चा खत्म करवा दी, बाद में धारीवाल के शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटवाकर मामला शांत कराया।

दरअसल सोमवार को शून्यकाल में आधा दर्जन विधायकों ने बीते 10 दिनों से राजधानी जयपुर में धरने पर बैठी वीरांगनाओं का मुद्दा उठाया था। जिस पर स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने दोपहर 2 बजे अलग से चर्चा करवाने और सरकार की तरफ से जवाब दिलाने की व्यवस्था दी।

संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने सरकार की ओर से जवाब देते हुए सदन में कहा कि, ''शहीद रोहिताश लांबा की पत्नी का देवर तो पहले से शादीशुदा था। उसके दो बच्चे हैं। फिर लाम्बा की पत्नी देवर के नाते चली गई। अब नाते जाकर कहती है कि मेरे देवर को नौकरी दो। भाई वाह, तमाशा है क्या? कहीं ऐसा हुआ है कि नियमों के खिलाफ किसी को नौकरी मिल गई हो। नियम के तहत जिसे नौकरी मिलनी होगी, उसे मिलेगी। जो शहीद हुए, उसके दोनों बच्चे मौजूद है। नौकरी पर हक उनका है। इस मामले में राजनीतिक रोटियां सेंकने से काम नहीं चलेगा।

इसके बाद धारीवाल ने सांसद किरोड़ीलाल के कृत्य को आतंकी करार दिया। उन्होंने कहा राजनीति में रुचि लेने वाला हर व्यक्ति जानता है कि किरोड़ीलाल जिस प्रकार का कृत्य करते हैं। वह किसी आतंकी से कम नहीं होता। किरोड़ीलाल जैसा सांसद नियम जानते हुए भी नियम के खिलाफ जाकर आंदोलन करे, शांति भंग करने की कोशिश करें। कैसे बर्दाश्त करेंगे। कानून की पालना करने वाली सरकार यह कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती।

- **विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री की इस दोनों टिप्पणियों पर जमकर हंगामा मचा, भाजपा विधायकों ने 70 मिनट तक वैल में आकर नारेबाजी की।**
- **उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने नाराजगी जताते हुए कहा, ''सदन में वीरांगना का चरित्र-हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे, मंत्री में शर्म है कि नहीं? या तो वीरांगना के नाते जाने का सबूत मंत्री दें, नहीं तो इस्तीफा सौंपें।''**
- **स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी ने हंगामा बढ़ता देखकर सदन में शहीदों के मुद्दे पर हो रही चर्चा खत्म करवा दी, बाद में धारीवाल के शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटवाकर शांत कराया।**

धारीवाल के कमेंट पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि एक वीरांगना के लिए यह बात कह देना कि नाते चली गई। बहुत गलत है। आप मेरा इस्तीफा रख लीजिए। मंत्रीजी, क्या आप में थोड़ी भी शर्म नहीं है? एक वीरांगना का चरित्र हनन करेंगे। उस पर कीचड़ उछालेंगे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपके पास क्या सबूत है कि नाते चली गई? हम वीरांगना का चरित्र हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे और आप एक सांसद को आतंकी कह रहे हैं।

भाजपा विधायक मदन दिलावर ने कहा कि वीरांगनाओं को अस्पताल ले जाने की बात कहकर धरने से उठाया। फिर गांवों में ले गए। वीरांगना मंजू जाट से इतनी मारपीट की गई कि वह बोल नहीं पा रही थी। आप वीरांगनाओं से मारपीट करवाते हो। वादाखिलाफी करते हो। वीरांगनाओं से अत्याचार करोगे। कौन कल देश की रक्षा करने सेना में जाएगा? वीरांगनाओं से मारपीट करने वाले और वादाखिलाफी करने वाले देशद्रोही हैं। इन पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

भाजपा विधायक रामलाल शर्मा, कालीचरण सराफ ने कहा कि पुलवामा शहीदों की वीरांगनाओं से सरकार के मंत्रियों ने वादे किए थे। वे वादे ही तो याद दिला रही थीं। मंत्री शहीदों के अंतिम संस्कार के वक्त परिजन नौकरी देने का वादा करके आए थे।

धारीवाल के कमेंट पर भाजपा विधायकों ने सदन में जमकर हंगामा किया।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ समेत तमाम भाजपा विधायकों ने वैल में उतरकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सदन में हंगामा बढ़ता देखकर स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने मंत्री के इस जवाब के बाद जनजाति क्षेत्रीय विकास और महिला बाल विकास की अनुदान मांगों पर बहस शुरू करवा दी। भाजपा विधायकों ने वैल में आकर नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच ही करीब छह विधायक अनुदान की मांगों पर बोलते रहे।

इससे पहले धारीवाल ने सरकार की तरफ से जवाब देते हुए कहा कि वीरांगनाओं के मुद्दे पर सांसद किरोड़ीलाल पहली बार धरने पर बैठे तो उस वक्त गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव से वार्ता हुई। उसमें वे मान गए और 15 दिन दे दिए। पर उस बात से पलट गए, जैसी इनकी आदत है। बाद में इन्होंने कहा कि सीएमओ के अफसर से मिलवाइए। सीएम सचिव आरती डोगरा से वार्ता करवाई गई। वे इससे संतुष्ट हो गए, धरना खत्म करने पर सहमत हो गए। लेकिन फिर पलट गए। बाद में वीरांगनाओं के साथ सचिन पायलट के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि 6 मार्च को वीरांगनाएं सचिन पायलट से मिली। पायलट ने उन्हें उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। फिर वे उनके आवास के बाहर धरने पर बैठ गईं। किरोड़ी शहीद स्मारक पर धरने पर बैठे रहे। गत 9 मार्च को किरोड़ी ने बिना अनुमति कूच किया। प्रदर्शन किया, इस पर उनके और समर्थकों के खिलाफ सोडाला थाने में मुकदमा दर्ज किया। किरोड़ीलाल के वीरांगना मंजू के गांव जाने से वहां शांति को खतरा था। उन्हें सामोद में रोका गया। वहां उनके समर्थकों ने पुलिस से बदसलूकी की। किरोड़ीलाल और समर्थकों को वरिष्ठ पुलिस अफसरों ने समझाया, लेकिन उन्होंने गाली गलौच की। इस पर पुलिस ने उन्हें हटाया।

रास्ते में बीपी (ब्लड प्रेशर) की शिकायत होने पर उन्हें गोविंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया था। सामोद थाने में मुकदमा दर्ज किया है। इसके बाद भाजपा के प्रदर्शन में जयपुर में पुलिस की तीन गाड़ियां तोड़ी गई, इस पर अशोक नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया है।

वन रैंक वन पैंशन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने उस संदेश को तुरन्त वापस ले, जिसमें कहा गया था कि ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स चार किश्तों में दिया जायेगा।

अटॉर्नी जनरल और वेंकटरामानी ने कहा कि केन्द्र पूर्व सैनिकों को ओ.आर.ओ.पी. की पहली किस्त का भुगतान कर चुका है लेकिन आगे और भुगतान करने के लिये उसे कुछ और समय चाहिये।

बैंच ने वैंकटरामानी से कहा, ''पहले ओ.आर.ओ.पी. के भुगतान से संबंधित (अपनी) 20 जनवरी की अधिसूचना को वापस लीजिये, उसके बाद ही, हम समय संबंधी आपकी अर्जी पर विचार करेंगे।''

बैंच ने कहा कि रक्षा मंत्रालय की 20 जनवरी की अधिसूचना उसके (अदालत) के निर्णय के पूरी तरह विपरीत थी।

बैंच ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि वे एक नोट तैयार करें, जिसमें किये जाने वाले भुगतान की मात्रा, भुगतान के लिये अपनाये जाने वाले तरीको का विस्तृत विवरण दिया जाये तथा यह भी बताया जाये कि एरियर्स के भुगतान के समय एवं राशि की प्राथमिकताएं क्या होंगी।

शीर्ष अदालत एडवोकेट बालाजी श्रीनिवासन के माध्यम से इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमैंट (आई.ई.एस.एम. द्वारा दायर की गई याचिका की सुनवाई कर रही है। याचिका में आई.ई.एस.एम. ने माँग की है कि रक्षा मंत्रालय की 20 जनवरी की अधिसूचना रद्द कर दी जाये। 27 फरवरी को, शीर्ष अदालत ने सशस्त्र सेनाओं के पात्र पेंशनरों को ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स के भुगतान में विलम्ब को लेकर रक्षा मंत्रालय की खिंचाई की थी तथा संबंधित सचिव से ऐसी अधिसूचना जारी करने का स्पष्टीकरण माँगा था, जिस अधिसूचना में अदालत द्वारा तय की गई भुगतान की टाइमलाइन को बढ़ा दिया गया था। 9 जनवरी को शीर्ष अदालत ने ओ.आर.ओ.पी. के कुल एरियर्स के भुगतान के लिये केन्द्र को 19 मार्च तक का समय दिया था।

लेकिन 20 जनवरी को रक्षा मंत्रालय ने ऐसी अधिसूचना जारी कर दी थी कि एरियर्स चार वार्षिक किश्तों में दिये जायेंगे।

बी.बी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि ''बी.बी.सी. के लिए निष्पक्षता महत्वपूर्ण है। जब लोगों को विभिन्न सोशल मीडिया प्रोफाइल्स एवं ऑडिएन्सेस के साथ विभिन्न कॉन्ट्रैक्ट्स व ऑन एयर पोज़ीशन्स दी जाती हैं तब बिगड़ी स्थिति को पटरी पर लाने के लिए संतुलन स्थापित करना कठिन होता है।''

उन्होंने आगे कहा कि लिनेकर जैसे फ्रीलांसर्स सहित सोशल मीडिया गायडैन्स को कैसे संचालित किया जा सकता है, उस पर एक स्वतंत्र रिव्यू किया जाएगा।

अलवर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रोजैक्ट की फंडिंग भी शामिल है, संबंधित एयरपोर्ट डैवलपर और संबंधित राज्य सरकारों की होगी बशर्ते एक राज्य सरकार ने प्रोजैक्ट प्रस्तावित किया हो। जनरल सिंह ने कहा कि देश भर में 21 ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाए जाने हैं। इनमें से 11 पहले से काम कर रहे हैं। ये है- शिर्डी, कन्नूर, पकयोंग, कलबुर्गी, ओरवकाल (कुर्नूल) सिंहदुर्ग, कुशीनगर, इटा नगर, मोपा, शिवा मोगा।

सिलिकॉन वैली बैंक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विफल होने से एक विषम चक्र चलने की आशंकाएं पैदा कर दी हैं। तथापि यह विफल बैंकों के एक गंभीर पतन के बजाए वर्ष 2008 के ग्लोबल फायनैंशियल संकट की याद अधिक ताजा करता है। वर्तमान के बैंक वर्ष 2008 के बैंकों की तुलना में कहीं अधिक कैपिटलाइज्ड और मैनेज्ड हैं तथा रैग्यूलेटर्स ने आश्वस्त किया कि किसी प्रकार के चेन रिएक्शन की आशंका नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय परिप्रेक्ष्य में अमेरिकी बैंकों की विफलता के प्रति निराशाजन प्रतिक्रिया की जरूरत नहीं है।

यद्यपि सभी विशेषज्ञ इस बात पर सहमत थे कि एस.वी.बी. की विफलता का भारतीय बैंकिंग सैक्टर पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा, फिर भी इनकी खबर ने निवेशकों के मनोभावों पर एक मनोवैज्ञानिक असर डाला। प्राइवेट सैक्टर के कुछ बैंकों सहित बैंकों के शेयर भावों में भारी गिरावट आई।

फिर भी, भारत का बैंकिंग सैक्टर किसी बुरी स्थिति से फिलहाल थोड़ा सुरक्षित महसूत कर रहा है।

महंगाई की वर्तमान दर ट्रैंड में मामूली सुधार दर्शा रही है। यह दर 6.5 प्रतिशत से गिरकर 6.44 प्रतिशत पर आ गई है। तथापित महंगाई का वर्तमान स्तर रिज़र्व बैंक द्वारा तय सहनशक्ति के स्तर से ऊपर चल रहा है।

आर.बी.आई. ने महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत, यानि कि 2 प्रतिशत प्लस या माइनस तय किया था। उसके हिसाब से वर्तमान महंगाई दर आर.बी.आई. के टॉलरैन्स बैण्ड से अधिक है।

यद्यपि, अमेरिकी बैंकों की विफलता और आम निराशा से निर्मित संवेदनशील स्थिति को ध्यान में रखते हुए, उम्मीद है कि आर.बी.आई. महंगाई का मुकाबला करने के लिए ब्याज दर में फिलहाल और कोई वृद्धि नहीं करेगा।

ब्याज दर में की जाने वाली कोई भी वृद्धि प्रायः बैंकों के असैट पोर्टफोलियो पर विपरीत असर डालती है क्योंकि बैंकों के पास आमतौर पर बॉण्ड्स के फार्ज बैग होते हैं और जब ब्याज दरें बढ़ती हैं तब बॉण्ड्स का मूल्य प्रभावित होता है।

बैंकों की विफलता की खबरों के बाद सरकार भी सक्रिय हो रही है। एस.वी.बी. के ध्वस्त होने के बाद किसी संभावित कठिनाई को कम करने को लेकर सरकार भारतीय स्टार्ट अप्स के बारे में सोच रही है, क्योंकि बताया जाता है कि अधिकांश स्टार्ट अप्स ने अपने फण्ड्स एस.वी.बी. में रखे हुए थे।

'पहली बार देखा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा- दोनों ही सदनों में सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य इंगलैंड में लोकतंत्र को लेकर की गई राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर जबरदस्त नारेबाजी कर रहे थे।

लोकसभा में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गत सप्ताह राहुल गांधी द्वारा भारत के लोकतंत्र पर की गई टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना की तथा भाजपा सदस्यों द्वारा किये जा रहे राहुल-विरोध को नेतृत्व प्रदान किया। संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने राजनाथ सिंह का समर्थन करते हुये, माँग की कि राहुल गांधी अपनी टिप्पणियों के लिये माफी माँगें। दोनों सदन सुबह ही अपरान्ह 2 बजे तक के लिये स्थगित कर दिये गये, किन्तु उसके बाद, जब दोनों ही तरफ से हंगामा और शोर-शराबा जारी रहा, तो सदन पूरे दिन के लिये स्थगित कर दिये गये। पहले स्थगन से पूर्व, कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों में सत्ता पक्ष की नारेबाजी के जवाब में, अपनी पुरानी माँग दोहराई कि प्रधानमंत्री मोदी की सहायता से गौतम अडानी के उत्थान की जाँच जॉइन्ट पार्लियामैन्ट्री कमेटी (जे.पी.सी.) से कराई जाये। राज्यसभा में दिग्विजय सिंह ने कहा कि वे लम्बे समय से संसद में हैं लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं देखा कि सत्तारूढ़ पार्टी सदन को काम न करने दे, जैसा कि राहुल की क्षमा-याचना के लिए भाजपा सदस्यों की नारेबाजी में दिखाई दे रहा था।

समलैंगिक विवाह के मुकदमे की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा

अब इस केस की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वृहद बैंच करेगी

नई दिल्ली, 13 फरवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ समलैंगिक जोड़े की शादी को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर 18 अप्रैल से सुनवाई शुरू करेगी और इस अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

- **मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की बैंच ने सोमवार को मामले में संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले को संविधान बैंच के समक्ष विचार के लिए भेजने का फैसला सुनाया।**

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने सोमवार को मामले में संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले को संविधान पीठ के समक्ष विचार के लिए भेजने का फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि संविधान पीठ 18 अप्रैल से इस मामले की सुनवाई शुरू करेगी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद कहा, हम संविधान के अनुच्छेद 145 (3) का इस्तेमाल करेंगे और पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा इस मामले का फैसला किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने संविधान पीठ के समक्ष मामले को अंतिम सुनवाई के लिए भेजते हुए कहा कि सम्मान के साथ जीने के अधिकार सहित विभिन्न अधिकारों के परस्पर प्रभाव के मद्देनजर यह मुद्दा मौलिक महत्व का है।

केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के समक्ष तर्क देते हुए कहा कि प्रेम, अभिव्यक्ति और पसंद की स्वतंत्रता के अधिकार को पहले ही उच्चतम न्यायालय द्वारा मान्यता दी जा चुकी है। कोई भी उन अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं कर रहा है, लेकिन जहां तक विवाह का अधिकार प्रदान करने का सवाल है यह तो विधायिका के विशेष क्षेत्र में आता है।

मेहता ने हालांकि कहा कि यदि एक मान्यता प्राप्त संस्था के रूप में विवाह समान लिंग के बीच आता है तो गोद लेने पर सवाल आएगा और इसलिए संसद को बच्चे के मनोविज्ञान के मुद्दे को देखना होगा।

'इलाहाबाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मस्जिद हाई कोर्ट और यू.पी. सुन्नी सैंट्रल वक्फ बोर्ड की याचिका खारिज कर दी जिसने इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नवम्बर 2017 के आदेश को चुनौती दी थी।

जस्टिस एम.आर. शाह और सी.टी. रवि कुमार की बैंच ने याचिकाकर्ताओं को अनुमति दी कि मस्जिद के लिए आसपास अन्य जमीन मांगने के लिए आवेदन कर सकते है। कोर्ट ने कहा कि यह जमीन लीज़ पर या और लीज़ खत्म हो चुकी है इसलिए याचिकाकर्ता इस पर दावा नहीं कर सकते है।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, जो मस्जिद प्रबंध समिति के वकील हैं, ने कहा कि यहां पर 1950 के दशक से ही मस्जिद है और इसे हटाने के लिए नहीं कहा जा सकता है। बैंच ने कहा कि लीज़ खत्म होने के बाद मस्जिद को हटाने के लिए कहा गया है।

तेलंगाना में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सामना पार्टी के बहुत सारे पुरुष और महिलाएं कर रहे हैं।

जिस दिन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैदराबाद आये तथा उन्होंने सभी नेताओं को मिलकर पार्टी के लिये काम करने के निर्देश दिये थे, उसके एक दिन बाद ही भाजपा के एक अन्य नेता ने सवाल खड़ा किया था कि ये ऐसी चीजें हैं जिनके लिये हम कांग्रेस की आलोचना करते हैं तो फिर हम वैसा ही काम कैसे कर सकते हैं।

एक राजनैतिक विश्लेषक का कहना है कि राज्य में विभिन्न पार्टियों के लोगों का भाजपा में शामिल होना यह तो दर्शाता है कि भाजपा की अंदरूनी बनावट और बुनावट में कुछ फर्क तो है। लेकिन अब भाजपा के अंदरूनी मतभेद भी सामने आ रहे हैं। राजनैतिक विश्लेषक ने कहा कि अगर भाजपा सावधान न रही तो वह अपनी वो संभावनाएं गँवा बैठेगी, जो तेलंगाना में शानदार से भी बेहतर नज़र आ रही हैं। इस बीच, शेखर राव और अरविन्द ने बान्डी संजय की उन अशोभनीय टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है जो उन्होंने के.सी.आर. की पुत्री के. कविता के खिलाफ की थीं। बान्डी संजय ने तेलुगू में कहा था, ''ई.डी. उन्हें गिरफ्तार ही करेगा और क्या, उन्हें चूमेगा?'' संजय की यही वो टिप्पणी है जो भाजपा नेताओं को भी नागवार गुजरी है। इसी सिलसिले में, राज्य महिला आयोग ने बान्डी संजय को एक नोटिस जारी कर दिया है तथा उन्हें 15 मार्च को आयोग में तलब किया है।

भारत को एक साथ मिली दो ऑस्कर पुरस्कार जीतने की खुशी

''आर.आर.आर.'' फिल्म के गाने नाटू-नाटू को बैस्ट ओरिजनल सॉन्ग कैटगिरी में तथा ''द एलिफैंट विस्परर्स'' फिल्म को बैस्ट डॉक्यूमैंटरी शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर अवॉर्ड प्राप्त हुआ है

नई दिल्ली, 13 मार्च (वार्ता)। भारत की झोली इस बार ऑस्कर पुरस्कारों से भर गई है, एक साथ भारत को दो ऑस्कर अवॉर्ड प्राप्त हुये हैं। फिल्म ''आर.आर.आर.'' के नाटू-नाटू सॉन्ग को बैस्ट ओरिजनल सॉन्ग का ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा द एलिफेंट व्हिस्पर्स ने सोमवार को 95वें अकादमी पुरस्कारों में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार जीता। द एलिफेंट व्हिस्पर्स फिल्म का निर्माण गुनीत मोंगा ने और निर्देशन कार्तिकी गोंजाल्विस ने किया है।

इस लघु फिल्म की प्रतिस्पर्धा हॉलआउट, द मार्था मिशेल इफेक्ट, स्ट्रेंजर एट द गेट, और हाउ डू यू मेज़र ए ईयर से थी।

- **ऑस्कर अवॉर्ड्स में जीत का परचम लहराने वाली डॉक्यूमैंटरी फिल्म द एलिफेंट विस्परर्स की हर ओर तारीफ हो रही है। ऑस्कर अवॉर्ड जीतने के बाद फिल्म सोशल मीडिया पर छाई हुई है। 39 मिनट की इस फिल्म में इंसान और जानवर के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है।**
- **''द एलिफैंट विस्परर्स'' फिल्म मात्र 39 मिनट की है लेकिन इसे बनाने में फिल्म की टीम को 5 साल मेहनत करनी पड़ी है।**

ऑस्कर अवॉर्ड्स में जीत का परचम लहराने वाली डॉक्युमेंट्री शॉर्ट फिल्म द एलिफेंट व्हिस्पर्स की हर ओर तारीफ हो रही है। ऑस्कर अवॉर्ड जीतने के बाद फिल्म सोशल मीडिया पर छाई हुई है। 39 मिनट की इस फिल्म में इंसान और जानवर के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस मूवी को बनाने का सफर काफी दिलचस्प रहा है।

द एलिफेंट व्हिस्पर्स को कार्तिकी गोंजाल्विस ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा हैं। कुछ मिनटों की इस फिल्म की कहानी दक्षिण भारतीय कपल बोमन और बेली की है, जो रघु नाम के छोटे अनाथ हाथी की देखभाल करते हैं। इस डॉक्युमेंट्री फिल्म को तमिल भाषा में बनाया गया है, जिसे नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है।

कहने को तो द एलिफेंट व्हिस्पर्स 39 मिनट की पिक्चर है। लेकिन इसे बनाने में कार्तिकी गोंजाल्विस और गुनीत मोंगा ने पूरे पांच साल तक मेहनत की है। फिल्म की डायरेक्टर ने पांच साल तक बोमन और बेली की जिंदगी को करीब से देखा। छोटी से छोटी किसी भी जानकारी को बारीकी से गौर किया, जिसका परिणाम यह मिला कि उसे बड़ी ही खूबसूरती से फिल्म में दिखाया गया।

द एलिफेंट व्हिस्पर्स 8 दिसंबर, 2022 को रिलीज हुई थी। इस मूवी में इंसान और बेबी एलिफेंट के बीच की बॉन्डिंग को दिखाया गया है। कैसे एक कपल हाथी को अपने बच्चे की तरह पालता है, उसकी देखभाल करता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

360 View Camera

Head Up Display

22.86cm SmartPlay Pro+

6 Airbags^

In-built Suzuki Connect

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JAIPUR: NEXA MANSAROVAR (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **AJMER: NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR: NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH: NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*T&C apply. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time. Smart Finance available only in select cities. Creative Visualization. Black Glass on vehicle is due to lighting effect. ^For details on funcioning of safety features including air bag,, kindly refer to the Owners manual.